

267 एपिसोड तक चला था करिश्मा कपूर का टीवी शो, 67 साल की बिजनेसवुम न बनी थीं 'लोलो'

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 33
न्यूनतम - 23

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 287 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026 ● आश्विन शुक्ल 6 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

षष्ठम दिन

मां कात्यायनी



मां कात्यायनी को शक्ति, पराक्रम और धर्म की रक्षा करने वाली देवी माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, उन्होंने महिषासुर का वध किया था। सिंह पर सवार उनकी दिव्य छवि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा देती है। भक्त मनोकामना पूर्ति, साहस और वैवाहिक सुख के लिए इनकी पूजा करते हैं।

हर दिन का संघर्ष

अपनी जान जोखिम में डाल 'टेकर' पर लटककर सफर कर रहीं महिलाएं, मंत्री ने दिए कार्रवाई के निर्देश

रांची (एजेंसी)। रांची के सुदूरवर्ती इलाके में रहने वाले लोगों की मुश्किलें कुछ अधिक होती है, लेकिन इन इलाकों में रहने वाली महिलाएं हर दिन अपनी जान में जोखिम में डालकर कई किलोमीटर का सफर तय करने के लिए मजबूर हैं। महिलाएं टेकर के पीछे किसी तरह से लटककर मजदूरी की तलाश में रांची पहुंचती हैं। फिर शाम में तमाम थकान के बावजूद उसी तरह से लटकर घर वापस लौटने की मजबूरी होती है।

वाहन के पीछे लटककर यात्रा की तस्वीर वायरल होने के बाद राज्य के परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ ने विभागीय अधिकारियों को इस पर तुरंत लगाने का निर्देश दिया है।

रांची ट्रैफिक पुलिस को कार्रवाई करने का निर्देश- दरअसल, सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हुई, जिसमें एक टेकर के चारों ओर कई महिलाएं लटक कर सफर करती नजर आ रही हैं। इस मामले में परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ ने संज्ञान लिया है। उन्होंने रांची ट्रैफिक पुलिस को मामले में कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। दीपक बिरुआ ने लिखा है तत्परता से कार्रवाई करें और भविष्य में ऐसी घटना न हो इसकी व्यवस्था करें। सभी पुलिस विभाग और परिवहन विभाग के अधिकारी भी जानते है कि रांची के आसपास के ग्रामीण इलाकों से हर दिन महिलाएं मजदूरी करने शहर आती हैं। वाहन में बैठने की बात तो दूर जब खड़े रहने के लिए भी जगह नहीं मिलती है, तो इसी तरह से शाम को लौटते समय वे इसी तरह टेकर पर सवार होकर अपने गांव जाती हैं।



विधायक जयराम महतो ने भी जताई चिंता

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विधायक जयराम महतो ने भी इस वीडियो को साझा किया था। उन्होंने लिखा झारखंड की सड़कों पर दौड़ती ऐसी गाड़ियां दुर्घटना को न्योता दे रही है। ना सिर्फ गाड़ी के मालिक बल्कि आम जनता को भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इससे उनकी जान को खतरा हो सकता है।

पीएम मोदी ने लद्दाख को दी 3350 करोड़ रुपए की सौगात

● बोले- नई पीढ़ी पर सरकार का स्पेशल फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि सरकार का ध्यान लद्दाख की नई पीढ़ी पर है, ताकि युवाओं को अच्छी शिक्षा मिले और उन्हें दूसरे शहरों पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के लिए लद्दाख का विकास प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने लद्दाख में करीब 3,350 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का वर्चुअली उद्घाटन और लोकार्पण किया। इनमें लेह एयरपोर्ट का नया पैसेंजर टर्मिनल, 298 किलोमीटर लंबी निम्मू-पदुम-दरचा सड़क, 9 मेगावाट का हानू हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, बिजली ट्रांसमिशन लाइन, देश का पहला पेट्रोग्लिफ संरक्षण पार्क और 40 गांवों में बनाए गए जलाशय शामिल हैं। इन प्रोजेक्ट्स से लद्दाख में हवाई और सड़क कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

विदेशी मेहमानों को लद्दाख की बनी चीजें देता हूं



पीएम मोदी ने कहा- लद्दाख में खेलों की भी बहुत संभावनाएं हैं। यहां के युवाओं ने आइस हॉकी, पर्वतारोहण में नई पहचान बनाई है। यहां की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि युवा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल करें।

संक्षिप्त समाचार

न्याय जरूर होगा...

जेएनयू यौन उत्पीड़न मामले में पुलिस समन पर बोले कांग्रेस सांसद बिमोल अकोइजम



नई दिल्ली (एजेंसी)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की 11 छात्राओं के यौन उत्पीड़न के आरोपों से घिरे कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम ने कहा है कि वह अन्याय के खिलाफ लड़ेंगे और न्याय जरूर होगा। दिल्ली पुलिस के समन के बाद इंफाल से दिल्ली के लिए रवाना होते हुए अकोइजम ने अपनी लड़ाई को सिर्फ खुद पर लगे आरोपों तक सीमित नहीं बताया, बल्कि इसे अपने समुदाय के लोगों के दशकों पुराने दुखों और अन्याय के खिलाफ संघर्ष से भी जोड़ दिया।

पाकिस्तान में स्कूल की छत गिरने से 35 की मौत



पेशावर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पेशावर में गुरुवार को एक प्राइवेट स्कूल की छत गिरने से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 35 हो गया है। इनमें 34 छात्र और एक महिला टीचर शामिल हैं। सभी बच्चों की उम्र 13 साल या उससे कम है। हादसे के बाद निजी स्कूल के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एंटी-ड्रग एक्टिविस्ट हत्याकांड

पंजाब बंद, स्कूल-बाजार नहीं खुले

लुधियाना (एजेंसी)। एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर झोटा की हत्या के विरोध में आज 15 अक्टूबर को पंजाब बंद बुलाया गया है। लुधियाना, पठानकोट, गुरदासपुर, बठिंडा, मानसा और जालंधर में प्राइवेट स्कूल-कॉलेज बंद हैं। सरकारी स्कूलों में छुट्टी नहीं है, लेकिन छात्र नहीं आए हैं।

सभी जिलों में बाजार बंद थे। किसान संगठनों ने लुधियाना, बठिंडा और मोहाली से चंडीगढ़ जाने वाले नेशनल हाईवे जाम कर दिया था। जालंधर, बठिंडा और फरीदकोट में किसान नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया था। इसी बीच मानसा के एसएसपी वैभव चौधरी ने मानसा सिटी थाना-2 की एसएचओ बेअंत कौर को सस्पेंड कर दिया है।

अतीक-अशरफ जहां पैर रख दें, जमीन उनकी हो जाती थी

प्रयागराज (एजेंसी)। सीएम योगी ने गुरुवार को प्रयागराज में कहा- 2017 से पहले प्रदेश में माफिया हावी थे। उन्होंने जिस जमीन पर पैर रख दिया, वह अतीक की हो गई, अशरफ की हो गई। अब जिस जमीन पर सरकार ने बोल दिया कि ये माफिया की नहीं है, यहां गरीबों के लिए आशियाने बनने हैं। वहां गरीबों के लिए आवास बन रहे हैं। योगी ने ये बातें स्नातक मतदाता सम्मेलन में कहीं। सीएम योगी ने कसारी-मसारी क्षेत्र में माफिया अतीक अहमद और उसके गुर्गों के कब्जे से मुक्त कराई गई सरकारी जमीन पर बनने वाले फ्लैटों का भूमिपूजन किया।



विपक्ष के सुप्रीम कोर्ट मार्च पर बोले सीजेआई सूर्यकांत

कोर्ट परिसर में भीड़तंत्र नहीं चलेगा

कोई भी न्यायपालिका को डरा-धमका नहीं सकता



● जानते हैं कोर्ट के बाहर क्या कह रहे और अंदर क्या कहते ● केंद्र और चुनाव आयोग को भी नोटिस ● हिन्दू से मुस्लिम में कन्वर्ट हुआ व्यक्ति ओबीसी आरक्षण नहीं ले सकता

नईदिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला था, वह इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के अंदर पहुंचे थे। बाराखंभा से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस को नोटिस जारी किया गया है। सीजेआई सूर्यकांत ने गुरुवार को कहा कि कोई भी सुप्रीम कोर्ट को डराने या धमकाने की कोशिश नहीं कर सकता।

सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर के विरोध प्रदर्शन और मार्च से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। राहुल गांधी और 13 अन्य की याचिका पर कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग (ईसीआई) को भी नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल का नाम लिए बिना यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं में से एक से उसके आचरण के बारे में सवाल करना चाहते हैं। उन्हें सफाई देनी होगी।

हिंदू धर्म में भी लौटने पर भी पुराना दर्जा नहीं

अनुसूचित जाति का दर्जा सिर्फ हिंदू, बौद्ध या सिख धर्म को

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि हिंदू धर्म से गैर-हिंदू धर्म अपनाने वाला व्यक्ति पुराने सामाजिक दर्जे के आधार पर आरक्षण का लाभ नहीं मांग सकता। कोर्ट ने इस मामले में मद्रास हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा है। दरअसल, सरकार ने 9 मार्च 2024 को पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, विमुक्त समुदाय और अनुसूचित जाति के लोगों को इस्लाम अपनाने के बाद मुस्लिम पिछड़ा वर्ग में शामिल करने की अनुमति दी थी। लेकिन मद्रास हाईकोर्ट ने इस फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट में इसे चुनौती दी गई थी। हालांकि, कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराया है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस श्री चंद्रशेखर की बेंच ने कहा कि हिंदू व्यवस्था से गैर-हिंदू व्यवस्था में जाने वाला व्यक्ति संविधान के अनुच्छेद 16(4) के तहत सिर्फ पुराने सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर सकारात्मक कार्रवाई का दावा नहीं कर सकता।



सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के 1950 के अनुसूचित जाति आदेश का जिक्र किया। कोर्ट ने कहा कि अनुसूचित जाति का दर्जा हिंदू, बौद्ध या सिख धर्म के अलावा दूसरे धर्मों के लोगों को नहीं दिया जा सकता। कोर्ट के मुताबिक, ऐसे व्यक्ति का अपने मूल जाति से जुड़ा अनुसूचित जाति दर्जा खत्म हो जाता है। पूरा मामला सेक्रेटरी टू गवर्नमेंट बनाम समीर अहमद एन से जुड़ा था। समीर अहमद का पहले नाम परमशिवम था। उनका जन्म तूतीकोरिन जिले में एक हिंदू दंपती के घर हुआ था। समीर अहमद ने 2015 में इस्लाम अपनाया। उन्होंने अपना नाम बदला और इस्लामी रीति-रिवाज से शादी की। इसके बाद उन्होंने मुस्लिम लेब्बाई के नाम से समुदाय प्रमाणपत्र के लिए आवेदन किया। मुस्लिम लेब्बाई, राज्य सरकार के आदेश के तहत पिछड़े वर्ग के मुस्लिमों की मान्यता प्राप्त सात जातियों में से एक है। तहसीलदार ने उनका आवेदन खारिज कर दिया। इसके बाद समीर अहमद ने मद्रास हाईकोर्ट का रुख किया।

सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने के निर्देश दिए

वकील गौरव भाटिया ने सुप्रीम कोर्ट से उन सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित करवाने के लिए अंतरिम आदेश देने की मांग की, जो राहुल के सुप्रीम कोर्ट पहुंचने के हैं। आरोप है कि तब उन्होंने गर्भवती महिला पत्रकार को धक्का दिया था। इस पर जस्टिस बागची ने सभी कानूनी एजेंसियों को सीसीटीवी और अन्य डिजिटल फुटेज सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। यह भी कहा है कि इन्हें कोई भी आकर जमा करा सकता है।

पत्रकारों के फोन जब्त करने पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस- सीनियर एडवोकेट सीयू सिंह ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पत्रकारों के उपकरण (फोन/कैमरा आदि) जब्त कर लिए गए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका काम इन्हीं पर निर्भर है, इसलिए ये उपकरण लौटाए जाने चाहिए।

संतुष्ट नहीं हुए तो कानून अपना काम करेगा

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों के प्रमुख केंद्र रहे जंतर-मंतर को तय प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाए जाने के केंद्र सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। इस याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर उनका रुख स्पष्ट करने को कहा है। दरअसल, हाल ही में दिल्ली पुलिस ने आदेश जारी करते हुए कहा कि जंतर-मंतर की जगह अब विरोध-प्रदर्शनों के लिए रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और सीबीडी ग्राउंड (शाहदरा) को चिन्हित किया गया है।

बंद करो, दफा हो जाओ...

नेहा बोरा-अभिजीत दीपके की प्रेस कॉन्फ्रेंस में जमकर बवाल



नई दिल्ली (एजेंसी)। बंद करो, दफा हो जाओ यहां से... कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के साथ आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा अपनी बात रखने पहुंचीं, लेकिन शुरुआत हंगामे और शोर-शराबे के बीच हुई। नेहा बोरा ने लोगों से शांत रहने की अपील की और राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की रचना 'रश्मिरथी' की पंक्तियों के जरिए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, जंजीर बढ़ाकर साध मुझे, हां-हां दुर्योधन बांध मुझे। इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में वोटर अधिकारों, पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार और विरोध प्रदर्शनों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे उठाए गए।

सत्ता परिवर्तन है मकसद

बांग्लादेश ने रास्ता दिखाया वाले वीडियो पर बीजेपी का नेहा बोरा पर हमला- छात्र नेता नेहा बोरा के 'बांग्लादेश ने हमें रास्ता दिखाया' वाले वीडियो पर बीजेपी ने तीखा हमला किया है। बीजेपी का मानना है कि उसे इस बात का पक्का सबूत मिल गया है कि इस तरह का बयान सत्ता परिवर्तन की खुली स्वीकारोक्ति है। 29 साल की छात्र नेता नेहा ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स में डॉक्टरेट शुरू करने से पहले दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई की थी। उन्हें एक साक्षात्कार (जिसकी तारीख स्पष्ट नहीं है) में यह कहते हुए सुना जा सकता है कि भारत में जो जेन जी आंदोलन देखने को मिल रहा है, उसकी शुरुआत सबसे पहले बांग्लादेश में हुई थी। बीजेपी नेता की ओर से शेयर किए गए क्लिप में उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है, इस देश में हर जगह जो जेन जी आंदोलन हम देख रहे हैं।





पीएम मोदी दिल्ली में एशियन गेम्स मेडलिस्ट से मिले

कहा- महिला हॉकी में 44 साल का इंतजार खत्म हुआ

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में एशियन गेम्स 2026 के मेडलिस्ट खिलाड़ियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स में भारतीय महिला हॉकी ने गोल्ड मेडल जीतकर 44 साल का इंतजार खत्म किया है। खिलाड़ियों की सफलता देश की सफलता है।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा भी शामिल रहीं।

आइची-नागोया में हुए एशियाई खेलों में भारत ने कुल 85 पदक जीते। इनमें 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टीम की जर्सी भेंट की।

नक्सलवाद खत्म करना ही काफी नहीं, पीड़ितों के जख्म भरना भी जरूरी : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि छत्तीसगढ़ में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा बस्तर के पुनर्निर्माण और वामपंथी उग्रवाद के पीड़ितों के पुनर्वास के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि नक्सलवाद को खत्म करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पांच दशकों में इसके कारण लोगों को जो पीड़ा झेलनी पड़ी है, उसे दूर करना भी सरकार की जिम्मेदारी है। इसका सबसे अधिक असर क्षेत्र के गरीब आदिवासी समुदायों पर पड़ा है।



'राहुल गांधी अराजकता के प्रतीक'

● गौरव भाटिया बोले- संविधान को तार-तार कर रही कांग्रेस, क्यों भड़की भाजपा?

नई दिल्ली(एजेंसी)। एसआईआर के तहत मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर विपक्ष चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहा है। राहुल गांधी समेत इंडिया गठबंधन के 13 नेताओं ने स्वतंत्र जांच की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। अदालत ने चुनाव आयोग और तीनों चुनाव आयुक्तों से जवाब मांगा है। इस बीच भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी को 'अराजकता का प्रतीक' बताते हुए कांग्रेस पर संविधान को तार-तार करने का आरोप लगाया है।



भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर हमला बोला। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी को 'अराजकता का प्रतीक' बताया। उन्होंने उन्हें गैर-जिम्मेदार नेता प्रतिपक्ष करार देते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी बिना तथ्यों के बोलते हैं।

अनमोल वचन

कई लोगों की बड़ी उच्च आकांक्षाएं होती हैं। वे जीवन में बड़े सपना देखते हैं, कल्पना लोक में उड़े हुए क्या-क्या बन जाते हैं। कई महापुरुषों की जीवनी पढ़ कर उनके बारे में सुनकर वैसा ही बन जाना चाहते हैं। यह सब ठीक है। आदमी को महत्वाकांक्षी भी होना चाहिए, ऊंचे स्थान पर पहुंचने के सपने भी देखने चाहिए; क्योंकि इन्हीं के सहारे मनुष्य आगे बढ़ता है, उच्च सफलताएं अर्जित करता है। परंतु महत्वाकांक्षाओं के पीछे भी मनुष्य की अपनी स्थिति, योग्यता, क्षमता आदि का भी कम महत्व नहीं है। जो व्यक्ति अपनी महत्वाकांक्षाओं और अपनी परिस्थितियों में ताल-मेल बैठाकर प्रयासरत रहता है, वह सफल भी हो जाता है। परंतु अपनी परिस्थितियों को भूलकर मनुष्य जब अपरिमित महत्वाकांक्षाओं के पीछे अंधा हो जाता है, तब उसे असंतोष और अशांति का सामना करना पड़ता है। आप क्या हैं? आपकी परिस्थितियां कैसी हैं? आप कैसे धरातल पर खड़े हैं? आपको कितनी क्षमता है? इसे जाने-समझे बिना महत्वाकांक्षाओं के पीछे न दौड़ें। महान व्यक्तियों के पदचिह्नों पर जरूर चलें, उनके उपदेशों को जीवन में उतारें; परंतु उन जैसा बनने का अन्धा प्रयत्न आपकी अशांति और असंतोष का कारण बन सकता है।

बारिश भी नहीं डिगा सकी किसानों का हौसला, जीआईसी मैदान से कलेक्ट्रेट तक गूंजी हक की हुंकार

किसान मजदूर अधिकार महापंचायत में किसानों और बेरोजगार युवाओं के मुद्दे उठे, कर्जमाफी, गन्ना मूल्य वृद्धि और 25 हजार रुपये बेरोजगारी भत्ते की मांग

मुजफ्फरनगर। सुबह से लगातार हो रही बारिश, जीआईसी मैदान में जलभराव और बिगड़े मौसम के बावजूद किसान मजदूर संगठन के कार्यकताओं और पदाधिकारियों का हौसला नहीं डिगा सकी। किसान मजदूर अधिकार महापंचायत में शामिल होने के लिए किसान ट्रैक्टरों, बसों और निजी वाहनों से मैदान में पहुंचे। हालांकि बारिश के कारण सुबह किसानों की आमद काफी धीमी रही, लेकिन दोपहर बाद किसानों की संख्या बढ़ती गई। मैदान में जलभराव के चलते महापंचायत का रुख सड़कों की ओर करना पड़ा। इसके बाद किसानों ने शहर के प्रमुख मार्गों से पैदल रोष मार्च निकालते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया और एडीएम को ज्ञापन सौंपा। किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह के नेतृत्व में आयोजित महापंचायत सुबह 11 बजे शुरू होनी थी, लेकिन लगातार बारिश के चलते दोपहर एक बजे तक मैदान में किसानों की संख्या काफी कम रही। मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों और मैदान में पानी भरने के बावजूद धीरे-धीरे किसानों का पहुंचना जारी रहा। बारिश और तेज हवा के कारण आयोजन की व्यवस्थाएं भी प्रभावित हुईं। इसके बावजूद संगठन के कार्यकर्ता और पदाधिकारी किसानों को एकजुट करने में जुटे रहे। महापंचायत में किसानों की आर्थिक स्थिति, खेती की बढ़ती लागत और फसलों के उचित दाम का मुद्दा, बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने मुजफ्फरनगर क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण की समस्या पर नियंत्रण करने और मुजफ्फरनगर में कैंसर अस्पताल स्थापित करने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। संगठन ने छोटे और सीमांत किसानों का कर्ज माफ करने, फसलों का लाभकारी मूल्य दिलाने, गन्ने का बकाया भुगतान जल्द कराने और गन्ने के मूल्य में वृद्धि करने की मांग की। इसके साथ ही किसानों की आय से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए किसान आय आयोग के गठन की मांग भी उठाई गई। किसानों ने डीजल, बिजली और खाद की बढ़ती कीमतों पर



नियंत्रण लगाने की मांग करते हुए कहा कि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, जबकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। आवारा पशुओं की समस्या से निजात दिलाने और प्राकृतिक आपदाओं से फसल बर्बाद होने पर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग भी महापंचायत में रखी गई।

महापंचायत समाप्त होने के बाद संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह ने कहा कि बारिश और खराब मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में किसानों और बेरोजगार युवाओं का पहुंचना इस बात का संकेत है कि लोग अपनी समस्याओं को लेकर परेशान हैं और सरकार से राहत की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने बेरोजगार युवाओं को 25 हजार रुपये प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता देने, किसानों की कर्जमाफी और गन्ने के मूल्य में वृद्धि करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि किसानों और युवाओं की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए, ताकि उन्हें आर्थिक परेशानियों से राहत मिल सके। महापंचायत में मुजफ्फरनगर में प्रदूषण की समस्या का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। संगठन ने प्रदूषण की मार झेल रहे लोगों को राहत दिलाने, प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों पर प्रभावी नियंत्रण लगाने और जिले में कैंसर के इलाज के लिए बड़े अस्पताल की स्थापना की मांग की। संगठन का कहना था कि प्रदूषण और गंभीर बीमारियों से प्रभावित लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। इसके अलावा खेतिहर मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार करने तथा भूमि अधिग्रहण के मामलों में उचित मुआवजा देने की मांग भी उठाई गई। सुबह से दोपहर तक लगातार हुई बारिश के कारण जीआईसी मैदान में भारी जलभराव हो गया। मैदान में कार्यक्रम जारी रखने में आ रही दिक्कतों को देखते हुए किसान मजदूर संगठन ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपनी मांगें प्रशासन के सामने रखने का निर्णय लिया। इसके बाद किसानों ने महावीर चौक, आर्य समाज रोड, मीनाक्षी चौक, शिव चौक और झांसी की रानी चौक होते हुए पैदल मार्च निकाला और जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। कलेक्ट्रेट पहुंचकर संगठन के प्रतिनिधियों ने विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी (एडीएम) को सौंपा। इसके बाद किसान वापस जीआईसी मैदान पहुंचे, जहां महापंचायत का समापन किया गया।

बारिश के बीच आयोजित इस महापंचायत में किसानों, खेतिहर मजदूरों और बेरोजगार युवाओं से जुड़े कई मुद्दे सामने आए। अब इन मांगों पर प्रशासन और सरकार की ओर से क्या कदम उठाए जाते हैं, इस पर किसानों और संगठन की नजरें टिकी रहेंगी। किसान मजदूर संगठन के जिला अध्यक्ष ठा. लोकेश राणा ने मीडिया से बात करते हुए कहा अभी तो यह शुरूआत है यदि जल्द ही सरकार ने हमारी मांगे पूरी नहीं की तो आगे भी इस तरह की बड़ी महापंचायत आयोजित होगी आज बारिश की वजह से कुछ व्यवस्थाएं हो गई थी लेकिन उसके बावजूद भी किसानों और युवाओं का जन सैलाब मुजफ्फरनगर में देखने को मिला है।

मीरापुर में करंट से मासूम की दर्दनाक मौत: टेबल फैन में उतरे करंट से हुआ हादसा, परिवार में मचा कोहराम

खेलते समय हुआ अचानक अचेत होकर गिरा बालक, गमगीन माहौल में सुपुर्द-ए-खाक



मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। कस्बे के मोहल्ला कमलियान में गुरुवार को एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई। घर में खेलते समय एक आठ वर्षीय मासूम बच्चा टेबल फैन में आ रहे करंट की चपेट में आ गया। बिजली का तेज झटका लगने से बालक मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। परिजन जब तक उसे अस्पताल ले गए, तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। इस दुखद हादसे से परिवार में कोहराम मच गया है और पूरे मोहल्ले में मातम पसरा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहल्ला कमलियान निवासी अलिम पुत्र मुन्ना का आठ वर्षीय पुत्र अहमद गुरुवार को घर के भीतर ही खेल रहा था। खेलते-खेलते मासूम अचानक कमरे में रखे टेबल फैन के काफी पास चला गया। पंखे की बॉडी में पहले से ही बिजली का करंट उतर रहा था। जैसे ही अहमद का हाथ टेबल फैन से स्पर्श हुआ, उसे बिजली का जोरदार झटका लगा और वह तड़पकर फर्श पर गिर पड़ा। घटना के कुछ समय बाद जब परिजनों की नजर फर्श पर अचेत पड़े मासूम पर पड़ी, तो उनके होश उड़ गए। परिजन बिना कोई समय गंवाए आनन-फानन में बालक को उठाकर तुरंत पास के चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे। हालांकि, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। चिकित्सक ने प्राथमिक जांच के बाद ही आठ वर्षीय अहमद को मृत घोषित कर दिया। आठ वर्षीय अहमद की अचानक हुई दर्दनाक मौत की खबर फैलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। माता-पिता और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। मासूम की मौत से पूरे मोहल्ले के लोग स्तब्ध रह गए और सांत्वना देने के लिए पीड़ित परिवार के घर लोगों का तांता लग गया। इसके बाद शाम को गमगीन माहौल में परिजनों ने स्थानीय लोगों की मौजूदगी में बालक के शव को स्थानीय कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया।

मीरापुर के कुतुबपुर में खूनी संघर्ष: उधार के पैसे मांगने पर चले चाकू, युवती गंभीर घायल, अस्पताल में भर्ती

भाई के साथ मारपीट देख बीच-बचाव करने पहुंची थी बहन; लहूलुहान हाल में सीएचसी जानसठ में कराया गया भर्ती

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। थाना क्षेत्र के निकटवर्ती गांव कुतुबपुर में बुधवार को उधार दिए गए रुपये वापस मांगने को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हो गया। गाली-गलौज से शुरू हुआ मामला मारपीट और खूनी हमले तक पहुंच गया। इस दौरान भाई के साथ हो रही मारपीट का विरोध करने पहुंची युवती पर आरोपी ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पीड़िता को इलाज के लिए सीएचसी जानसठ भिजवाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम कुतुबपुर निवासी अभिषेक पुत्र धर्म सिंह ने गांव के ही अरुण पुत्र संतराम को कुछ रुपये उधार दिए थे। बुधवार को जब अभिषेक अपने बकाये रुपये वापस मांगने के लिए अरुण के पास पहुंचा, तो आरोप है कि अरुण आपा खो बैठा। उसने रुपये देने से साफ इनकार करते हुए अभिषेक के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते उसके साथ मारपीट करने लगा। बीच-बचाव करने आई बहन पर धारदार हथियार से वार



शोर-शराबा सुनकर अभिषेक की बहन भी मौके पर पहुंच गई और अपने भाई को बचाने का प्रयास करने लगी। आरोप है कि विवाद बढ़ता देख आरोपी अरुण ने तैश में आकर धारदार चाकू निकाल लिया और अभिषेक की बहन पर हमला बोल दिया। हमले में चाकू लगने से युवती का हाथ बुरी तरह कट गया और वह लहूलुहान होकर मौके पर गिर पड़ी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पीड़िता और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देता हुआ मौके से फरार हो गया। घटना के तुरंत बाद पीड़ित अभिषेक अपनी लहूलुहान बहन को लेकर मीरापुर थाने पहुंचा और आपबीती सुनाते हुए पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए घायल युवती को तत्काल डॉक्टरी परीक्षण व उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) जानसठ भिजवाया।

पुलिस जांच में जुटी

इस संबंध में थाना प्रभारी इंद्रजीत सिंह का कहना है कि मामला अभी उनके संज्ञान में पूरी तरह नहीं आया है। तहरीर मिलते ही मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मुजफ्फरनगर की हास्य कला का चमकता सितारा बुझा, मशहूर कलाकार रमेश केस्टो का निधन

बड़े-बड़े मंचों पर अपनी शानदार कलाकारी से जमाई थी धाक, हास्य अभिनय से लोगों के चेहरों पर बिखेरते थे मुस्कान, उनके निधन से कला जगत में शोक की लहर

मुजफ्फरनगर। जनपद की हास्य कला को अपनी अलग पहचान दिलाने वाले शानदार कलाकार रमेश केस्टो के निधन से कला जगत में शोक की लहर है। अपनी बेहतरीन हास्य अदाकारी, अनूठे अंदाज और लोगों को हंसाने की विशेष कला के दम पर उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी। बड़े-बड़े मंचों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर उन्होंने अपनी पहचान स्थापित की। उनकी कलाकारी में ऐसा आकर्षण था कि दर्शक उनकी प्रस्तुति का आनंद लेते हुए हंसी से लोटपोट हो जाते थे। रमेश केस्टो उन कलाकारों में शुमार रहे, जिन्होंने हास्य को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि अपनी कला के माध्यम से लोगों के जीवन में खुशियां बांटने का काम किया। उनकी प्रस्तुति का अंदाज, संवादों की अदायगी और दर्शकों से जुड़ने की कला उन्हें दूसरों से अलग बनाती थी। मंच पर आते ही अपने खास अंदाज से माहौल को खुशनुमा बना देना उनकी कला की विशेषता मानी जाती थी। मुजफ्फरनगर में हास्य कला को पहचान दिलाने वाले



कलाकारों के बीच रमेश केस्टो का नाम अपनी अलग अहमियत रखता था। उन्होंने अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर दर्शकों के बीच लोकप्रियता हासिल की। मंच पर उनकी मौजूदगी और हास्य प्रस्तुति लोगों को खूब गुदगुदाती थी। उनकी कलाकारी का असर ऐसा रहता था कि लोग उनके अभिनय को लंबे समय तक याद रखते थे। किसी भी कलाकार की सबसे बड़ी उपलब्धि यही होती है कि उसकी कला लोगों के दिलों में जगह बना ले। रमेश केस्टो ने अपने हास्य अभिनय से यह मुकाम हासिल किया। उनकी कला ने उन्हें दर्शकों से जोड़ा और उनकी प्रस्तुतियों ने लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने का काम किया।

बड़े-बड़े मंचों पर दिखाया हुनर

रमेश केस्टो ने विभिन्न बड़े मंचों पर अपनी शानदार कलाकारी का प्रदर्शन किया था। अपनी प्रतिभा के दम पर उन्होंने दर्शकों का मनोरंजन किया और हास्य कलाकार के रूप में अपनी पहचान बनाई। उनकी प्रस्तुतियों में हास्य का ऐसा रंग देखने को मिलता था, जो दर्शकों को बांधे रखता था। उनकी कला केवल संवादों तक सीमित नहीं थी, बल्कि उनके हाव-भाव, अभिनय और प्रस्तुति का अंदाज भी लोगों को प्रभावित करता था। हास्य कलाकार के लिए दर्शकों को हंसाना और उनके साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाना आसान नहीं होता, लेकिन रमेश केस्टो ने अपनी कला के जरिए यह स्थान बनाया। यही वजह रही कि उनकी पहचान एक शानदार हास्य कलाकार के रूप में बनी। रमेश केस्टो के निधन की खबर से उनके चाहने वालों और उनकी कलाकारी को पसंद करने वाले लोगों में दुख का माहौल है।

जिले के सभी माध्यमिक विद्यालयों में होगा संविधान संवाद कार्यक्रम, डीआईओएस ने जारी किए निर्देश

20 अक्टूबर तक गठित होंगे विधिक साक्षरता क्लब, 26 नवंबर को संविधान दिवस पर होंगी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं और पुरस्कार वितरण

मुजफ्फरनगर। जनपद के विद्यार्थियों को भारतीय संविधान, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों और कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिले के सभी माध्यमिक विद्यालयों में ह्यसंविधान संवादह्ल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक ने जनपद के राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त और स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को विधिक जागरूकता प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने दायित्वों के प्रति सजग बनाया जाएगा।

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार सभी विद्यालयों में निर्धारित समय-सारणी के अनुसार कार्यक्रम का आयोजन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. रणवीर सिंह को जिला नोडल अधिकारी बनाया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने निर्देश दिए हैं कि सभी विद्यालयों में 20 अक्टूबर 2026 तक विधिक साक्षरता क्लब का गठन किया जाए। प्रत्येक विद्यालय में एक शिक्षक को नोडल शिक्षक के रूप में नामित किया जाएगा। इसके बाद 22 से 31 अक्टूबर 2026 के बीच आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में नामित नोडल शिक्षकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि वे विद्यालय स्तर पर गतिविधियों का प्रभावी संचालन कर सकें। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 2 से 24 नवंबर 2026 तक विद्यालयों में संविधान, नागरिक अधिकारों एवं कर्तव्यों, विधिक अधिकारों और कानूनी जागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को संविधान के महत्व, कानून के प्रति सम्मान और नागरिक जिम्मेदारियों की जानकारी दी जाएगी।

इसके बाद 25 नवंबर 2026 को विद्यालयों को ई-मेल के माध्यम से उपलब्ध कराए जाने वाले प्रश्नपत्रों के संबंध में आवश्यक तैयारियां पूरी की जाएंगी। 26 नवंबर 2026 को संविधान दिवस के अवसर पर सभी विद्यालयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रातःकालीन सभा में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया जाएगा। इसके साथ ही विधिक कैडेट



कोर के गठन एवं उससे संबंधित गतिविधियों, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और पुरस्कार वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों तथा कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग वर्ग निर्धारित किए जाएंगे। इससे विद्यार्थियों को संविधान और कानूनी विषयों से संबंधित अपने ज्ञान का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने सभी प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया है कि कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित प्रत्येक गतिविधि का उचित अभिलेखीकरण किया जाए। गतिविधियों की फोटोग्राफ सहित विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर निर्धारित समय के भीतर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और संबंधित कार्यालय को उपलब्ध करानी होगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि ह्यसंविधान संवादह्ल कार्यक्रम केवल औपचारिकता बनकर नहीं रहना चाहिए। इसका वास्तविक उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संविधान, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों, विधिक जागरूकता और जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करना है। सभी विद्यालयों को शासन और विभागीय निदेर्शों के अनुरूप निर्धारित समय-सारणी का पालन करते हुए कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्यक्रम के संचालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाए। किसी प्रकार की समस्या या मार्गदर्शन के लिए जिला नोडल अधिकारी डॉ. रणवीर सिंह से मोबाइल नंबर 9058080895 पर संपर्क किया जा सकता है।

इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों, कानून के प्रति सम्मान, सामाजिक जिम्मेदारी और जागरूक नागरिकता की भावना विकसित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

गन्ने की नई प्रजाति 20016 के विमोचन पर किसानों ने जताया आभार, 21012 को जल्द जारी करने की उठाई मांग

भाकियू अराजनैतिक के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक के नेतृत्व में पश्चिमी यूपी और हरियाणा के किसानों ने की आईसीएआर के महानिदेशक से मुलाकात, किसानों को जल्द विमोचन का मिला आश्वासन

मुजफ्फरनगर। गन्ना किसानों की समस्याओं, बेहतर किस्मों की उपलब्धता और खेती की उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक के नेतृत्व में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट से मुलाकात की। हरियाणा के करनाल स्थित केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान में हुई इस मुलाकात के दौरान किसानों ने गन्ने की प्रजाति 20016 को विमोचित किए जाने पर आभार जताया। साथ ही गन्ने की प्रजाति 21012 को भी किसान हित में जल्द विमोचित करने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि गन्ना पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के किसानों की प्रमुख नकदी फसलों में शामिल है। ऐसे में किसानों को बेहतर और उन्नत प्रजातियों की उपलब्धता समय पर मिलना जरूरी है, ताकि वे अपनी खेती की जरूरतों के अनुसार नई किस्मों का लाभ उठा सकें। किसानों ने उम्मीद जताई कि नई प्रजातियों की उपलब्धता से गन्ने की खेती को प्रोत्साहन मिलेगा और किसानों को बेहतर उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

20016 के विमोचन पर किसानों ने जताया आभार

मुलाकात के दौरान किसानों ने गन्ने की प्रजाति 20016 को विमोचित किए जाने को महत्वपूर्ण कदम बताते हुए आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट के प्रति आभार व्यक्त किया।



किसानों ने कहा कि कृषि अनुसंधान संस्थानों की ओर से विकसित की जाने वाली उन्नत प्रजातियां किसानों के लिए उपयोगी साबित हो सकती हैं। हालांकि, इनका वास्तविक लाभ क्षेत्र की जलवायु, मिट्टी, सिंचाई और अन्य कृषि परिस्थितियों के अनुरूप उपलब्धता तथा उचित कृषि प्रबंधन पर भी निर्भर करता है। प्रतिनिधिमंडल ने इस दौरान गन्ने की प्रजाति 21012 के विमोचन का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। किसानों का कहना था कि यदि इस प्रजाति को नियमानुसार जल्द विमोचित कर दिया जाता है, तो किसानों को भविष्य में खेती के लिए एक और विकल्प मिल सकेगा।

21012 को जल्द जारी करने का मिला भरोसा

किसानों के आग्रह पर महानिदेशक डॉ. एमएल जाट ने प्रजाति 21012 को नियमानुसार जल्द विमोचित किए जाने का आश्वासन दिया। इस भरोसे के बाद प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि संबंधित प्रक्रिया पूरी होने पर किसानों को इस प्रजाति की उपलब्धता के संबंध में सकारात्मक निर्णय मिल सकेगा। किसानों ने कहा कि कृषि अनुसंधान से जुड़ी संस्थाओं और किसान संगठनों के बीच संवाद से खेती से संबंधित समस्याओं को सामने रखने तथा उनके समाधान की दिशा में काम करने का अवसर मिलता है।

किसानों की मांग है कि गन्ने की उन्नत प्रजातियों के विकास और उनके विमोचन की प्रक्रिया में किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखा जाए, जिससे उन्हें समय पर बेहतर विकल्प उपलब्ध हो सकें।

स्मृति चिह्न और शॉल भेंटकर किया सम्मानित

मुलाकात के दौरान किसानों ने आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट को स्मृति चिह्न और शॉल भेंटकर सम्मानित किया। प्रतिनिधिमंडल में भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक और पीजेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक बालियान के साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के किसान शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल में उत्तर प्रदेश के प्रगतिशील किसान कुलवीर सिंह प्रधान, बिजनौर, नरेंद्र माटियान, अजय पिंडोरा, जसवीर सिंह लाडवां, कर्मवीर यमुनानगर और पुष्पेंद्र सहित सैकड़ों किसानों की भागीदारी रही।

जड़ौदा में बंद मकान से ढाई लाख की नकदी और जेवरात चोरी, गैस पाइप खोलकर आग लगाने की कोशिश

चोरों की खतरनाक हरकत से हो सकता था बड़ा हादसा, सिलेंडर में गैस कम होने से टली अनहोनी

मुजफ्फरनगर । थाना मंसूरपुर क्षेत्र के गांव जड़ौदा में चोरों ने बंद मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर मकान का ताला तोड़कर करीब ढाई लाख रुपये की नकदी और सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। हैरानी की बात यह है कि चोरी करने के बाद आरोपियों ने रसोई में गैस सिलेंडर का पाइप खोलकर गैस बहने दी और वहां रखी सामग्री में आग लगाने की कोशिश की। गनीमत रही कि सिलेंडर में गैस कम होने के कारण बड़ा हादसा होने से बच गया। घटना की सूचना मिलने पर गांव पहुंचे पीड़ित ने अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव जड़ौदा



निवासी राधेश्याम पुत्र झगडू काफी समय से अपने परिवार के साथ सोनीपत में रहकर गुजर-बसर कर रहा है। वह कभी-कभार गांव स्थित अपने मकान पर आता है। मकान लंबे समय से बंद होने के कारण चोरों ने उसे निशाना बनाया। गुरुवार सुबह उसके भाई सोनी ने फोन कर बताया कि मकान का ताला टूटा हुआ है। यह जानकारी मिलते ही राधेश्याम गांव पहुंचा और मकान के अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित के अनुसार, अज्ञात चोर मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और घर में रखी करीब ढाई लाख रुपये की नकदी चोरी कर ले गए। इसके अलावा उसकी पत्नी और पुत्रवधू के जेवरात भी गायब मिले। मकान में हुई चोरी से परिवार को आर्थिक नुकसान हुआ है।

गैस सिलेंडर का पाइप खोलकर छोड़ी गैस, रसोई में लगाई आग

इस वारदात का सबसे खतरनाक पहलू यह रहा कि चोरों ने चोरी करने के बाद रसोई में गैस सिलेंडर का पाइप खोल दिया और गैस बहने दी। इसके साथ ही रसोई में रखी सामग्री में आग लगा दी। सिलेंडर में गैस कम होने के कारण आग ने विकराल रूप नहीं लिया और बड़ा हादसा होने से बच गया।

आशंका जताई जा रही है कि यदि सिलेंडर में पर्याप्त गैस होती और आग फैल जाती, तो मकान में गंभीर हादसा हो सकता था। चोरों की इस हरकत से घटना की गंभीरता और बढ़ गई है। पुलिस अब चोरी के साथ-साथ आग लगाने की कोशिश से जुड़े पहलुओं की भी जांच कर रही है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित राधेश्याम ने भारतीय किसान यूनियन के जिला महासचिव अहसान त्यागी के साथ थाना मंसूरपुर पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। पीड़ित ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर

पत्रांक : 2177 / सा०प्र० / 2026-27 | दिनांक: 15 /10/ 2026

अति-अल्पकालीन ई-निविदा सूचना।

नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के मार्ग प्रकाश विभाग द्वारा नगर क्षेत्र के मैन रोड मल्लहपुरा शहीद पार्क के पास/अन्दर सेमी० हाईमास्ट लगाने का कार्य को कराये जाने हेतु व्यापार कर/आयकर/जी०एस०टी० पंजीकृत अनुभवी विक्रेता अथवा निमार्ता कम्पनी से ई-निविदा दिनांक 22/10/2026 की अपराह्न 3:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। वेबसाईट **https://etender.up.nic.in/nicgep/app** पर निविदा फार्म ऑनलाईन दिनांक 16/10/2026 की प्रातः 10 बजे से दिनांक 22/10/2026 की अपराह्न 3:00 बजे तक डाउनलोड तथा अपलोड किया जा सकता है। साथ ही निविदादाता को स्वघोषणा पत्र देना अनिवार्य होगा, यह स्वघोषणा पत्र अंकन रू० 100/– के स्टॉम्प पेपर पर नोटरी द्वारा सत्यापित होना आवश्यक है। कार्य की 10 प्रतिशत धरोहर राशि एफ०डी०आर०/एन०एस०सी० आदि के रूप में जो अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के नाम बंधक होगी जो निविदा के समय स्कैन की जानी आवश्यक है। तथा निविदा मूल्य (जी०एस०टी० सम्मिलित करते हुए) का ड्राफ्ट नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के पक्ष में जारी कराते हुए दिनांक 22/10/2026 की प्रातः 10 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक कार्यालय मार्ग प्रकाश विभाग में रखे बॉक्स में जमा किया जाना अनिवार्य है। प्राप्त ई-निविदाओं को दिनांक-22/10/2026 को सायं 04:00 बजे अधिशासी अधिकारी के समक्ष खोला जायेगा। यदि निविदा तिथि को अवकाश होता है, तो निविदा अगले कार्यदिवस को सायं 04:00 बजे खोली जायेगी। उक्त कार्य पालिका निधि/राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत स्वीकृत है।

मार्ग प्रकाश प्रभारी	अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद	नगर पालिका परिषद	नगर पालिका
मुजफ्फरनगर	मुजफ्फरनगर	परिषदमुजफ्फरनगर



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3



फर्जी वेब सीरीज देखकर बना नकली नोटों का मास्टरमाइंड! बुढ़ाना पुलिस ने तीन आरोपियों को दबोचा

5.26 लाख रुपये की जाली करेंसी बरामद, दिल्ली के फ्लैट में चल रही थी नकली नोट छापने की कथित फैक्ट्री, लैपटॉप, रंगीन प्रिंटर और नोट बनाने का सामान मिला

मुजफ्फरनगर। नकली नोट छापकर उन्हें बाजार में चलाने के कथित कारोबार का खुलासा करते हुए बुढ़ाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के कब्जे और दिल्ली स्थित एक फ्लैट की तलाशी के दौरान कुल 5 लाख 26 हजार 500 रुपये कीमत के 500-500 रुपये के नकली नोट बरामद किए गए। इसके अलावा लैपटॉप, रंगीन प्रिंटर, कॉटन पेपर, बटर पेपर, रंगीन पन्नी के रोल, नोट छापने में इस्तेमाल होने वाले फर्मे और कई तरह के रसायन भी मिले हैं। पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने इस कार्रवाई की जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, गिरोह का कथित मास्टरमाइंड शुभम दिल्ली के नरेला स्थित अपने फ्लैट में नकली नोट तैयार करता था। पूछताछ में उसने कथित तौर पर बताया कि ह्याफर्जीह्ल नाम की वेब सीरीज देखने के बाद उसके मन में नकली नोट छापकर जल्दी पैसा कमाने का विचार आया। इसके बाद उसने अपने साथियों के साथ मिलकर नोट तैयार करने शुरू किए। पुलिस अब गिरोह के आगे और पीछे के संपर्कों तथा नकली नोटों की आपूर्ति के नेटवर्क की जांच कर रही है। एसपी सूरज कुमार राय ने बताया कि 14 अक्टूबर 2026 को बुढ़ाना थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मेरठ-करनाल हाईवे पर वाजिद होटल के पास बुढ़ाना-कांधला मार्ग पर ट्यूबवेल के निकट तीन व्यक्ति नकली नोट लेकर खड़े हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध व्यक्तियों की घेराबंदी कर तलाशी ली। इस दौरान उनके कब्जे से 500 रुपये के नकली नोट बरामद हुए। पुलिस ने मौके से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान शुभम ने कथित तौर पर दिल्ली के नरेला स्थित अपने फ्लैट में नकली नोट छापने की बात बताई। इसके बाद पुलिस ने दिल्ली स्थित फ्लैट की तलाशी ली, जहां से अतिरिक्त नकली करेंसी और नोट बनाने में इस्तेमाल होने वाला सामान बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम और पते पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इस प्रकार है शुभम पुत्र रण सिंह, निवासी ग्राम सांकरौद, थाना खेकड़ा, जनपद बागपत; हाल निवासी मकान नंबर 2104, मंशा देवी अपार्टमेंट, नरेला, दिल्ली, महेन्द्र पुत्र आसाराम, निवासी ग्राम कनौठा, थाना सतपुली, जनपद पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड, टीनू पुत्र सुमित, निवासी ग्राम दौलतपुर, थाना सरधना, जनपद मेरठ है। पुलिस शुभम को कथित तौर पर नकली नोट छापने वाले ठिकाने से जुड़ा प्रमुख आरोपी मान रही है। अन्य दोनों आरोपियों की भूमिका और नेटवर्क में उनकी जिम्मेदारी की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, बुढ़ाना में पकड़े गए तीनों आरोपियों के पास से पहले चार लाख रुपये कीमत के नकली नोट बरामद हुए थे। इसके बाद दिल्ली के नरेला स्थित शुभम के फ्लैट की तलाशी में एक लाख 26 हजार 500 रुपये की अतिरिक्त जाली करेंसी मिली। इस प्रकार कुल बरामद नकली नोटों की कीमत 5 लाख 26 हजार 500 रुपये बताई गई है। सभी नोट 500 रुपये के हैं। पुलिस ने नकली नोटों के अलावा एक लैपटॉप, एक रंगीन प्रिंटर, कॉटन पेपर के बंडल, बटर पेपर के बंडल, रंगीन पन्नी के रोल, पांच फर्मे, प्रिंटर में इस्तेमाल होने वाले रंग की चार डिब्बियां, तीन फेवी स्टिक, दो पेपर कटर, एक बोतल स्टेनर, फेविकोल की दो डिब्बियां, स्क्रीन कोटिंग रसायन की दो डिब्बियां और अन्य रासायनिक सामग्री भी बरामद करने की जानकारी दी है। पुलिस का कहना है कि बरामद सामग्री से यह जांचने में मदद मिलेगी कि नकली नोट तैयार करने का कथित काम किस स्तर पर चल रहा था और इसमें किन अन्य लोगों की भूमिका हो सकती है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में शुभम ने कथित तौर पर बताया कि उसने अमेजन प्राइम पर ह्याफर्जीह्ल नाम की वेब सीरीज देखी थी। इसे देखने के बाद नकली नोट छापकर मुनाफा कमाने और जल्दी अमीर बनने का विचार आया। इसके बाद उसने अपने साथियों के साथ योजना बनाई और नरेला स्थित फ्लैट में नकली नोट तैयार करने का काम शुरू कर दिया।



सिखेड़ा क्षेत्र में फैक्टरी में युवक की संदिग्ध मौत: परिवार में मचा कोहराम, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

ड्यूटी के कुछ ही देर बाद बिगड़ी थी तबीयत, बेसुध हाल में लाया गया अस्पताल

मोरना (मुजफ्फरनगर)। सिखेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव भंडूर के पास स्थित एक निजी फैक्टरी में गुरुवार सुबह कार्य करने गए भोपा निवासी युवक की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। 23 वर्षीय युवक की अचानक हुई मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और परिवार में चीख-पुकार मची हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र निवासी 23 वर्षीय आकाश पुत्र दिवंगत हरिओम उपाध्याय सिखेड़ा क्षेत्र के गांव भंडूर के समीप स्थित 'क्लासिक' नामक फैक्टरी में पैकिंग का कार्य करता था। आकाश गुरुवार की सुबह लगभग 8 बजे रोज की तरह फैक्टरी में अपनी ड्यूटी पर गया था। लेकिन काम शुरू करने के कुछ ही देर बाद उसके छोटे भाई हिमांशु के पास फोन आया कि आकाश की तबीयत अचानक बेहद बिगड़ गई है।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही थम चुकी थीं सांसें

सूचना मिलते ही बदहवास परिजन तुरंत फैक्टरी परिसर पहुंचे। वहां आकाश अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था। परिजन आनन-फानन में उसे एक निजी अस्पताल ले गए, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भोपा लाया गया। हालांकि, सीएचसी के डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद ही आकाश को मृत घोषित कर दिया।

मौत का कारण अस्पष्ट

घटना की जानकारी मिलते ही सिखेड़ा थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और परिजनों से घटनाक्रम की जानकारी ली। मृतक आकाश के परिवार में मां शर्मिष्ठा, भाई हिमांशु, विवाहित बहन हिमांशी तथा अविवाहित बहन आकांक्षा हैं। घर के युवा कमाने वाले सदस्य की अचानक मौत से मां और भाई-बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने की निष्पक्ष जांच की मांग युवक की मौत का स्पष्ट कारण अभी तक सामने नहीं आ सका है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से मौत की सही वजह जानने और मामले में त्वरित व निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा खुलासा

सिखेड़ा थाना अध्यक्ष जोगिंदर सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा, जिसके आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दो करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा, बीओएसएस स्कैम में लखनऊ का आरोपी गिरफ्तार

कंपनी के अकाउंटेंट को मालिक बनकर दिया धोखा, व्हाट्सऐप पर कब्जा कर खातों में ट्रांसफर कराए दो करोड़ रुपये; साइबर पुलिस ने 1.24 करोड़ रुपये वापस कराए

मुजफ्फरनगर। साइबर अपराधियों ने तकनीक का दुरुपयोग कर एक कंपनी के अकाउंटेंट को उसके मालिक के नाम पर झांसे में लिया और दो करोड़ रुपये की रकम अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करा ली। बीओएसएस स्कैम के इस मामले में मुजफ्फरनगर साइबर क्राइम पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लखनऊ के एक आरोपी अनस उर्फ अयान गाजी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में ठगी गई रकम में से अब तक करीब एक करोड़ 24 लाख रुपये पीड़ित कंपनी के मालिक के खाते में वापस कराए जा चुके हैं। शेष रकम की बरामदगी और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ ने बताया कि साइबर अपराधियों ने कंपनी के कंप्यूटर में मालवेयर पहुंचाकर उसके व्हाट्सऐप अकाउंट पर नियंत्रण हासिल किया था। इसके बाद कंपनी के मालिक की पहचान का इस्तेमाल करते हुए अकाउंटेंट से संपर्क किया गया और उसे विश्वास में लेकर बड़ी रकम ट्रांसफर करा ली गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर क्राइम पुलिस ने जांच कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, FUTURE MOBILE LLP कंपनी के एक अकाउंटेंट को कंपनी के ही एक कर्मचारी की ओर से जिप फाइल प्राप्त हुई थी। अकाउंटेंट ने इस फाइल को कंपनी के कंप्यूटर पर खोल लिया। इसके बाद कंप्यूटर सिस्टम में मालवेयर इंस्टॉल हो गया। आरोप है कि इसी मालवेयर के माध्यम से साइबर अपराधियों ने कंप्यूटर पर चल रहे व्हाट्सऐप अकाउंट को अपने नियंत्रण में ले लिया। साइबर अपराधियों ने व्हाट्सऐप अकाउंट में कंपनी के मालिक के मोबाइल नंबर की जगह अपना नंबर सेव कर लिया। इसके बाद अकाउंटेंट को कंपनी का मालिक बनकर संदेश और बातचीत के माध्यम से विश्वास में लिया गया। अकाउंटेंट को वास्तविक मालिक से बातचीत होने का भरोसा रहा और इसी का फायदा उठाकर आरोपियों ने उससे अपने बताए गए बैंक खातों में दो करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिए। इस तरह कंपनी की बड़ी रकम साइबर अपराधियों के खातों तक पहुंच गई। ठगी का पता चलने पर कंपनी के मालिक ने साइबर क्राइम पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद मामले की जांच शुरू हुई। पुलिस के अनुसार, इस तरह की धोखाधड़ी को साइबर जगत में बीओएसएस स्कैम कहा जाता है। इसमें अपराधी किसी कंपनी के अधिकारी या मालिक की पहचान का इस्तेमाल कर कर्मचारियों को भुगतान संबंधी निर्देश देते हैं। कई मामलों में ईमेल, मैसेजिंग अकाउंट या कंप्यूटर सिस्टम पर नियंत्रण हासिल करके असली व्यक्ति की नकल की जाती है।



इस मामले में भी साइबर अपराधियों ने कंपनी के कंप्यूटर में मालवेयर पहुंचाकर व्हाट्सऐप अकाउंट को निशाना बनाया और मालिक के नाम पर अकाउंटेंट से रकम ट्रांसफर करा ली। इस घटना से स्पष्ट होता है कि किसी कर्मचारी या परिचित के नाम से आई फाइल भी नुकसान पहुंचा सकती है, यदि उसे बिना जांच के खोल लिया जाए। इस मामले में साइबर क्राइम पुलिस की कार्रवाई के दौरान अब तक करीब एक करोड़ 24 लाख रुपये पीड़ित कंपनी के मालिक के खाते में वापस कराए जा चुके हैं। दो करोड़ रुपये की कुल ठगी के मुकाबले यह बड़ी रकम है, हालांकि शेष राशि की वापसी को लेकर आगे की कार्रवाई महत्वपूर्ण होगी।

भोपा में चोरों का आतंक: दो किसानों की ट्यूबवेल की दीवार तोड़कर मोटरों से तांबे का तार चोरी

निरगाजनी गांव में रात के अंधेरे में वारदात, सुबह खेतों पर पहुंचे किसानों को हुई चोरी की जानकारी; पीड़ितों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। भोपा थाना क्षेत्र के गांव निरगाजनी में अज्ञात चोरों ने किसानों की ट्यूबवेल को निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर रात के अंधेरे में ट्यूबवेल की दीवार तोड़कर अंदर घुसे और बिजली की मोटरों को खोलकर उनमें से तांबे का तार चोरी कर ले गए। सुबह खेतों पर अपनी ट्यूबवेल देखने पहुंचे किसानों को दीवार टूटी मिली और मोटरों से तांबे का तार गायब मिला। काफी तलाश करने के बावजूद चोरों का कोई सुराग नहीं लगने पर पीड़ित किसानों ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रात में दीवार तोड़कर ट्यूबवेल में घुसे चोर

गांव निरगाजनी निवासी लोकेन्द्र पुत्र धर्मपाल सिंह और रोहित पुत्र शिव कुमार की बिजली की ट्यूबवेल गांव में स्थित हैं। पीड़ितों के मुताबिक, 13 अक्टूबर 2026 की रात किसी समय अज्ञात चोरों ने उनकी ट्यूबवेल को निशाना बनाया। चोरों ने पहले ट्यूबवेल की दीवार तोड़ी और फिर अंदर रखी बिजली की मोटरों को खोलकर उनमें लगा तांबे का तार चोरी कर लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। 14 अक्टूबर की सुबह करीब सात बजे दोनों किसान अपनी-अपनी ट्यूबवेल पर पहुंचे तो वहां का नजारा देखकर हैरान रह गए। ट्यूबवेल की दीवार टूटी हुई थी और बिजली की मोटरों में लगा तांबे का तार गायब था। इसके बाद किसानों ने आसपास के क्षेत्र में काफी खोजबीन की, लेकिन चोरी करने वाले अज्ञात लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

डायल 112 पर दी सूचना, थाने पहुंचकर दर्ज कराया मामला

पीड़ित किसानों ने घटना की जानकारी पुलिस को देने के लिए डायल 112 पर फोन किया था। इसके बाद दोनों किसान भोपा थाने पहुंचे और अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस को दी गई तहरीर में लोकेन्द्र और रोहित ने बताया कि उनकी ट्यूबवेल की दीवार तोड़कर बिजली की मोटरों से तांबे का तार चोरी किया गया है।

अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पीड़ित किसानों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। चोरी की इस वारदात के बाद खेतों में लगी ट्यूबवेल और उनमें रखे बिजली के उपकरणों की सुरक्षा को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है।

गर्मी के मौसम में हुआ सर्दी का अहसास, मुजफ्फरनगर में बारिश ने बदला मौसम का मिजाज

सुबह 8:45 बजे दिन में छाया अंधियारा, घने काले बादलों ने पूरे जनपद को ढका; तेज बारिश से वातावरण में घुली ठंडक, गर्मी से मिली राहत

मुजफ्फरनगर। गर्मी के मौसम में गुरुवार सुबह मुजफ्फरनगर में मौसम का ऐसा बदला हुआ रूप देखने को मिला कि लोगों को सर्दी का अहसास होने लगा। सुबह करीब 8:45 बजे आसमान में घने काले बादल छा गए और दिन में ही अंधियारा छा गया। सूरज की रोशनी बादलों के पीछे छिप गई और देखते ही देखते पूरे जनपद में मौसम का मिजाज बदलता नजर आया। इसी बीच तेज बारिश शुरू हो गई, जिससे वातावरण में ठंडक घुल गई। सुबह के समय अचानक हुए इस बदलाव ने लोगों को हैरान कर दिया। गर्मी के बीच बारिश और ठंडी हवाओं के अहसास ने मौसम को सुहावना बना दिया। गुरुवार सुबह तक लोग सामान्य मौसम के बीच अपने रोजमर्रा के कामकाज में जुटे हुए थे, लेकिन सुबह करीब 8:45 बजे आसमान में घने बादलों का जमावड़ा बढ़ने लगा। कुछ ही देर में बादलों ने आसमान को ढक लिया और सूर्य की रोशनी कमजोर पड़ गई। दिन निकलने के बावजूद वातावरण में अंधियारा छाने लगा। ऐसा लग रहा था, मानो सुबह के समय ही शाम होने लगी हो। आसमान



में छाए घने काले बादलों के कारण आसपास का नजारा पूरी तरह बदल गया। सूर्य की किरणें बादलों में छिप गईं और दिन में रोशनी कम होने से लोगों का ध्यान मौसम की ओर खिंच गया। इसके बाद तेज बारिश शुरू होने से मौसम ने एक अलग ही रूप ले लिया। घने काले बादलों ने पूरे जनपद को ढका मुजफ्फरनगर में सुबह के समय आसमान पर घने बादल छाए रहे। बादलों की मोटी परत ने सूर्य की रोशनी को ढक लिया, जिससे दिन में ही अंधियारे जैसी स्थिति बन गई। मौसम में आए इस अचानक बदलाव के कारण वातावरण में ठंडक महसूस होने लगी। सुबह के समय इस तरह बादलों का छाना और बारिश शुरू होना लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। गर्मी के मौसम में अचानक ठंडक का अहसास होने से लोगों को मौसम का बदला हुआ मिजाज महसूस हुआ। हालांकि, जनपद के अलग-अलग क्षेत्रों में बारिश की तीव्रता और अवधि अलग-अलग हो सकती है। घने बादलों के छाने के बाद तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश के कारण वातावरण में नमी बढ़ने और ठंडक महसूस होने लगी। गर्मी से परेशान लोगों को बारिश से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम का बदला रूप सुबह की सामान्य दिनचर्या से बिल्कुल अलग दिखाई दिया। बारिश के कारण घरों से कामकाज के लिए निकलने वाले लोगों को परेशानी का सामना भी करना पड़ सकता है। अचानक बारिश होने से रास्तों पर आवागमन प्रभावित होने की आशंका रहती है। यदि बारिश लंबे समय तक जारी रहती है तो सड़कों पर पानी जमा होने और फिसलन जैसी समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। गुरुवार सुबह मुजफ्फरनगर में मौसम का सबसे खास पहलू यह रहा कि गर्मी के बीच लोगों को ठंडक का अहसास होने लगा। घने बादलों के कारण धूप गायब हो गई और बारिश ने वातावरण को बदल दिया। सुबह के समय तापमान और मौसम की अनुभूति में आए बदलाव ने लोगों को राहत महसूस कराई। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आ सकती है, हालांकि वास्तविक बदलाव बारिश की अवधि, तीव्रता और हवा की स्थिति पर निर्भर करता है। मौसम का यह परिवर्तन लोगों के लिए राहत भरा साबित हो सकता है, लेकिन आगे मौसम कैसा रहेगा, यह बारिश के जारी रहने या थमने पर निर्भर करेगा। सुबह के समय अचानक अंधेरा छाने और तेज बारिश शुरू होने से बाहर निकलने वाले लोगों को अपनी दिनचर्या में बदलाव करना पड़ सकता है।

खालापार थाने में 31 हिस्ट्रीशीटरों की पेशी, पुलिस ने यक्ष एप पर किया अपडेट

अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पुलिस ने की चेकिंग, अपराध से दूर रहने की दी सख्त चेतावनी

मुजफ्फरनगर। अपराध पर अंकुश लगाने और थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए खालापार थाना पुलिस ने हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी को लेकर कार्रवाई की। गुरुवार को थाना खालापार पर कुल 31 हिस्ट्रीशीटरों को बुलाकर उनकी चेकिंग की गई। इस दौरान संबंधित व्यक्तियों की जानकारी का सत्यापन करते हुए उनका विवरण यक्ष एप पर अपडेट किया गया। पुलिस ने सभी हिस्ट्रीशीटरों को स्पष्ट चेतावनी दी कि वे आपराधिक गतिविधियों से दूरी बनाए रखें और कानून का पालन करते हुए शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करें। पुलिस की इस कार्रवाई को अपराध नियंत्रण के लिए निगरानी व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुलिस का जोर ऐसे व्यक्तियों की जानकारी को अद्यतन रखने पर है, जिनका आपराधिक इतिहास पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज है। इसी उद्देश्य से थाना खालापार पुलिस ने 31 हिस्ट्रीशीटरों को थाने पर बुलाकर उनकी चेकिंग की और यक्ष एप पर उपलब्ध विवरण को अपडेट किया। इस प्रक्रिया के जरिए पुलिस रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखने के साथ ही संबंधित व्यक्तियों की निगरानी को प्रभावी बनाने का प्रयास किया गया। गुरुवार को थाना खालापार में 31 हिस्ट्रीशीटरों की चेकिंग की गई। पुलिस ने उन्हें थाने पर बुलाकर उनकी जानकारी की जांच-पड़ताल की। इसके बाद संबंधित विवरण यक्ष एप पर अपडेट किया गया। हिस्ट्रीशीटरों की चेकिंग पुलिस की निगरानी प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसके तहत आपराधिक इतिहास वाले व्यक्तियों की जानकारी को अद्यतन रखा जाता है। पुलिस की इस कार्रवाई के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि आपराधिक इतिहास वाले व्यक्तियों की गतिविधियों को लेकर पुलिस सतर्क है। उन्हें कानून के दायरे में रहने और किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधि से दूर रहने की हिदायत दी गई।



यक्ष एप पर अपडेट किया गया रिकॉर्ड

चेकिंग के दौरान सभी 31 हिस्ट्रीशीटरों का विवरण यक्ष एप पर अपडेट किया गया। डिजिटल माध्यम से जानकारी को अद्यतन रखने का उद्देश्य पुलिस रिकॉर्ड को व्यवस्थित करना और निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाना है। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित जानकारी तक पहुंच बनाने में भी डिजिटल रिकॉर्ड उपयोगी हो सकता है। पुलिस की ओर से की गई इस कार्रवाई में हिस्ट्रीशीटरों को थाने पर बुलाकर चेक करने और उनके विवरण को अपडेट करने पर जोर दिया गया। इससे यह भी स्पष्ट किया गया कि पुलिस अपने क्षेत्र में अपराध नियंत्रण को लेकर निगरानी की प्रक्रिया को गंभीरता से ले रही है।

अपराध से दूर रहें, कानून का पालन करें

थाना खालापार पुलिस ने चेकिंग के दौरान सभी हिस्ट्रीशीटरों को अपराध से दूर रहने की चेतावनी दी। उन्हें समझाया गया कि किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल होने से बचें और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। पुलिस की मंशा है कि आपराधिक इतिहास वाले व्यक्ति दोबारा अपराध की राह पर न बढ़ें और कानून के अनुसार अपना जीवन व्यतीत करें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है या कानून का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में हिस्ट्रीशीटरों को चेतावनी देकर कानून के प्रति जिम्मेदार रहने का संदेश दिया गया। प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार ने दी कानून का पालन करने की चेतावनी क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से 31 हिस्ट्रीशीटरों को थाने पर बुलाकर चेक किया गया है। सभी की जानकारी यक्ष एप पर अपडेट की गई है।

भोपा क्षेत्र में एंबुलेंस में गूंजी किलकारी: नवरात्र में घर आई नन्हीं लक्ष्मी, जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ

अस्पताल जाते समय रास्ते में महिला की कराई डिलीवरी, परिजनों ने एंबुलेंस स्टाफ की सूझबूझ को सराहा

मोरना (मुजफ्फरनगर)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भोपा जाते समय रास्ते में 108 एंबुलेंस में एक गर्भवती महिला का सुरक्षित प्रसव कराया गया। नवरात्रों के पावन अवसर पर कन्या के जन्म से पीड़ित परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद जच्चा और बच्चा दोनों को पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ बताया गया है।

प्रसव पीड़ा होते ही बेलड़ा गांव के पास रोकी गई एंबुलेंस

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोरना क्षेत्र के गांव रहमतपुर निवासी धीर सिंह की 30 वर्षीया पत्नी पूजा को गुरुवार को अचानक तीव्र प्रसव पीड़ा शुरू हुई। स्थिति को देखते हुए गांव की आशा कार्यकत्री मुन्नी देवी ने तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना देकर मौके पर बुलवाया। एंबुलेंस प्रसव पीड़िता को लेकर सीएचसी भोपा के लिए रवाना हुई, लेकिन रास्ते में बेलड़ा गांव के समीप पहुंचते ही पूजा की प्रसव पीड़ा बेहद बढ़ गई और अस्पताल पहुंचने का समय नहीं बचा। आपातकालीन स्थिति को भांपते हुए एंबुलेंस में तैनात ईएमटी (इमर्जेंसी मेडिकल तकनीशियन) और आशा कार्यकत्री मुन्नी देवी ने अदम्य सूझबूझ का परिचय दिया। उन्होंने वाहन को सड़क के किनारे रुकवाया और एंबुलेंस के भीतर ही सुरक्षित प्रसव कराने की प्रक्रिया शुरू की। स्वास्थ्य कर्मियों की कुशलता से महिला ने एक स्वस्थ नन्हीं परी को जन्म दिया। इसके तुरंत बाद नवजात और मां को सीएचसी भोपा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने दोनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सीय देखभाल प्रदान की।



डॉक्टरों ने की हुई जमकर सराहना

सीएचसी भोपा के डॉक्टरों ने आपात स्थिति में दिखाई गई तत्परता के लिए एंबुलेंस स्टाफ और आशा वर्कर की जमकर सराहना की। परिजनों ने भी स्वास्थ्य विभाग और एंबुलेंस कर्मियों का सहृदय आभार प्रकट किया। नवरात्रों के पावन दिनों में घर में "लक्ष्मी" का आगमन होने से पूरे गांव में खुशी का माहौल है। गांव के सागर खत्री, राजेंद्र सिंह, कल्लू, नरेंद्र सिंह और अंकित कुमार आदि ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को बधाई दी और नवजात के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मोरना के रहमतपुर में बारिश से गिरा कच्चा मकान: टला बड़ा हादसा, परिवार ने भागकर बचाई जान

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के गांव रहमतपुर में लगातार हो रही बारिश आफत बनकर टूटी है। बारिश के प्रभाव से एक गरीब किसान का कच्चा मकान अचानक भरभराकर ढह गया। गनीमत यह रही कि हादसा होते ही मकान में मौजूद परिजनों ने समय रहते बाहर भागकर अपनी जान बचाई, जिससे एक बड़ी जनहानि होने से टल गई। हालांकि, इस हादसे में पीड़ित परिवार का मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गया और घर में रखी खाद्य सामग्री व कीमती सामान मलबे के नीचे दबकर नष्ट हो गया। पीड़ित गृहस्वामी संजोग पुत्र राजवीर ने आपबीती सुनाते हुए बताया कि वह मात्र तीन बीघा कृषि भूमि पर खेती-बाड़ी करके किसी तरह अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। बीते कुछ समय से हो रही तेज बारिश के कारण उसके कच्चे मकान की दीवारें और छत सीलन से कमजोर हो चुकी थीं। अचानक मकान की छत से मिट्टी गिरनी शुरू हुई और दीवारें दरकने लगीं। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए घर में मौजूद पिता राजबीर, पत्नी मुकेश और पुत्र रविकान्त तुरंत बाहर की ओर भागे। परिजनों के बाहर निकलते ही पूरा मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गया। यदि कुछ सेकंड की भी देरी होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। मकान गिरते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। धमाके और चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर एकत्रित हो गए। गांव के सागर कुमार, यशपाल, हेमंत, अरुण, राजपाल, हरेंद्र, शुभम अंतिल, जगपाल और वंश आदि ने तत्परता दिखाते हुए मलबे को हटाने का कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद मलबे के नीचे दबे सामान को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक अनाज, खाद्य सामग्री, कपड़े और गृहस्थी का कीमती सामान पूरी तरह बर्बाद हो चुका था। आशियाना छिन जाने के बाद अब पीड़ित परिवार के सामने रहने और खाने-पीने का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित संजोग के साथ-साथ पूरे रहमतपुर गांव के निवासियों ने स्थानीय प्रशासन व आपदा राहत विभाग से तुरंत संज्ञान लेने की मांग की है। ग्रामीणों ने शासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार को सरकारी योजना के तहत पक्का मकान बनवाने के लिए आर्थिक सहायता और हुए नुकसान का उचित मुआवजा जल्द से जल्द प्रदान किया जाए।



संपादकीय

कटघरे में अमेरिकी नीतियां और उसकी विश्वसनीयता

जिस अमेरिका ने भारत समेत अन्य देशों पर रूसी तेल खरीदने से रोकने का दबाव बनाया, वही अब अपनी जरूरतों के लिए उससे डीजल आयात करने जा रहा है। यह कदम उसकी नीतियों की विश्वसनीयता और उसके पीछे के तर्कों पर सवाल खड़े करता है।अगर रूस से ऊर्जा खरीदना उसके युद्ध संबंधी उद्देश्यों को आर्थिक समर्थन देने के समान है, जैसा अमेरिका कहता आया है, तो फिर वह खुद इस खरीद की अनुमति भला क्यों दे रहा है? गौरतलब है कि अमेरिकी प्रशासन ने रूसी तेल खरीदने के कारण भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क लगा दिया था, जिसे बाद में खत्म किया गया। इसके अलावा, हाल ही में ट्रंप ने एक ऐसे कानून को मंजूरी दी थी, जिसके तहत रूस से तेल खरीदने वाले भारत व चीन जैसे देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाया जा सकता है। दरअसल अमेरिका में अगले महीने मध्यावधि चुनाव होने वाले हैं और वहां चुनावों से ऐन पहले डीजल और ईंधन की कीमतें काफी बढ़ गई हैं।इसलिए समझा जा सकता है कि कीमतों को नियंत्रित करने के लिए ट्रंप प्रशासन ने रूस के साथ यह समझौता किया है। समस्या किसी देश के अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने में नहीं, बल्कि दूसरों के लिए अलग मानदंड अपनाने में है।

अगर अमेरिका अपनी जरूरतों के आधार पर रूस से डीजल खरीदने का फैसला कर सकता है, तो भारत की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चिंताओं को भी इसी नजरिये से देखा जाना चाहिए।अमेरिका बेशक इसे अस्थायी और आपात स्थिति बता रहा हो, लेकिन ऊर्जा की उपलब्धता और कीमतों का दबाव भारत के लिए भी उतना ही वास्तविक है। आखिर वह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है और अपनी ऊर्जा जरूरतों का 88 फीसदी से अधिक हिस्सा आयात से पूरा करता है।बहरहाल, अमेरिका के इस कदम से यूक्रेन की नाराजगी तो स्वाभाविक है, लेकिन रूसी डीजल खरीदने पर लगा अमेरिकी प्रतिबंध हटने से अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में डीजल की उपलब्धता बढ़ती है, तो कीमतों में स्थिरता बढ़ेगी, जिससे भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देशों को कुछ राहत मिलने की संभावना हो सकती है।

फल-सब्जियों जैसी जल्दी खराब होने वाली उपज का एक हिस्सा परिवहन और भंडारण की कमजोर व्यवस्था में नष्ट हो जाता है। जो बचता है, वह भी अक्सर कच्चे माल के रूप में बिकता है। खाद्य प्रसंस्करण की नीति इसी खाई को पाटने की कोशिश रही है। 'मेगा फूड पार्क' इसी सोच का बड़ा प्रयोग था। यह योजना वर्ष 2008 में शुरू हुई थी। इसका उद्देश्य केवल कुछ बड़े कारखाने खड़े करना नहीं, बल्कि किसान से लेकर प्रसंस्करणकर्ता, वितरक और बाजार तक एकीकृत मूल्य श्रृंखला तैयार करना था। योजना में संग्रह केंद्र, प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र, केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र, प्रशीतन श्रृंखला और उद्यमियों के लिए विकसित भू-खंड जैसी साझा सुविधाओं की परिकल्पना की गई। यानी लक्ष्य कृषि उपज को खेत से सीधे अधिक मूल्य वाले बाजार तक पहुंचाना था।

किसानों की कमाई बढ़ाने के लिए क्यों जरूरी हैं फूड पार्क?

(कृष्णा वाजपेई)

मेगा फूड पार्क के अनुभवों से सीखकर भारत को अगली कृषि क्रांति के लिए मजबूत कोल्ड चेन, स्थानीय प्रसंस्करण केंद्रों और निर्यात मानकों पर जोर देना होगा ताकि किसान लाभान्वित हों। भारत कृषि प्रधान देश है, लेकिन कृषि अर्थव्यवस्था की सबसे कमजोर कड़ी लंबे समय तक खेत के बाद ही शुरू होती रही। किसान फसल पैदा करता है, मंडी तक पहुंचाता है और फिर मूल्यवर्धन का बड़ा हिस्सा दूसरे हिस्सेदारों के खाते में चला जाता है।

फल-सब्जियों जैसी जल्दी खराब होने वाली उपज का एक हिस्सा परिवहन और भंडारण की कमजोर व्यवस्था में नष्ट हो जाता है। जो बचता है, वह भी अक्सर कच्चे माल के रूप में बिकता है। खाद्य प्रसंस्करण की नीति इसी खाई को पाटने की कोशिश रही है। 'मेगा फूड पार्क' इसी सोच का बड़ा प्रयोग था।

यह योजना वर्ष 2008 में शुरू हुई थी। इसका उद्देश्य केवल कुछ बड़े कारखाने खड़े करना नहीं, बल्कि किसान से लेकर प्रसंस्करणकर्ता, वितरक और बाजार तक एकीकृत मूल्य श्रृंखला तैयार करना था। योजना में संग्रह केंद्र, प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र, केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र, प्रशीतन श्रृंखला और उद्यमियों के लिए विकसित भू-खंड जैसी साझा सुविधाओं की परिकल्पना की गई। यानी लक्ष्य कृषि उपज को खेत से सीधे अधिक मूल्य वाले बाजार तक पहुंचाना था।

सरकार ने इस योजना के तहत सामान्य क्षेत्रों में परियोजना लागत का पचास फीसद और कठिन, पहाड़ी तथा पूर्वोत्तर क्षेत्रों में पचहत्तर फीसद तक पूंजीगत अनुदान दिया, जिसकी अधिकतम सीमा पचास करोड़ रुपए थी। यह सरकारी कारखाना खड़ा करने की योजना नहीं थी, बल्कि निजी निवेश से प्रसंस्करण का ढांचा तैयार करना इसका लक्ष्य था।

डेढ़ दशक से अधिक समय बाद इसकी तस्वीर मिश्रित है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के अनुसार, 41 मेगा फूड पार्कों को सहायता दी गई। उनमें पच्चीस परिचालन में हैं। मंत्रालय की वेबसाइट इस योजना को अप्रैल 2021 से नए परियोजनाओं के लिए बंद बताती है, जबकि जारी परियोजनाओं की प्रतिबद्ध देनदारियां जारी रखने का प्रावधान है। इस लिहाज से योजना को पूरी तरह सफल नहीं कहा जा सकता है। सवाल यह है कि स्वीकृति और वास्तविक आर्थिक गतिविधि के बीच कितनी दूरी रह गई?

राज्यों में भी अंतर साफ है। आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब और उत्तराखंड में कई फूड पार्क परिचालन तक पहुंचे हैं। चित्तूर का श्रीनी मेगा फूड पार्क और उत्तराखंड के पतंजलि तथा हिमालयन मेगा फूड पार्क



रोजगार एवं प्रसंस्करण गतिविधि के उदाहरण हैं। हालांकि इनमें रोजगार के आंकड़ों की तुलना सावधानी से करनी चाहिए, क्योंकि कुछ में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार दोनों शामिल हैं।

यही योजना की मूल चुनौती है। किसी पार्क का स्वीकृत सूची में होना और उसका वास्तव में उत्पादन, निवेश, किसान-संपर्क तथा बाजार से जुड़ना दोनों अलग बातें हैं। केवल भवन और मशीनें पर्याप्त नहीं, नियमित कच्चा माल, बिजली, प्रशीतन भंडारण, कुशल श्रम, गुणवत्ता नियंत्रण, वित्त, खरीदार और परिवहन भी जरूरी हैं।

फिर भी ऐसे ढांचे की जरूरत पर संशय की गुंजाइश बहुत कम है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसार, वर्ष 2023 में फसल कटाई के बाद खेत, परिवहन, भंडारण, थोक और प्राथमिक प्रसंस्करण के स्तरों पर दुनिया में 13.3 फीसद खाद्यान्न की हानि हुई। फल और सब्जियों में यह दर 25.4 फीसद थी। ये वैश्विक आंकड़े भारत की स्थिति का प्रत्यक्ष अनुमान नहीं हैं, लेकिन वे जल्दी खराब होने वाली उपज के लिए बेहतर भंडारण, परिवहन और प्रसंस्करण के महत्त्व को स्पष्ट करते हैं।

भारत फल और सब्जियों के उत्पादन में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है। मगर उत्पादन में आगे रहना और मूल्यवर्धित खाद्य का बड़ा निर्यातक होना अलग बातें हैं। कृषि विविध है, घरेलू बाजार विशाल है और प्रसंस्करण के लिए कच्चा माल उपलब्ध है। मगर वैश्विक बाजार में सस्ता उत्पादन पर्याप्त नहीं, इसके अलावा खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता, पैकेजिंग, निर्यात मानक और समय पर आपूर्ति भी जरूरी हैं।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का सकल मूल्यवर्धन वर्ष 2014-15 के 1.34 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2023-24 में 2.24 लाख करोड़ रुपए हो गया। वर्ष 2014-15 से 2024-25 के बीच इस क्षेत्र में 7.33 अरब डालर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया। इसी अवधि में कृषि-खाद्य निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य की हिस्सेदारी 13.7 फीसद से बढ़कर 20.4 फीसद हो गई। हालांकि खाद्य प्रसंस्करण को अब कृषि नीति का सहायक क्षेत्र मानना पर्याप्त नहीं है। यह विनिर्माण, रोजगार, निर्यात और किसान आय से जुड़ा है। छोटे किसान तभी लाभ पाएंगे, जब उन्हें संग्रह, प्राथमिक प्रसंस्करण, गुणवत्ता मानकों, ऋण, संगठित खरीदारों और बाजार तक पहुंच मिले।

वर्ष 2021 में मेगा फूड पार्क योजना को नए परियोजनाओं के लिए बंद करने के बाद सरकार ने अन्य ढांचों पर जोर बढ़ाया। प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत क्लस्टर, एकीकृत प्रशीतन श्रृंखला और प्रसंस्करण अवसंरचना को बढ़ावा दिया गया। सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन की योजनाओं ने भी दायरा बढ़ाया। जरूरत इसी बहुस्तरीय ढांचे की है।

किसान के गांव या उत्पादन क्षेत्र के पास संग्रह और प्राथमिक प्रसंस्करण हो, तहसील या जिले में प्रशीतन भंडारण और पैकेजिंग की सुविधा हो तथा बड़े औद्योगिक केंद्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़े हों। इससे परिवहन लागत और बर्बादी घट सकती है तथा किसान को कच्चे माल की कीमत से आगे मूल्यवर्धन में हिस्सेदारी मिल सकती है। सहकारी समितियां, किसान उत्पादक संगठन और छोटे उद्यम इस कड़ी को मजबूत करने में भूमिका निभा सकते हैं।

सरकारी सफलता की कसौटी यह होनी चाहिए कि कितनी इकाइयां उत्पादन कर रही हैं, कितने किसान जुड़े हैं, किसानों को कितना अतिरिक्त मूल्य मिला, कितनी उपज बची, कितना निजी निवेश आया, कितना निर्यात हुआ और कितने स्थायी रोजगार सृजित हुए। किसी योजना की आर्थिक सफलता कागजी स्वीकृति से नहीं, जमीन पर चलती गतिविधि से मापी जानी चाहिए।

मेगा फूड पार्क ने भारत को एक महत्त्वपूर्ण सबक दिया है। कृषि और उद्योग अलग नहीं हैं। आम, टमाटर, दूध, मछली, मसाले या अनाज की आर्थिक क्षमता खेत में उत्पादन के साथ समाप्त नहीं होती। विज्ञान, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, परिवहन, गुणवत्ता और बाजार से जुड़ने पर उसका मूल्य कई गुना बढ़ सकता है। मगर इसके लिए नीति की घोषणा से अधिक जरूरी है उसका समयबद्ध और पारदर्शी क्रियान्वयन।

भारत के सामने अब अवसर बड़ा है। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का विस्तार हो रहा है और प्रसंस्कृत खाद्य की निर्यात हिस्सेदारी भी बढ़ी है। मगर क्षमता और उपलब्धि के बीच की दूरी अभी बनी हुई है। अगली कृषि क्रांति केवल अधिक उत्पादन की नहीं, अधिक मूल्यवर्धन की होनी चाहिए। इसके लिए बड़े फूड पार्कों के साथ हजारों छोटे और मध्यम प्रसंस्करण केंद्रों, मजबूत प्रशीतन श्रृंखला, बेहतर गुणवत्ता व्यवस्था और वैश्विक बाजार से विश्वसनीय जुड़ाव की जरूरत होगी।

खेत से दुनिया की थाली तक भारत की यात्रा तभी पूरी होगी, जब किसान मूल्य श्रृंखला का भागीदार बने। मेगा फूड पार्क उस दिशा में बड़ा प्रयोग थे, ऐसी व्यवस्था चाहिए, जिसमें खेत की उपज उद्योग में मूल्य पाए और स्थानीय उत्पाद दुनिया के बाजार में प्रतिस्पर्धी बने। भारत की खाद्य-प्रसंस्करण क्रांति इसी जुड़ी हुई श्रृंखला से आएगी।

खुद को एआई के हवाले न कर दें- निर्भरता हमें लापरवाह न बना दे

(एली टैन)

एआई जिंदगी को आसान बनाने के लिए काफी कुछ कर सकता है, पर यह ध्यान रखना होगा कि इस पर निर्भरता हमें लापरवाह न बना दे। पैट्रिक विंस्टन के मुताबिक एआई लोगों को कंप्यूटर से, ज्ञान से, असली दुनिया से और आपस में एक-दूसरे से जोड़ने का एक नया जरिया है। हाल ही में मेरे फोन पर एक अनजान नंबर से कॉल आई। दूसरी तरफ से आवाज आई, 'हैलो, मैं एंथम डेंटल से बोल रहा हूं। मैं आपको एक विशेषज्ञ से जोड़ने जा रहा हूं।' मैं तुरंत समझ गया कि यह मेटा का एआई एजेंट एप 'म्यूज' बोल रहा है। क्योंकि, मैं भी इस एआई एजेंट का खूब उपयोग करता हूं। ठीक दस मिनट पहले, इसी एजेंट ने मेरी डेंटल बीमा देने वाली कंपनी को फोन किया था और बिल्कुल वैसे ही बात की थी, जैसा मैंने उसे करने के लिए कहा था। यह उन कई कामों में से एक था, जो मैंने पिछले दो हफ्तों में म्यूज से करवाए थे।

म्यूज आम लोगों के लिए बनाया गया शुरुआती एआई एजेंट है। यह इंटरनेट पर वेबसाइट बना सकता है, किसी अकाउंट में लॉगिन कर सकता है, कोई फॉर्म भर सकता है, स्प्रेडशीट तैयार कर सकता है और यहां तक कि आपकी ओर से फोन कॉल भी कर सकता है। मैंने अपने कई जरूरी काम म्यूज को इसीलिए सौंपे, ताकि यह समझ सकूं कि यह रोजमर्रा के कामों को कितना आसान बना सकता है और इसकी क्या सीमाएं हैं। मैंने इससे किराने का सामान मंगवाने, मीटिंग तय करने और गेम की सेटिंग्स बदलने जैसे कई काम करवाए।

मुझे सबसे ज्यादा हैरानी तब हुई, जब मैंने अपने क्रेडिट कार्ड म्यूज से जोड़े और उसे गूगल शीट्स में मेरे खर्चों का हिसाब रखने को कहा। कुछ ही मिनटों में उसने पूरा डाटा तैयार कर दिया। खास बात यह थी कि उसने दो ऐसे सब्सक्रिप्शन भी खोज निकाले, जिनके लिए मैं दो बार भुगतान कर रहा था। मेरी अनुमति से उसने उन्हें रद्द कर दिया। फिर, उसने मेरे ई-मेल के जरिये एक ऐसे अखबार के ट्रायल का रिफंड भी मांगा, जिसकी अवधि समाप्त हो चुकी थी। इससे मेरे 44.99 डॉलर भी बच गए। इस अनुभव से मुझे समझ आया कि एआई एजेंट सिर्फ सवालों के जवाब देने वाले चैटबॉट नहीं हैं। वे ऐसे काम भी कर सकते हैं, जिन्हें अब तक लोगों को खुद करना पड़ता था। मसलन, मैं पार्किंग टिकट की फोटो लेकर म्यूज को भेजता और वह मेरी ओर से उसका भुगतान कर देता। भुगतान से पहले वह मेरी अनुमति जरूर लेता था। काम करते समय मैं ब्राउजर की एक छोटी-सी विंडो में यह भी देख सकता था कि वह क्या कर रहा है। हालांकि, थर्ड-पार्टी वेबसाइटों पर साइन-इन करने में उसे मेरी मदद की जरूरत पड़ी। म्यूज की ताकत और उससे जुड़े जोखिमों का पता मुझे तब चला, जब मैंने उसे फेसबुक मार्केटप्लेस पर अपने लिए खरीदारी और मोल-भाव करने के लिए कहा। मैंने उसे ऐसे सामान खोजने को कहा, जो बाजार में मिलने वाली कीमत से आधे या उससे भी कम दाम पर उपलब्ध हों। पर, इसी दौरान मुझसे एक गलती हो गई। म्यूज को भेजने के लिए लिखा गया एक संदेश गलती से एशली नाम के विक्रेता को चला गया। गलती एआई की नहीं, मेरी थी। इस छोटी-सी चूक ने मुझे एक बड़ी सीख दे दी। एआई हमारी जिंदगी को आसान बनाने के लिए काफी कुछ कर सकता है, लेकिन हमें यह ध्यान रखना होगा कि इस पर निर्भरता हमें लापरवाह न बना दे। यह काफी जोखिमपूर्ण भी हो सकता है।

मुझे म्यूज अब तक का सबसे उपयोगी एआई एप लगा। लेकिन, इसकी उपयोगिता के साथ एक बड़ा सवाल भी है और वह यह कि क्या हम अपने जरूरी कामों के लिए किसी एआई एजेंट को अपने बैंक खाते, ई-मेल और निजी जानकारी तक पहुंच देने को तैयार हैं? खासकर तब, जब मेटा जैसी कंपनी पर निजता और यूजर्स के डाटा की सुरक्षा को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। हालांकि, एजेंटिक मार्केटिंग प्लेटफॉर्म अकॉस्टिक की सीनियर डायरेक्टर मेलिसा वाडासेरिल ने म्यूज की तुलना साल 2010 में लॉन्च हुए सिरी से की है। उनका कहना है कि सिरी के आने के बाद भी लोगों को यह समझने में वक्त लगा था कि वे इस तकनीक का इस्तेमाल किन-किन कामों के लिए कर सकते हैं। उनके मुताबिक, म्यूज का बाजार भी अभी शुरुआती दौर में है।

शायद निजता ही एआई के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। ये कई काम बेशक आसान बना सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें हमारी निजी जिंदगी, आदतों और जरूरी जानकारियों तक पहुंच देनी होगी। इसलिए, सवाल सिर्फ यह नहीं है कि एआई क्या कर सकता है, बल्कि यह है कि हम किस सीमा तक खुद को एआई के हवाले करने को तैयार हैं?

हॉटपॉट एआई: इसका इस्तेमाल ग्राफिक्स बनाने, फोटो सुधारने और कंटेंट तैयार करने के लिए किया जाता है। इसमें आप अपनी पुरानी तस्वीर अपलोड करके उसे साफ और बेहतर बना सकते हैं। यह फोटो का धुंधलापन दूर करने, उसे शार्प बनाने तथा छोटे-मोटे दाग या खराब हिस्सों को सुधारने में मदद करता है। अगर आपके पास ब्लैक एंड व्हाइट फोटो है, तो इसका कलराइज फीचर उसे रंगीन बनाने में सहायता करता है। इससे पुरानी तस्वीरें पहले से ज्यादा साफ और जीवंत दिखाई देती हैं। इसका एक खास फीचर 'डीप नॉस्टैल्जिया' भी है, जो तस्वीर में मौजूद चेहरे को हल्का-सा हिलाकर ऐसा प्रभाव देता है, मानो फोटो में व्यक्ति जीवंत हो उठा हो।

क्यों बदलता है अलग-अलग रिश्तों में इंसान का व्यवहार? समझें मानव स्वभाव का यह सच

समस्या तब शुरू होती है, जब हम इस अंतर को समझे बिना व्यक्ति के पूरे चरित्र का निर्णय कर लेते हैं। अपने बच्चे के लिए एक मां का प्रेम लगभग निस्वार्थ होता है। वह उसकी गलतियों को सुधारने का प्रयास करती है, लेकिन उसके प्रति उसके मन में अपनापन कम नहीं होता। वही महिला अपने पति के साथ जीवन की साझेदार होती है। वहां प्रेम के साथ मतभेद भी होते हैं, जिम्मेदारियां भी होती हैं और अनेक व्यावहारिक निर्णय भी। अपने सास-ससुर के सामने वह बहू होती है, जहां संबंधों के साथ अपेक्षाएं और सामाजिक मर्यादाएं जुड़ी होती हैं।

(महिमा सामंत)

मनुष्य को समझना शायद संसार के सबसे कठिन कार्यों में से एक है। हम किसी व्यक्ति से मिलते हैं, उसके कुछ व्यवहार देखते हैं और उसके बारे में एक राय बना लेते हैं। मगर समय के साथ जब उसी व्यक्ति को अलग-अलग रिश्तों और परिस्थितियों में देखते हैं, तो अक्सर आश्चर्य होता है। जो व्यक्ति कहीं अत्यंत स्नेही दिखाई देता है, वही कहीं कठोर नजर आता है।

जो किसी के लिए त्याग और समर्पण की मिसाल है, वही किसी दूसरे रिश्ते में उतना उदार नहीं दिखता। तब मन में प्रश्न उठता है- क्या व्यक्ति बदल जाता है, या रिश्तों के साथ उसका व्यवहार बदल जाता है? सच तो यह है कि जीवन एक मंच की तरह है, जहां हर व्यक्ति अनेक भूमिकाएं निभाता है। वह एक साथ पुत्र भी है, पिता भी, मित्र भी, पति भी, कर्मचारी भी और नागरिक भी। हर भूमिका की अपनी अपेक्षाएं, सीमाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। इसलिए व्यवहार में अंतर दिखाई देना स्वाभाविक है।

समस्या तब शुरू होती है, जब हम इस अंतर को समझे बिना व्यक्ति के पूरे चरित्र का निर्णय कर लेते हैं। अपने बच्चे के लिए एक मां का प्रेम लगभग निस्वार्थ होता है। वह उसकी गलतियों को सुधारने का प्रयास करती है, लेकिन उसके प्रति उसके मन में अपनापन कम नहीं होता। वही महिला अपने पति के साथ जीवन की साझेदार होती है।

वहां प्रेम के साथ मतभेद भी होते हैं, जिम्मेदारियां भी होती हैं और अनेक व्यावहारिक निर्णय भी। अपने सास-ससुर के सामने वह बहू होती है, जहां संबंधों के साथ अपेक्षाएं और सामाजिक मर्यादाएं जुड़ी होती हैं। अपने माता-पिता के घर में वह फिर बेटी बन जाती है, जहां बिना किसी संकोच के अपने मन की बात कह सकती है। अपनी सहेलियों के बीच वही महिला सबसे अधिक खुली, हंसमुख और निश्चिंत दिख



सकती है। रिश्तों के मुताबिक उसकी अभिव्यक्ति भी बदल रही है।

इसी तरह एक व्यक्ति अपनी मां के सामने आज भी बच्चा बना रहता है। वही अपने बच्चों के सामने जिम्मेदार अभिभावक होता है। अपनी बहन के प्रति उसका व्यवहार सुरक्षात्मक हो सकता है, अपने भाई के प्रति प्रतिस्पर्धी और मित्रवत है।

कुछ मामलों में ऐसा होता भी है, लेकिन हर बार नहीं। अनेक बार इसके पीछे वर्षों से बनी मानसिकता, भावनात्मक निकटता और सामाजिक संस्कार काम करते हैं। अपनी बेटी की गलती में उसे बचपन दिखाई देता है, जबकि बहू की वही गलती उसे जिम्मेदारी की कमी लग सकती है। दूसरी ओर, बहू अपनी मां की सलाह को स्नेह समझती है, लेकिन सास की सलाह को आलोचना मान बैठती है। दोनों पक्षों में अक्सर बुरी नीयत नहीं होती। समस्या दृष्टिकोण और मानसिकता की होती है।

इसी तरह, एक पिता अपनी बेटी के लिए अत्यधिक चिंतित रहता है, लेकिन वही चिंता बहू के लिए उतनी स्पष्ट रूप से व्यक्त नहीं कर पाता। एक व्यक्ति अपने मित्र की सफलता पर खुश होता है, लेकिन अपने भाई की सफलता पर तुलना करने लगता है। एक कर्मचारी अपने वरिष्ठ अधिकारी के प्रति औपचारिक रहता है, लेकिन कनिष्ठ सहयोगियों के साथ सहज। इन सबके पीछे कोई सोची-समझी योजना नहीं होती। अधिकांश मामलों में यह वर्षों से बने अनुभवों, भावनात्मक जुड़ाव और मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों का परिणाम होता है।

दरअसल, हर बदलता व्यवहार दिखावा नहीं होता। हम अक्सर कहते हैं कि फलां व्यक्ति के कई चेहरे हैं, लेकिन कई बार उसके कई चेहरे नहीं होते, बल्कि कई जिम्मेदारियां होती हैं। एक व्यक्ति अलग-अलग परिस्थितियों में अलग प्रकार की प्रतिक्रिया देता है, क्योंकि हर परिस्थिति उससे अलग भूमिका निभाने की अपेक्षा करती है। असली प्रश्न यह नहीं है कि उसका व्यवहार क्यों बदलता है, असली प्रश्न यह है कि क्या उसके मूल मूल्य भी बदल जाते हैं? किसी व्यक्ति को केवल एक रिश्ते के आधार पर नहीं परखना चाहिए। जो शिक्षक कक्षा में कठोर लगता है, वही घर में अत्यंत स्नेही पिता हो सकता है। जो छात्र कक्षा में शांत है, वही मित्रों के बीच सबसे अधिक जीवंत हो सकता है। जो पड़ोसी कम बोलता है, वह अपने परिवार के लिए सबसे अधिक समर्पित व्यक्ति हो सकता है। हम अक्सर किसी व्यक्ति का केवल एक पक्ष देखते हैं और उसी के आधार पर उसके पूरे व्यक्तित्व का निर्णय कर लेते हैं। यह वैसा ही है, जैसे किसी विशाल वृक्ष की केवल एक शाखा देखकर उसके पूरे आकार का अनुमान लगाने का प्रयास करना। आज के सोशल मीडिया युग में यह प्रवृत्ति और भी बढ़ गई है। कुछ तस्वीरें, कुछ पोस्ट या कुछ मिनटों की बातचीत देखकर हम लोगों के बारे में निष्कर्ष निकाल लेते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि हर व्यक्ति के जीवन में ऐसे अनेक पक्ष होते हैं, जिन्हें दुनिया कभी देख ही नहीं पाती। मुस्कुराते चेहरे के पीछे संघर्ष हो सकते हैं और कठोर दिखने वाले व्यक्तित्व के भीतर गहरी संवेदनशीलता छिपी हो सकती है।

फिर भी व्यवहार में परिवर्तन की एक सीमा होनी चाहिए। रिश्तों के अनुसार अभिव्यक्ति बदल सकती है, लेकिन सम्मान, करुणा, न्याय और संवेदनशीलता जैसे मूल्य नहीं बदलने चाहिए। शायद किसी व्यक्ति के चरित्र की सबसे बड़ी परीक्षा यही है कि वह उन लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है जिनसे उसे कोई लाभ नहीं मिलने वाला। अपने लोगों से प्रेम करना सहज है, लेकिन हर व्यक्ति के सम्मान को स्वीकार करना परिपक्वता का परिचायक है।

मुजफ्फरनगर नगरपालिका वार्ड 41 में सभासद हिमांशु कौशिक ने बांटे होम कंपोस्टर, गीले कचरे से जैविक खाद बनाने के लिए किया जागरूक

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के तहत नगर पालिका परिषद ने चलाया जागरूकता एवं वितरण कार्यक्रम, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मुजफ्फरनगर। नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के अंतर्गत वार्ड संख्या 41 में होम कंपोस्टर जागरूकता एवं वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान वार्ड सभासद हिमांशु कौशिक ने अपने आवास पर पात्र लाभार्थियों को होम कंपोस्टर वितरित किए। साथ ही वार्डवासियों को गीले कचरे के उचित निस्तारण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए होम कंपोस्टर के नियमित उपयोग के लिए प्रेरित किया।



कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को होम कंपोस्टर की उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि घरों से निकलने वाले गीले कचरे, जैसे सब्जियों और फलों के छिलकों तथा अन्य जैविक अपशिष्ट का उपयोग होम कंपोस्टर के माध्यम से जैविक खाद तैयार करने में किया जा सकता है। इस खाद का इस्तेमाल घरों में लगे पौधों, बगीचों तथा आसपास के पेड़-पौधों में किया जा सकता है।

कार्यक्रम में बताया गया कि यदि प्रत्येक परिवार अपने घर से निकलने वाले गीले कचरे का उचित प्रबंधन करना शुरू कर दे, तो कूड़े की मात्रा को कम करने में काफी मदद मिल सकती है। इससे कचरे के निस्तारण की समस्या का समाधान करने के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

वार्ड सभासद हिमांशु कौशिक ने लाभार्थियों को होम कंपोस्टर वितरित करते हुए नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल नगर पालिका या सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को भी इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए। घरों से निकलने वाले कचरे को सही तरीके से अलग-अलग करना और गीले कचरे से जैविक खाद तैयार करना स्वच्छ वार्ड एवं स्वच्छ शहर की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने वार्डवासियों से अपील की कि वे होम कंपोस्टर का नियमित उपयोग करें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें, ताकि स्वच्छता ही सेवा अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से सफल बनाया जा सके।

इस अवसर पर वार्ड सभासद हिमांशु कौशिक, स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) से रुचि शर्मा, सफाई नायक सोमपाल सहित सैकड़ों गणमान्य नागरिक एवं वार्डवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता अपनाने, कचरे का उचित प्रबंधन करने और पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने का संदेश दिया गया।

पंचवटी में गूंजी श्रीराम के धनुष की टंकार, रावण ने किया माता सीता का हरण

सूर्पणखा प्रसंग और खर-दूषण वध के मंचन ने बांधा समां, रामलीला में जीवंत हुए रामायण के महत्वपूर्ण प्रसंग

थानाभवन। क्षेत्र के गांव हसनपुर लुहारी में आयोजित 78वीं ऐतिहासिक रामलीला में बुधवार रात रामायण के महत्वपूर्ण प्रसंगों का भव्य मंचन किया गया। पंचवटी में सूर्पणखा के आगमन, लक्ष्मण द्वारा उसकी नाक काटने, खर-दूषण वध और रावण द्वारा माता सीता के हरण के दृश्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों ने अपने शानदार अभिनय और प्रभावशाली संवादों के माध्यम से रामायण के प्रसंगों को मंच पर जीवंत कर दिया। वीररस से भरपूर दृश्यों के दौरान रामलीला परिसर जय श्रीराम के उद्घोषों से गूंज उठा, वहीं सीता हरण के मार्मिक मंचन ने दर्शकों को भावुक कर दिया।



रामलीला का शुभारंभ भगवान श्रीराम की आरती के साथ हुआ। इसके बाद कलाकारों ने पंचवटी में सूर्पणखा के पहुंचने का दृश्य प्रस्तुत किया। भगवान श्रीराम के रूप और व्यक्तित्व पर मोहित होकर सूर्पणखा ने उनसे विवाह करने का प्रस्ताव रखा। श्रीराम द्वारा उसे लक्ष्मण के पास भेजे जाने के बाद सूर्पणखा लक्ष्मण के समक्ष विवाह का प्रस्ताव रखती है। प्रसंग में घटनाक्रम आगे बढ़ने पर लक्ष्मण द्वारा सूर्पणखा की नाक काटने का दृश्य दिखाया गया। कलाकारों ने अपने संवाद और अभिनय से इस प्रसंग को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

खर-दूषण वध के दृश्य पर गूंजे जय श्रीराम के उद्घोष

सूर्पणखा अपनी नाक कटने से अपमानित होकर अपने भाइयों खर और दूषण के पास पहुंचती है और उन्हें श्रीराम के विरुद्ध भड़काते हुए बदला लेने की गुहार लगाती है। इसके बाद खर-दूषण राक्षस सेना के साथ भगवान श्रीराम पर आक्रमण कर देते हैं। प्रभु श्रीराम अपने धनुष-बाण से राक्षसों का संहार करते हुए खर-दूषण का वध कर देते हैं। इस युद्ध प्रसंग के दौरान कलाकारों के वीरतापूर्ण अभिनय ने दर्शकों में उत्साह भर दिया। पूरा रामलीला पंडाल जय श्रीराम के उद्घोषों से गूंज उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया।

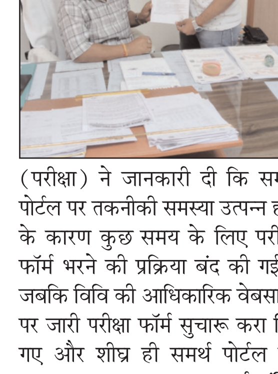
साधु के वेश में पहुंचा रावण, छलपूर्वक किया सीता हरण

रामलीला के अगले महत्वपूर्ण प्रसंग में लंकापति रावण साधु का वेश धारण कर पंचवटी पहुंचता है। वह भिक्षा मांगने के बहाने माता सीता को अपनी बातों में उलझाता है और छलपूर्वक उनका हरण कर लेता है। सीता हरण के दृश्य में कलाकारों ने भावपूर्ण अभिनय कर दर्शकों को रामायण की इस महत्वपूर्ण घटना का सजीव अनुभव कराया। माता सीता के विलाप और रावण द्वारा उन्हें अपने साथ ले जाने के मंचन ने दर्शकों को भावुक कर दिया।

सीता हरण के साथ ही रामलीला में आगामी घटनाक्रम को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई। मंचन देखने के लिए गांव हसनपुर लुहारी सहित आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु और ग्रामीण पहुंचे। पूरे कार्यक्रम के दौरान दर्शक रामायण के प्रसंगों में डूबे नजर आए। 78वीं ऐतिहासिक रामलीला के माध्यम से कलाकारों ने धार्मिक आस्था, मयार्दा और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया।

परीक्षा फॉर्म एवं मूल अंकतालिकाओं से संबंधित समस्याओं को लेकर छात्रसंघ नेता अमन जैन ने सौंपा ज्ञापन

मुजफ्फरनगर । छात्रसंघ संयुक्त सचिव अमन जैन ने माँ शाकुंभरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर में विद्यार्थियों को परीक्षा फॉर्म भरने में आ रही समस्याओं तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों की मूल अंकतालिकाएँ महाविद्यालयों में उपलब्ध न होने की समस्या के समाधान की मांग को लेकर परीक्षा नियंत्रक के नाम सहायक कुलसचिव (परीक्षा) रमेश सिंह को ज्ञापन सौंपा।



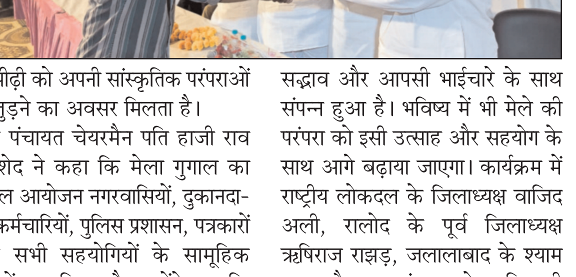
छात्रसंघ नेता अमन जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विषम सेमेस्टर के मुख्य परीक्षा फॉर्म समर्थ पोर्टल तथा बैक परीक्षा फॉर्म विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से भरने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है, लेकिन समर्थ पोर्टल पर परीक्षा फार्म प्रदर्शित नहीं हो रहे हैं और जिससे अंतिम तिथि नजदीक होने के कारण विद्यार्थियों के सामने गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई हैं। उन्होनें बताया कि इस पर सहायक कुलसचिव (परीक्षा) ने जानकारी दी कि समर्थ पोर्टल पर तकनीकी समस्या उत्पन्न होने के कारण कुछ समय के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया बंद की गई है जबकि विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी परीक्षा फॉर्म सुचारू करा दिए गए और शीघ्र ही समर्थ पोर्टल की समस्या का समाधान कराकर नई अंतिम तिथि के साथ सूचना जारी की जाएगी तथा परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित कराई जाएगी।

छात्रसंघ नेता अमन जैन ने बताया कि विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों में अनावश्यक रूप से डिटेंड प्रदर्शित होने तथा मूल अंकतालिकाएँ लंबित होने से विद्यार्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों में अनावश्यक रूप से प्रदर्शित डिटेंड हटाते हुए उनकी अंकतालिकाएँ शीघ्र निर्गत करने तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों की लंबित मूल अंकतालिकाएँ शीघ्र संबंधित महाविद्यालयों में उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि विद्यार्थियों की आगामी शैक्षणिक प्रक्रियाएँ प्रभावित न हों, इस संबंध में सहायक कुलसचिव (परीक्षा) रमेश सिंह की ओर से आश्वासन दिया गया कि विद्यार्थियों की अंकतालिकाओं संबंधित सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान कराया जायेगा।

15 दिन तक चले प्रसिद्ध मेला गुगाल का भव्य समापन, विधायक अशरफ अली खान और हाजी राव जमशेद ने सहयोगियों को किया सम्मानित

मेले हमारी सांस्कृतिक धरोहर और आपसी भाईचारे के प्रतीक : अशरफ अली खान

थानाभवन। नगर पंचायत थानाभवन की ओर से जाहरवीर गोगा जी महाराज की स्मृति में आयोजित प्रसिद्ध मेला गुगाल का बुधवार देर शाम भव्य समारोह के साथ समापन हो गया। 15 दिन तक चले इस ऐतिहासिक मेले में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह में क्षेत्रीय विधायक अशरफ अली खान और नगर पंचायत चेयरमैन पति हाजी राव जमशेद ने मेले के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले दुकानदारों, पत्रकारों, पुलिसकर्मियों, सभासदों, कर्मचारियों और अन्य सहयोगियों को सम्मानित कर उनका आभार व्यक्त किया। मेला ग्राउंड में आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक अशरफ अली खान का चेयरमैन पति हाजी राव जमशेद, अधिशासी अधिकारी जितेंद्र राणा और सभासदों ने बुके भेंट कर तथा माल्यार्पण करके जोरदार स्वागत किया। समाजसेवी ऋषिपाल विकसित के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।



समारोह को संबोधित करते हुए विधायक अशरफ अली खान ने कहा कि मेले हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं और देश की मिली-जुली संस्कृति का प्रतीक हैं। ऐसे आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को एक मंच पर लाने के साथ-साथ आपसी प्रेम, मेल-मिलाप और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि थानाभवन का मेला गुगाल आपसी सद्भाव और सामाजिक एकता की मिसाल है। मेले के आयोजन से लोगों में सामाजिक चेतना मजबूत होती है और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है।

नगर पंचायत चेयरमैन पति हाजी राव जमशेद ने कहा कि मेला गुगाल का सफल आयोजन नगरवासियों, दुकानदारों, कर्मचारियों, पुलिस प्रशासन, पत्रकारों और सभी सहयोगियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आमजन के सहयोग से यह मेला प्रेम, सद्भाव और आपसी भाईचारे के साथ संपन्न हुआ है। भविष्य में भी मेले की परंपरा को इसी उत्साह और सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष वाजिद अली, रालोद के पूर्व जिलाध्यक्ष ऋषिराज राझड़, जलालाबाद के श्याम बाबू और नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी जितेंद्र राणा ने मेले के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी बड़े आयोजन की सफलता के पीछे अनेक लोगों का सामूहिक परिश्रम और समर्पण होता है। मेला गुगाल का सफल समापन भी इसी सामूहिक सहभागिता का उदाहरण है।

समापन समारोह के दौरान विधायक अशरफ अली खान, चेयरमैन पति हाजी राव जमशेद और अधिशासी अधिकारी जितेंद्र राणा ने मेले में अपनी सेवाएं देने वाले दुकानदारों और सहयोगियों को सम्मानित किया। इनमें इरशाद होटल के मुजम्मिल, मोहन चाट भंडार के मोहन सैनी, मेला ठेकेदार चौधरी मानसिंह, अरशद ठेकेदार, विमल कश्यप और बबलू चाट वाले सहित अन्य लोग शामिल रहे।

विधायक सुमित हृदयेश को ब्लैकमेल करने वालों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग, धीरेंद्र प्रताप ने उठाए पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

जब जनप्रतिनिधि ही सुरक्षित नहीं, तो आम जनता की सुरक्षा का क्या होगा

हरिद्वार। उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री धीरेंद्र प्रताप ने हल्द्वानी के विधायक सुमित हृदयेश को कथित रूप से ब्लैकमेल करने वाले आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने मामले में अब तक कार्रवाई नहीं होने पर अफसोस जताते हुए पुलिस और साइबर क्राइम विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि विधायक सुमित हृदयेश ने करीब एक वर्ष पहले पुलिस अधिकारियों को पत्र लिखकर उन्हें ब्लैकमेल करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की थी, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि राज्य में जनप्रतिनिधि ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता की सुरक्षा की उम्मीद कैसे की जा सकती है?

उन्होंने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है कि विधायक द्वारा पूरे प्रकरण की जानकारी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को दिए जाने के बावजूद कार्रवाई में इतनी देरी हो रही है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को ब्लैकमेलिंग के कारण मानसिक दबाव का सामना करना पड़े और वह आत्महत्या जैसे कदम के बारे में सोचने को मजबूर हो जाए, तो यह व्यवस्था के लिए बेहद शर्मनाक स्थिति है। धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के दुरुपयोग के माध्यम से लोगों को ब्लैकमेल करने की घटनाएं सामने आ रही हैं। ऐसी परिस्थितियों में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए साइबर क्राइम विभाग को अधिक सक्षम, सक्रिय और जवाबदेह बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि तकनीक के दुरुपयोग से होने वाले अपराधों को रोकना और पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाना विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए।

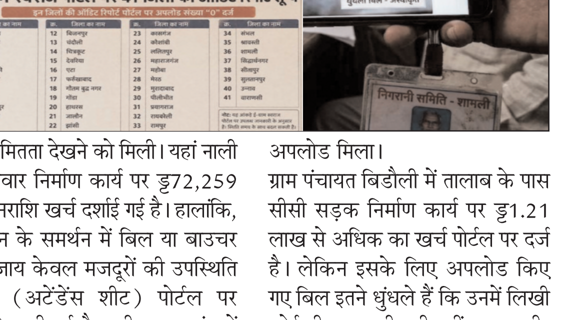
उन्होंने विधायक सुमित हृदयेश को भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि उन्हें जिस भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता होगी, कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता हर संभव सहयोग देने के लिए तैयार हैं। इस बीच धीरेंद्र प्रताप ने अंकिता भंडारी के माता-पिता को तड़के करीब चार बजे दिल्ली के इंडिया गेट से पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने की घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस परिवार ने अपनी बेटी को खोया, उसे ही परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने राज्यपाल के रूप में नियुक्त दुष्यंत गौतम के संदर्भ में भी सवाल उठाते हुए कहा कि मामले में जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठ रही है, उनके बजाय पीड़ित परिवार को हिरासत में लिया जाना उचित नहीं है।

शामली में ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर फर्जीवाड़ा: ग्राम पंचायतों के बिलों की जगह अपलोड किए कोरे कागज और अटेंडेंस शीट, जिलाधिकारी ने दिए जांच के आदेश

लाखों रुपये के विकास कार्यों के भुगतान के लिए लगाए गए धुंधले दस्तावेजः डीपीआरओ से जवाब-तलबी

शामली। जनपद की ग्राम पंचायतों में कराए जा रहे विकास कार्यों की पारदर्शिता और सरकारी धन की निगरानी व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जिले के कई गांवों में नाला निर्माण, सीसी सड़क, खड़ंजा, सफाई और हैंडपंप रिबोर जैसे विकास कार्यों का लाखों रुपये का भुगतान कर दिया गया, लेकिन इसके समर्थन में ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर वास्तविक बिल-बाउचर की जगह धुंधले दस्तावेज, पूरी तरह कोरे कागज और मजदूरों की अटेंडेंस शीट तक अपलोड कर दी गईं। विभिन्न ब्लॉकों की ग्राम पंचायतों के डिजिटल रिकॉर्ड की पड़ताल में सामने आए इन चौंकाने वाले तथ्यों ने पंचायत स्तर पर चल रहे घालमेल और दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया की पोल खोलकर रख दी है। युसुफपुरः खड़ंजा निर्माण के बिल की जगह लगाया कोरा कागज मामले की पड़ताल में ग्राम पंचायत युसुफपुर में गंभीर अनियमितता देखने को मिली। यहां नाली की दीवार निर्माण कार्य पर ₹72,259 की धनराशि खर्च दर्शाई गई है। हालांकि, भुगतान के समर्थन में बिल या बाउचर के बजाय केवल मजदूरों की उपस्थिति पत्रक (अटेंडेंस शीट) पोर्टल पर अपलोड की गई है। इसी प्रकार गांव में दरबार सिंह के डेरे से कश्मीर सिंह के मकान तक खड़ंजा निर्माण पर 77,885 खर्च दिखाए गए, लेकिन बिल-बाउचर के नाम पर पोर्टल पर पूरा कोरा कागज अपलोड मिला।



ग्राम पंचायत बिडौली में तालाब के पास सीसी सड़क निर्माण कार्य पर ₹1.21 लाख से अधिक का खर्च पोर्टल पर दर्ज है। लेकिन इसके लिए अपलोड किए गए बिल इतने धुंधले हैं कि उनमें लिखी कोई भी जानकारी पढ़ी नहीं जा सकती। इसी गांव में सफाई कार्य के नाम पर ₹24,225 का भुगतान किया गया, जहां भी स्पष्ट बिलों के स्थान पर धुंधली पर्चियां और मजदूरों की अटेंडेंस लगाई गई। उधर, काबड़ौत गांव में मोहर सिंह के मकान से विनोद के मकान तक सीसी सड़क निर्माण और हैंडपंप रिबोर कार्य पर ₹1.22 लाख से अधिक राशि खर्च दर्शाई गई है। यहां भी बिलों के अस्पष्ट और धुंधले होने के कारण वित्तीय सत्यापन होना असंभव प्रतीत हो रहा है। ई-ग्राम स्वराज पोर्टल भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा विकसित एक महत्वपूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायतों की कार्ययोजना, बजट, विकास कार्य, भुगतान और खर्च की पाई-पाई को ऑनलाइन सार्वजनिक कर पारदर्शिता लाना है। नियमों के तहत ग्राम पंचायतों को कराए गए कार्यों का प्रस्ताव, स्वीकृति, भुगतान विवरण, मस्टर रोल, पक्के बिल व बाउचर पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है, ताकि आम नागरिक भी इसकी निगरानी कर सकें। शामली के जिलाधिकारी आलोक यादव ने ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर धुंधले और कोरे बिल अपलोड किए जाने का मामला गंभीर बताते हुए कहा कि इसकी विस्तृत जांच कराई जाएगी। इस संबंध में डीपीआरओ से भी स्पष्टीकरण व जवाब-तलब किया जाएगा। वहीं जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ), शामली संदीप अग्रवाल का कहना है कि विकास कार्यों के नाम पर धुंधले और कोरे बिल अपलोड किए जाने का मामला अत्यंत गंभीर है।

पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। त्रिस्तरीय ग्राम पंचायतों में कराए जाने वाले विकास कार्यों, स्वीकृत बजट और सरकारी धन के पाई-पाई के खर्च का हिसाब पारदर्शी तरीके से आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए 'ई-ग्राम स्वराज पोर्टल' पर व्यवस्था की एक अधूरी तस्वीर सामने आई है।

रंग संसार

267 एपिसोड तक चला था करिश्मा कपूर का टीवी शो, 67 साल की बिजनेसवुमन बनी थीं 'लोलो'



नई दिल्ली। 90 के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्री के तौर पर करिश्मा कपूर को जाना जाता है। अपने सुनहरे एक्टिंग करियर के दौरान करिश्मा ने एक से बढ़कर एक मूवी के जरिए बड़े पर्दे पर शानदार अदाकारी की छाप छोड़ी है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बतौर एक्ट्रेस करिश्मा ने छोटे पर्दे पर भी राज किया है। 22 साल पहले करिश्मा कपूर का टीवी शो आया था, जो लंबे समय तक टेलीकास्ट हुआ था। आइए इस लेख में जानते हैं कि 267 एपिसोड वाला वह धारावाहिक कौन सा था। हिंदी सिनेमा की कई अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जिन्होंने टीवी पर किस्मत आजमाई है, लेकिन बहुत कम अदाकाराओं को छोटे पर्दे पर सफलता हाथ लगी है। उनमें से एक करिश्मा कपूर भी रही हैं, जिनका धारावाहिक करिश्मा- द मिरेकल्स ऑफ डेस्टिनी) काफी लोकप्रिय रहा था। साल 2003 में करिश्मा के इस टीवी सीरियल को सहारा वन टीवी चैनल पर टेलीकास्ट किया गया था। इस शो में करिश्मा ने 67 साल की एक सक्सेसफुल बिजनेसवुमन देवयानी की किरदार अदा किया था, जो उस दौर में दर्शकों को काफी पसंद आया था। एक साल तक करिश्मा- द मिरेकल्स ऑफ डेस्टिनी टीवी पर टेलीकास्ट किया गया।इस दौरान इसके 267 एपिसोड आए थे। जिनमें देवयानी के संघर्ष से लेकर सफलता की रोचक कहानी को दर्शाया गया था। कैसे एक साधाहरण से महिला कारोबार की दुनिया में अपना नाम कमाती है, उसका सार इस धारावाहिक के स्टोरी कॉन्सेप्ट में साफ नजर आया था।आपको बता दें कि सिद्धार्थ सेन मल्होत्रा, अनुराग बसु, और तौलत सैयद जैसे निर्देशकों ने इस टीवी सीरियल को बनाया था, जबकि शो का स्क्रीनप्ले सचिन भौमिक, रफीक तालुकदार और नईम-एजाज द्वारा लिखी गई थी। आज भी करिश्मा कपूर के करिश्मा- द मिरेकल्स ऑफ डेस्टिनी को टीवी का कल्ट क्लासिक सीरियल माना जाता है।

राज काज

नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में उछाल, सरकारी खजाने में आए 13.38 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में 14 अक्टूबर तक भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह (नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन) 13.21 प्रतिशत बढ़कर 13.38 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। आयकर विभाग द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, कॉरपोरेट टैक्स, गैर-कॉरपोरेट टैक्स और सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) से प्राप्त राजस्व में वृद्धि के चलते यह बढ़ोतरी दर्ज की गई।

रिफंड को समायोजित करने से पहले सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 14.89 प्रतिशत बढ़कर 16.03 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 13.95 लाख करोड़ रुपये था। कहां से कितना टैक्स मिला? आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, आयकर विभाग द्वारा जारी किए गए रिफंड में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। रिफंड का आंकड़ा एक साल पहले के 2.13 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 24.22 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2.65 लाख करोड़ रुपये हो गया। 14 अक्टूबर तक, ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन सालाना आधार पर 14.9% बढ़कर 16.03 लाख करोड़ हो गया है। 14 अक्टूबर तक, नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन सालाना आधार पर 13.2% बढ़कर 13.37 लाख करोड़ हो गया है। 14 अक्टूबर तक, डायरेक्ट टैक्स रिफंड सालाना आधार पर 24.22% बढ़कर 2.65 लाख करोड़ हो गया है। 14 अक्टूबर तक, नेट कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन 20.6% बढ़कर 5.99 लाख करोड़ हो गया है। 14 अक्टूबर तक, STT कलेक्शन सालाना आधार पर 51.6% बढ़कर 46,840 करोड़ हो गया है। 1 अप्रैल से 14 अक्टूबर के बीच का डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन, FY27 के बजट लक्ष्य का 49.6% है। नेट नॉन-कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन 6.91 लाख करोड़ रुपये रहा, जो 5.8% की वृद्धि है। नेट कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन 5.99 लाख करोड़ रहा, जो 20.5% की वृद्धि है। इस दौरान शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह बढ़कर 5.99 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 4.97 लाख करोड़ रुपयेथा। वहीं, गैर-कॉरपोरेट करों से शुद्ध संग्रह, जिसमें व्यक्तियों और अन्य गैर-कॉरपोरेट इकाइयों द्वारा चुकाए गए कर शामिल हैं

दैनिक राशिफल शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026

मेष – व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा।

वृष – बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी।

मिथुन : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी।

कर्क – राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी।

सिंह– शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे।

कन्या – मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी।

तुला – यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढड्डे के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा।

वृश्चिक – मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा।

धनु – आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी।

मकर – परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा।

कुंभ – जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा।

मीन – लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी।

दैनिक पंचांग

16 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.08 बजे से
चंद्र	धनु में	वृश्चिक	08.22 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	10.38 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.44 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	14.30 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.03 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.33 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.14 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.12 बजे से
		कर्क	23.25 बजे से
		सिंह	01.41 बजे से
		कन्या	03.53 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 289 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 05.55 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 06.48 बजे को समाप्त।
योग शोभन 22.06 बजे को समाप्त।
करण कौलव 16.39 बजे तदनन्तर तैतिल 05.55 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 5.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 08° 49'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872864
जूलियन दिन 2461329.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल
तारीख 04 **विशेष** सरस्वती आवाहन, अकाल बोधन।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खतौली में नाले में फेंके जा रहे मुर्गों के अवशेष, दयालपुरम कॉलोनी गेट पर गंदगी का अंबार; दुर्गंध से लोग बेहाल

जीटी रोड किनारे सीमेंट के कट्टों में भरकर डाला जा रहा चिकन वेस्ट, नाला चोक होने से जलनिकासी प्रभावित; मच्छर-मक्खियों के पनपने से बीमारी फैलने का खतरा, स्थानीय लोगों ने कार्रवाई की मांग उठाई

खतौली। खतौली में जीटी रोड स्थित दयालपुरम कॉलोनी के गेट के पास नाले में मुर्गों के अवशेष फेंके जाने से गंदगी की गंभीर समस्या पैदा हो गई है। नाले में पंख, आंतें और अन्य अपशिष्ट जमा होने से आसपास के क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है। इससे स्थानीय निवासियों के साथ-साथ राहगीरों और आसपास के व्यापारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आसपास के कुछ चिकन विक्रेता सुबह के समय मुर्गों के अवशेष सीमेंट के कट्टों में भरकर नाले में डाल देते हैं। लगातार अवशेष फेंके जाने से नाला अवरुद्ध हो गया है और पानी की निकासी भी प्रभावित हो रही है। लोगों ने संबंधित अधिकारियों से नाले की सफाई कराने तथा गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दयालपुरम कॉलोनी गेट के पास जीटी रोड किनारे स्थित नाले में मुर्गों के पंख, आंतें और अन्य अपशिष्ट फेंके जा रहे हैं। आरोप है कि आसपास के चिकन विक्रेता इन अवशेषों को सीमेंट के कट्टों में भरकर नाले में डाल देते हैं। इसके चलते नाले में धीरे-धीरे गंदगी जमा होती जा रही है। लोगों का कहना है कि इस तरह खुले में अपशिष्ट डालने से न केवल सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि आसपास के वातावरण में भी दुर्गंध फैल रही है। नाले में बड़ी मात्रा में मुर्गों के अवशेष जमा होने से पानी की निकासी प्रभावित होने की शिकायत सामने आई है। नाले में कचरा



और अपशिष्ट जमा रहने के कारण पानी का बहाव बाधित हो रहा है। यदि समय रहते नाले की सफाई नहीं कराई गई और अवशेष डालने पर रोक नहीं लगी, तो समस्या और गंभीर हो सकती है। जीटी रोड जैसे व्यस्त मार्ग के किनारे गंदगी जमा होने से लोगों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। कई दिन पुराने अवशेषों में पड़े कीड़े, दुर्गंध से व्यापारी परेशान स्थानीय व्यापारी दानिश ने बताया कि नाले में पड़े मुर्गों के अवशेष कई दिन पुराने दिखाई दे रहे हैं। इनमें कीड़े पड़ गए हैं और आसपास तेज दुर्गंध फैल रही है। उनका कहना है कि इस स्थिति में वहां से गुजरना भी मुश्किल हो रहा है। दुकानदारों और राहगीरों को दिनभर बदबू का सामना करना पड़ता है।

स्थानीय लोगों ने चिंता जताई कि गंदगी लंबे समय तक जमा रहने से आसपास का वातावरण दूषित हो सकता है। नाले में जमा गंदगी और सड़ते हुए अवशेषों के कारण मच्छरों और मक्खियों के पनपने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे आसपास रहने वाले परिवारों और दुकानदारों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। दुर्गंध के साथ स्वच्छता संबंधी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। लोगों ने मांग की है कि नाले की तत्काल सफाई कराकर उसमें जमा अवशेषों को हटाया जाए, ताकि क्षेत्र में स्वच्छता बनी रहे और संभावित स्वास्थ्य जोखिमों को कम किया जा सके।

मुजफ्फरनगर बाईपास पर ट्रक की टक्कर से बिहार के युवक की मौत, दोस्त गंभीर घायल

मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को ट्रक ने मारी टक्कर, उपचार के दौरान संजीव रंजन ने तोड़ा दम; भाई की तहरीर पर 14 अक्टूबर को दर्ज हुआ मुकदमा

मुजफ्फरनगर। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में मुजफ्फरनगर बाईपास चौराहे के पास ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार बिहार निवासी युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा 8 अक्टूबर 2026 को हुआ था। दुर्घटना में घायल दोनों युवकों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान संजीव रंजन की मौत हो गई। उसके साथी अमंत राज को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घटना के संबंध में मृतक के भाई राहुल कुमार ने 14 अक्टूबर को थाना सिविल लाइन में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बाईपास चौराहे के पास हुआ हादसा

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना क्षेत्र के काटीं तिवारी टोला निवासी राहुल कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका भाई संजीव रंजन अपने दोस्त के साथ मोटरसाइकिल से जा रहा था। इसी दौरान 8 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर बाईपास चौराहे के पास एक ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक घायल हो गए। दुर्घटना के बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन संजीव रंजन की जान नहीं बच सकी। तहरीर के अनुसार, हादसे में घायल संजीव रंजन की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि उसका साथी अमंत राज घायल हो गया। अचानक हुए इस हादसे ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। मृतक का भाई राहुल कुमार बिहार के मुजफ्फरपुर जिले का निवासी है। भाई की मौत के बाद उसने मुजफ्फरनगर पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी देते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की।

ट्रक और मोटरसाइकिल के नंबर तहरीर में दर्ज राहुल कुमार की ओर से दी गई तहरीर में दुर्घटना में शामिल ट्रक का पंजीकरण नंबर UP 25 HT 3115 तथा मोटरसाइकिल का नंबर UP 14 HL 1335 दर्ज कराया गया है। प्रार्थी ने पुलिस से घटना की रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया। 14 अक्टूबर को दी गई तहरीर, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मृतक के भाई राहुल कुमार ने 14 अक्टूबर 2026 को थाना सिविल लाइन में लिखित शिकायत दी। पुलिस अभिलेख में दर्ज विवरण के अनुसार, थाने में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। अब मामले में दुर्घटना की परिस्थितियों और संबंधित वाहन की भूमिका के संबंध में पुलिस की कार्रवाई महत्वपूर्ण होगी। मुजफ्फरनगर बाईपास जैसे व्यस्त मार्गों पर भारी वाहनों की आवाजाही के बीच सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान जाना गंभीर चिंता का विषय है। इस हादसे में एक युवक की मौत और दूसरे के घायल होने से परिवारों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा।

मूसलाधार बारिश में जौली रोड की मरम्मत ! तारकोल मिली रोड़ी बिछाते पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों का वीडियो वायरल

सुबह 9:40 बजे बारिश के बीच सड़क पर चल रहा था पैचवर्क, मरम्मत की गुणवत्ता और विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, गड्ढे भरने के बाद फिर उखड़ जाती है सड़क

मुजफ्फरनगर। शहर की जर्जर सड़कों की मरम्मत और सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। गुरुवार को मूसलाधार बारिश के बीच जौली रोड पर तारकोल मिली रोड़ी बिछाते लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के कर्मचारियों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में बारिश के दौरान एक कर्मचारी सड़क पर तारकोल में लिपटी रोड़ी फैलाता दिखाई दे रहा है। सुबह करीब 9:40 बजे बनाए गए इस वीडियो के सामने आने के बाद सड़क की मरम्मत के तरीके, काम के समय और उसकी गुणवत्ता को लेकर चर्चा तेज हो गई है। लंबे समय से बदहाल जौली रोड पर हो रहे इस काम ने विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

आसमान से बरसता पानी, सड़क पर बिछाई जा रही तारकोल मिली रोड़ी

गुरुवार सुबह करीब 9:20 बजे से क्षेत्र में भारी बारिश शुरू हुई। इसी दौरान जौली रोड पर मरम्मत का काम किए जाने का वीडियो सामने आया। वीडियो में बारिश के बीच सड़क पर तारकोल मिली रोड़ी फैलाते कर्मचारी नजर आ रहे हैं। चारों तरफ बारिश होने के बावजूद सड़क पर पैचवर्क किए जाने का दृश्य देखकर लोग हैरान हैं। वीडियो वायरल होने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि जब सड़क पर लगातार बारिश का पानी बह रहा था, तब मरम्मत का काम किस आधार पर किया जा रहा था। सड़क निर्माण और मरम्मत में मौसम तथा सतह की स्थिति का विशेष महत्व होता है। ऐसे में बारिश के दौरान किए गए पैचवर्क की मजबूती और टिकाऊपन को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। हालांकि, मरम्मत में इस्तेमाल सामग्री की गुणवत्ता और कार्यस्थल की वास्तविक स्थिति की पुष्टि विभागीय जांच के बाद ही हो सकेगी।



लंबे समय से बदहाल है जौली रोड, भारी वाहनों का दबाव भी बड़ी वजह

जौली रोड की बदहाली कोई नई समस्या नहीं है। इस मार्ग पर औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े भारी वाहनों की लगातार आवाजाही बनी रहती है। भारी वाहनों के दबाव के कारण सड़क पर गड्ढे बनने और सतह उखड़ने की समस्या बढ़ती रहती है। स्थानीय स्तर पर सड़क की मरम्मत कराए जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। सड़क की खराब हालत के कारण वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों और अन्य राहगीरों के लिए जोखिम बढ़ सकता है। स्थानीय स्तर पर आरोप है कि पीडब्ल्यूडी की ओर से पहले भी दो बार सड़क के गड्ढे भरने का काम कराया गया था। लेकिन मरम्मत के कुछ समय बाद ही सड़क फिर से टूटने लगी और स्थिति पहले जैसी हो गई। लोगों का कहना है कि बार-बार गड्ढे भरने के बजाय सड़क की खराब हालत के स्थायी कारणों की जांच कराकर ठोस समाधान किया जाना चाहिए। यदि मरम्मत के बाद सड़क एक-दो महीने में ही दोबारा उखड़ने लगती है, तो इस्तेमाल की गई सामग्री, कार्य की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों और भारी वाहनों के दबाव जैसे पहलुओं की जांच जरूरी हो जाती है। हालांकि, पिछली मरम्मतों की गुणवत्ता और उनके दोबारा खराब होने के कारणों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध जानकारी से नहीं होती है। जौली रोड पर बारिश के दौरान किए जा रहे पैचवर्क का वीडियो सामने आने के बाद अब बहस केवल सड़क की बदहाली तक सीमित नहीं है। सवाल यह भी है कि मरम्मत के लिए उचित समय और परिस्थितियों का ध्यान रखा गया या नहीं। सड़क पर तारकोल मिली रोड़ी डालने से तत्काल गड्ढे भरते दिखाई दे सकते हैं, लेकिन यदि काम निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं हुआ, तो मरम्मत ज्यादा समय तक टिकेगी या नहीं, यह जांच का विषय है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए 17 और 24 अक्टूबर को लगेंगे विशेष शिविर

मुजफ्फरनगर के सभी मतदान केंद्रों पर सुबह 10 से शाम 4 बजे तक मौजूद रहेंगे बीएलओ, नए मतदाताओं और सूची में नाम दर्ज कराने से छूटे पात्र नागरिकों को मिलेगा मौका

मुजफ्फरनगर। मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित रह गए पात्र नागरिकों के लिए अच्छी खबर है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मुजफ्फरनगर जनपद के सभी मतदान केंद्रों पर 17 अक्टूबर और 24 अक्टूबर को विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं के साथ ही ऐसे पात्र नागरिकों के नाम भी मतदाता सूची में शामिल करने के लिए आवेदन लिए जाएंगे, जिनका नाम अभी तक सूची में दर्ज नहीं है। दोनों दिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने-अपने मतदान केंद्रों पर मौजूद रहेंगे। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी देश दीपक सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य जनपद की सभी विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों में प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम शामिल करना है। इसी के तहत 17 अक्टूबर, शनिवार और 24 अक्टूबर, शनिवार को सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।

पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं के नाम भी जुड़ेंगे

अभियान के दौरान पहली बार मतदाता बनने के पात्र युवाओं को विशेष रूप से नाम दर्ज कराने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा ऐसे नागरिक भी आवेदन कर सकेंगे, जो पात्र होने के बावजूद किसी कारण से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज नहीं करा पाए हैं। निर्वाचन विभाग का प्रयास है कि पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने की प्रक्रिया आसान बनाई जाए।

आवेदन के लिए साथ ले जाएं आवश्यक दस्तावेज

मतदाता सूची में नया नाम दर्ज कराने के इच्छुक नागरिकों को अपनी नवीनतम तस्वीर, जन्मतिथि और निवास से संबंधित दस्तावेजों की स्व-प्रमाणित छायाप्रतियां साथ लेकर संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचना होगा। यदि परिवार के किसी सदस्य का मतदाता पहचान पत्र नंबर उपलब्ध है, तो उसे भी साथ ले जा सकते हैं। शिविरों में बीएलओ के पास नाम दर्ज कराने के लिए पर्याप्त संख्या में फार्म-6 उपलब्ध रहेंगे। नागरिक बीएलओ से संपर्क कर आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, सभी मतदान केंद्रों पर तैनात बीएलओ के पास विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के तहत 10 अप्रैल 2026 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची और उसके बाद जारी की गई सभी पूरक सूचियां उपलब्ध रहेंगी। इनके माध्यम से नागरिक मतदाता सूची से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए नागरिकों को शिविर में पहुंचना अनिवार्य नहीं है। वे भारत निर्वाचन आयोग के ईसीआईनेट मोबाइल ऐप अथवा आधिकारिक मतदाता सेवा वेबसाइट के माध्यम से भी फार्म-6 भरकर आवेदन कर सकते हैं।

खतौली में पुलिस की दबिश, आर्म्स एक्ट और मारपीट के मामलों में दो वारंटी गिरफ्तार

एंटी रोमियो टीम ने शेखपुरा और रुकनपुर में कार्रवाई कर पकड़े दोनों आरोपी, आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय में किया पेश

खतौली। खतौली थाना क्षेत्र में पुलिस ने वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में शेखपुरा निवासी शाहिद और रुकनपुर निवासी नरेश शामिल हैं। शाहिद आर्म्स एक्ट के मामले में वारंटी था, जबकि नरेश के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और धमकी से संबंधित मामले में वारंट जारी था। पुलिस टीम ने दोनों को गिरफ्तार करने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की और न्यायालय में पेश कर दिया। पुलिस के अनुसार, वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए की गई कार्रवाई के दौरान उपनिरीक्षक अनिल कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दबिश दी। टीम में शामिल कांस्टेबल अजीत सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य न्यायालय से जारी वारंटों के अनुपालन को सुनिश्चित करना था।

आर्म्स एक्ट के मामले में शाहिद गिरफ्तार

पुलिस द्वारा गिरफ्तार शाहिद निवासी शेखपुरा थाना खतौली आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले में वारंटी था। मामले में



न्यायालय से वारंट जारी होने के बाद पुलिस उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी थी। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसके खिलाफ आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई।

मारपीट, गाली-गलौज और धमकी के मामले में नरेश पकड़ा

दूसरा गिरफ्तार आरोपी नरेश निवासी रुकनपुर है। पुलिस के अनुसार, नरेश मारपीट, गाली-गलौज और धमकी से संबंधित मामले में वांछित था और उसके खिलाफ वारंट जारी था। पुलिस टीम ने दबिश देकर उसे भी गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

महिला पुलिसकर्मी भी टीम में रहीं शामिल

वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए गठित पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अनिल कुमार, कांस्टेबल अजीत सिंह, महिला हेड कांस्टेबल रजनी, महिला कांस्टेबल कोमल तथा रिजर्व महिला कांस्टेबल पूजा और प्रिया शामिल रहीं। टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए दोनों वारंटियों को गिरफ्तार किया। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस द्वारा न्यायालय से जारी आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने की कार्रवाई की जा रही है।

खतौली के गांव सोमाली में पहुंची मेरठ की पशु चिकित्सा विशेषज्ञ टीम, 150 से अधिक पशुओं की जांच और उपचार

पशुओं में बांझपन और प्रजनन संबंधी समस्याओं का होगा समाधान, विशेषज्ञों ने पशुपालकों को दिए जरूरी सुझाव; संतुलित आहार, खनिज मिश्रण और समय पर टीकाकरण पर दिया जोर

मुजफ्फरनगर। पशुओं में बांझपन, प्रजनन संबंधी समस्याओं और दुग्ध उत्पादन में आ रही परेशानियों के समाधान के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ की पशु चिकित्सा विशेषज्ञ टीम ने खतौली क्षेत्र के ग्राम सोमाली पहुंचकर पशुपालकों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान कीं। विश्वविद्यालय की ओर से पशुपालन विभाग के सहयोग से गांव में निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 150 से अधिक पशुओं की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक उपचार किया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने पशुपालकों को पशुओं के स्वास्थ्य, प्रजनन क्षमता में सुधार, संतुलित पोषण और संक्रामक रोगों से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त के मार्गदर्शन तथा इफको के वित्तीय सहयोग से किया गया। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों को उनके द्वार पर ही विशेषज्ञ पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना और पशुओं में बांझपन सहित प्रजनन संबंधी समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर के परियोजना प्रभारी प्रो. अमित कुमार वर्मा ने पशुओं में बांझपन और प्रजनन संबंधी समस्याओं के विभिन्न कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अधिक दुग्ध उत्पादन करने वाले पशुओं में कभी-कभी मद चक्र अनियमित हो सकता है। इसके कारण कुछ पशु आठ से दस दिनों के अंतराल पर बार-बार गर्मी में आने लगते हैं। ऐसी स्थिति का एक संभावित कारण अंडाशय में सिस्ट यानी गांठ जैसी संरचना का बनना भी हो सकता है, जिसे ओवेरियन सिस्ट कहा जाता है। उन्होंने बताया कि पशुओं में बार-बार गर्मी के लक्षण दिखाई देना, समय पर गर्भधारण नहीं होना और प्रजनन चक्र में अनियमितता जैसी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।



ऐसी स्थिति में पशु चिकित्सक से जांच कराकर समस्या के वास्तविक कारण का पता लगाना जरूरी है। समय पर पहचान और उचित उपचार से पशुओं की प्रजनन क्षमता में सुधार लाने में मदद मिल सकती है। प्रो. वर्मा ने पशुपालकों को सलाह दी कि वे अपने पशुओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार उपलब्ध कराएं और नियमित रूप से गुणवत्तायुक्त खनिज मिश्रण दें। पशुओं के आहार में पोषक तत्वों की उचित मात्रा बनाए रखने से उनके समग्र स्वास्थ्य, प्रजनन क्षमता और दुग्ध उत्पादन को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। उन्होंने पशुपालकों से पशुओं की शारीरिक स्थिति और प्रजनन संबंधी व्यवहार पर नियमित निगरानी रखने की अपील भी की। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. जितेन्द्र गुप्ता ने पशुपालकों को खुरपका-मुंहपका रोग के प्रति सतर्क रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह पशुओं को प्रभावित करने वाला संक्रामक रोग है, जिससे पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए पशुओं का समय पर टीकाकरण कराना, उनके रहने के स्थान की साफ-सफाई बनाए रखना और बीमारी के शुरूआती लक्षणों पर ध्यान देना बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने पशुपालकों को सलाह दी कि पशुओं में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर घरेलू उपचार के भरोसे रहने के बजाय पशु चिकित्सक से संपर्क करें। रोग की समय रहते पहचान और उचित चिकित्सकीय देखभाल से संक्रमण के प्रसार को रोकने में मदद मिल सकती है।

पशुओं के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी और स्वच्छ वातावरण बनाए रखना भी पशुपालन को सुरक्षित एवं लाभकारी बनाने के लिए जरूरी है। पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजीव सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की पशु चिकित्सा विशेषज्ञ टीम निरंतर ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर पशुपालकों को आवश्यक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करा रही है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुपालन की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में पशुओं का स्वस्थ रहना, समय पर उपचार मिलना और प्रजनन संबंधी समस्याओं का समाधान होना पशुपालकों के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

खतौली बाईपास से बसें निकालने पर होगी कार्रवाई, कस्बे के अंदर से संचालन कराने का भरोसा

भाजपा जिला मंत्री ने क्षेत्रीय प्रबंधक से फोन पर उठाया यात्रियों की परेशानी का मुद्दा, नियमों के विरुद्ध बाईपास से गुजरने वाली बसों पर होगी कार्रवाई

खतौली। खतौली कस्बे के अंदर बसों के नहीं आने और बाईपास से होकर गुजरने के कारण यात्रियों को हो रही परेशानी का मुद्दा अब परिवहन विभाग तक पहुंच गया है। भाजपा जिला मंत्री अनुज सहरावत ने इस समस्या को लेकर क्षेत्रीय प्रबंधक योगेंद्र प्रताप सिंह से फोन पर वार्ता कर बसों का संचालन खतौली कस्बे के अंदर से कराने की मांग उठाई। इस पर क्षेत्रीय प्रबंधक ने भरोसा दिलाया कि नियमों के विरुद्ध बाईपास से गुजरने वाली बसों के मामले में कार्रवाई की जाएगी। साथ ही बसों को कस्बे के अंदर से संचालित कराने के लिए संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। खतौली में बसों के बाईपास से निकल जाने के कारण यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कस्बे के अंदर बसों के नहीं आने से यात्रियों को उतरने और आगे जाने के लिए अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ती है। खासकर उन लोगों को असुविधा होती है, जिन्हें कस्बे के भीतर पहुंचना होता है। बसों के निर्धारित मार्ग से नहीं गुजरने की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए भाजपा जिला मंत्री अनुज सहरावत ने परिवहन विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया। भाजपा जिला मंत्री अनुज सहरावत ने क्षेत्रीय प्रबंधक योगेंद्र प्रताप सिंह से बातचीत के दौरान कहा कि खतौली बाईपास से बसों के गुजरने और कस्बे के अंदर नहीं आने के कारण आम यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। बसों से यात्रा करने वाले लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती है। इससे उनका समय भी बर्बाद होता है और उन्हें अनावश्यक असुविधा का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन का उद्देश्य यात्रियों को सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराना है। ऐसे में यदि बसें कस्बे के अंदर आने के बजाय बाईपास से निकल जाती हैं, तो स्थानीय यात्रियों को परिवहन सुविधा का पूरा लाभ नहीं मिल पाता। उन्होंने इस समस्या का समाधान कराते हुए बसों का संचालन खतौली कस्बे के अंदर से सुनिश्चित कराने की मांग की। मामले में क्षेत्रीय प्रबंधक योगेंद्र प्रताप सिंह ने कार्रवाई का भरोसा देते हुए कहा कि नियमों के विरुद्ध बाईपास से गुजरने वाली बसों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

छपार टोल प्लाजा पर भाकियू अराजनैतिक का हल्लाबोल, बारिश में धरने पर बैठे किसान; टोल कराया फ्री

कर्मचारियों के कथित अभद्र व्यवहार और अवैध वसूली की शिकायतों पर भड़के किसान, टोल लेन पर दरी बिछाकर शुरू किया प्रदर्शन, प्रबंधन से नोकझोंक, मौके पर पहुंची पुलिस

मुजफ्फरनगर। दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे-58 स्थित छपार टोल प्लाजा पर कर्मचारियों के कथित तानाशाही रवैये और स्थानीय किसानों व राहगीरों के साथ दुर्व्यवहार के आरोपों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने मोर्चा खोल दिया। बृहस्पतिवार सुबह बारिश के बीच मंडल महासचिव विपिन त्यागी बरला के नेतृत्व में पहुंचे किसान संगठन के कार्यकर्ताओं ने टोल प्लाजा पर जमकर नारेबाजी की और टोल लेन पर दरी बिछाकर धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने टोल फ्री करा दिया, जिससे टोल प्रबंधन में हलचल मच गई। अचानक हुए विरोध प्रदर्शन के चलते टोल प्लाजा पर वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई। किसान संगठन का आरोप है कि छपार टोल प्लाजा पर तैनात कुछ कर्मचारी स्थानीय किसानों, ग्रामीणों और आम राहगीरों के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं। वाहन चालकों से कथित रूप से जबरन अवैध वसूली किए जाने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। किसान नेताओं का कहना है कि टोल कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को लेकर पहले भी टोल प्रबंधन के समक्ष शिकायतें उठाई गई थीं, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। इसी नाराजगी के चलते संगठन को धरना-प्रदर्शन का कदम उठाना पड़ा।

बारिश के बीच टोल लेन पर बिछाई दरी, नारेबाजी कर जताया विरोध

बृहस्पतिवार सुबह बारिश के दौरान भाकियू अराजनैतिक के कार्यकर्ता छपार टोल प्लाजा पहुंचे। मंडल महासचिव विपिन त्यागी बरला के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने टोल कर्मचारियों के



कथित व्यवहार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। इसके बाद किसानों ने टोल लेन पर दरी बिछाकर धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारी किसानों का कहना था कि स्थानीय लोगों को टोल प्लाजा पर सम्मानजनक व्यवहार और नियमानुसार सुविधा मिलनी चाहिए। किसानों ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों के रवैये के कारण ग्रामीणों और वाहन चालकों को बार-बार परेशानी का सामना करना पड़ता है। उनका कहना था कि शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। धरने के दौरान किसान कार्यकर्ताओं ने टोल फ्री करा दिया। इससे टोल प्लाजा की सामान्य व्यवस्था प्रभावित हुई और प्रबंधन के सामने स्थिति को संभालने की चुनौती खड़ी हो गई।

टोल प्रबंधन से हुई नोकझोंक, अपनी मांगों पर अड़े रहे किसान

धरने की जानकारी मिलने पर टोल प्लाजा के कर्मचारी और प्रबंधक मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे किसान कार्यकर्ताओं से बातचीत कर उन्हें समझाने और टोल लेन से हटाने का प्रयास किया। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच नोकझोंक हो गई। किसान कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों पर जोर देते हुए धरना जारी रखा। उनका कहना था कि केवल समझाने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि कर्मचारियों के व्यवहार और टोल संचालन से संबंधित शिकायतों पर ठोस कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रदर्शन के चलते टोल

मोरना में आंधी और मूसलाधार बारिश का कहर: पकी धान और गन्ने की फसलें जमीन पर बिछीं, किसान बदहाल

कटाई की दहलीज पर खड़ी फसलें तबाह, खेतों में जलभराव से सड़न का खतरा

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र में गुरुवार की दोपहर अचानक बदले मौसम के मिजाज ने किसानों की महीनों की कड़ी मेहनत पर पानी फेर दिया। तेज आंधी-तूफान के साथ हुई मूसलाधार बारिश से पूरे क्षेत्र में धान और गन्ने की खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। कटाई की कगार पर खड़ी पकी धान की फसलें जमीन पर आ गिरी हैं, जिससे क्षेत्र के किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें खींच गई हैं।

उत्पादन घटने की आशंका से किसान चिंतित

गुरुवार की सुबह से ही मौसम में आए बदलाव के बाद दोपहर में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। इस तेज आंधी के कारण खेतों में खड़ी धान की फसलें ढह गईं, वहीं गन्ने की फसलें भी जगह-जगह से टूटकर गिर गईं। छछरौली गांव निवासी किसान उदयवीर सिंह ने अपना दर्द साझा करते हुए बताया कि "धान की फसल पूरी तरह पककर तैयार थी और दो-चार दिनों में कटाई शुरू होनी थी। लेकिन अचानक आई आंधी-बारिश से फसल खेतों में बिछ गई है। अब मशीन से कटाई संभव नहीं होगी और मजदूरों से कटाई कराने में दोगुना खर्चा आएगा। साथ ही दाना काला पड़ने से उत्पादन में भी भारी गिरावट आएगी।

जलभराव से जड़ें सड़ने का बढ़ा खतरा

बारिश के बाद खेतों में जलभराव होने से किसानों की मुश्किलें और अधिक बढ़ गई हैं। किसान नेता मेघिन्द्र बालियान ने बताया कि धान के साथ-साथ गन्ने की फसल को भी भारी क्षति पहुंची है। यदि दो से तीन दिनों के भीतर खेतों में भरा पानी बाहर नहीं निकाला गया, तो



गन्ने की जड़ें सड़ने लगेंगी, जिससे फसल पूरी तरह बर्बाद हो जाएगी। सरकार और प्रशासन को अविलंब इस नुकसान का संज्ञान लेना चाहिए।

लेखपालों से सर्वे कराकर मुआवजा देने का आश्वासन

फसलों के व्यापक नुकसान को देखते हुए पीड़ित किसानों ने प्रशासन से राजस्व विभाग की टीम और क्षेत्र के लेखपालों को खेतों में भेजकर नुकसान का पारदर्शी आंकलन कराने की मांग उठाई है। इस संबंध में जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल ने बताया कि क्षेत्र में आंधी-बारिश से फसलों को हुए नुकसान की जानकारी मिली है। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता की जा रही है। जल्द ही लेखपालों के माध्यम से प्रभावित खेतों का सर्वे कराया जाएगा और पीड़ित किसानों को शासन से उचित मुआवजा दिलाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

शक्ति क्लब की रामलीला में केवट संवाद और दशरथ मोक्ष की लीला का भावपूर्ण मंचन

श्रीराम के वन गमन की झांकी ने मोहा मन, प्रभु की एक झलक पाने के लिए उमड़े श्रद्धालु

मुजफ्फरनगर। शक्ति क्लब रजिस्टर्ड, मुजफ्फरनगर द्वारा आयोजित श्री रामलीला महोत्सव में केवट संवाद, श्रवण लीला और राजा दशरथ मोक्ष के प्रसंगों का सुंदर एवं भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय से रामायण के इन महत्वपूर्ण प्रसंगों को जीवंत कर दिया। केवट और भगवान श्रीराम के संवाद ने श्रद्धालुओं को भक्ति भाव से भर दिया, वहीं पुत्र वियोग में राजा दशरथ के प्राण त्यागने के दृश्य ने दर्शकों को भावुक कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा नेता सर्वेश त्यागी उर्फ पिंटू त्यागी, रवि पाल और संजय पाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके उपरांत श्री गणेश वंदना, रामायण वंदना और श्री सियाराम जी की वंदना के साथ लीला का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम का स्मरण कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की।

श्रीराम, सीता और लक्ष्मण के वन गमन की निकली भव्य झांकी

रामलीला मंचन से पूर्व शहर के प्रमुख मार्गों से भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण जी के वन गमन की आकर्षक झांकी निकाली गई। झांकी को लेकर शहरवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। प्रभु श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के स्वरूपों की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालु मार्गों पर एकत्रित रहे। लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया और श्रद्धापूर्वक दर्शन किए। पूरी शोभायात्रा के दौरान धार्मिक वातावरण बना रहा।

झांकी के समापन के बाद सरवत मंदिर पर भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण जी के स्वरूपों के साथ क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई।



केवट संवाद ने दिया भक्ति और समर्पण का संदेश

आज की लीला का मुख्य आकर्षण केवट संवाद रहा। भगवान श्रीराम के वन गमन के दौरान गंगा पार जाने के प्रसंग में केवट और प्रभु श्रीराम के बीच हुए संवाद का कलाकारों ने अत्यंत भावपूर्ण मंचन किया। केवट की भक्ति, समर्पण और प्रभु के प्रति अटूट श्रद्धा को देखकर दर्शक भावविभोर हो उठे। इस प्रसंग ने संदेश दिया कि सच्ची भक्ति में पद, प्रतिष्ठा और धन का कोई महत्व नहीं होता, बल्कि निर्मल हृदय और समर्पण ही ईश्वर की कृपा प्राप्त करने का मार्ग हैं। इसके साथ ही श्रवण कुमार की लीला और राजा दशरथ के पुत्र वियोग के प्रसंग का मंचन भी किया गया। श्रवण लीला ने माता-पिता की सेवा और उनके प्रति कर्तव्य निभाने का संदेश दिया। वहीं भगवान श्रीराम के वन गमन से व्याकुल राजा दशरथ के प्राण त्यागने के दृश्य ने दर्शकों को भावुक कर दिया। कलाकारों ने संवादों और अभिनय के माध्यम से इन प्रसंगों की मार्मिकता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। रामलीला में भगवान श्रीराम की भूमिका सौरभ, लक्ष्मण की भूमिका वैभव, माता सीता की भूमिका इसम, राजा दशरथ की भूमिका नवनीत वर्मा, केवट की भूमिका अमरेश पांडे, निषादराज की भूमिका उज्ज्वल कश्यप, सुमंत की भूमिका संदीप जैन और बुजुर्ग दशरथ की भूमिका ओमपाल कश्यप ने निभाई। श्रवण कुमार के अभिनय में निशांत ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सभी कलाकारों ने अपने अभिनय से दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की।

क्लब पदाधिकारियों और सदस्यों का रहा विशेष सहयोग

रामलीला एवं झांकी की व्यवस्थाओं को सफल बनाने में क्लब अध्यक्ष पवन पाल, सचिव संजीव दीक्षित, कोषाध्यक्ष सरदार राजिंदर सिंह एडवोकेट, मीडिया प्रभारी नवनीत कौशिक, संयोजक नीरज शर्मा, सतेंद्र पंवार, अमरीश त्यागी, सुनील कपिल, उपाध्यक्ष रविकांत सभासद, अखिलेश पाल, नितिन, विजेंद्र पाल, उपसचिव राजीव अरोड़ा, नवनीत कौशिक, नितिन अरोड़ा और महीपाल का विशेष योगदान रहा।

इसके अलावा सदस्य हर्षित सिंघल, शुभम सैन, सुशील पाल, जॉनी पाल, राकेश पांचाल, शिवकुमार भाई जी, अक्षय पाल सहित अन्य सदस्यों ने भी आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया। शक्ति क्लब द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव धार्मिक आस्था के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों, माता-पिता के सम्मान, त्याग और समर्पण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बन रहा है। भावपूर्ण मंचन के बाद श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम के जयकारे लगाए और कलाकारों के अभिनय की सराहना की।

मुजफ्फरनगर के यूट्यूबर का शव पिरान कलियर के गेस्ट हाउस में मिला: आत्महत्या की आशंका से मचा हड़कंप, प्रेमिका को वीडियो कॉल पर दी थी सूचना

परिजनों के साथ मौके पर पहुँची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

मुजफ्फरनगर/रुड़की। धर्मनगरी हरिद्वार जिले के विश्वप्रसिद्ध पिरान कलियर क्षेत्र स्थित एक गेस्ट हाउस के कमरे में मुजफ्फरनगर निवासी एक चर्चित यूट्यूबर का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान मुजफ्फरनगर जिले के गांव निराना निवासी आतिफ के रूप में हुई है, जो इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर वीडियो बनाता था। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। प्रारंभिक पड़ताल में मामला प्रेम प्रसंग में अनबन के बाद आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस का कहना है कि मौत के असल कारणों का आधिकारिक खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल परिजनों की तहरीर और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

प्रेमिका से विवाद के बाद बुधवार रात पहुँचा था कलियर

प्राप्त विवरण के अनुसार, आतिफ मुजफ्फरनगर में एक किराये का कमरा लेकर रहता था। बताया जा रहा है कि वह एक युवती और उसके भाई के साथ सह-आवास (लिव-इन) में रह रहा था। बुधवार को किसी बात को लेकर युवती और आतिफ के बीच तीखी नोकझोंक हो गई थी। इस विवाद से नाराज होकर आतिफ बुधवार रात करीब 11 बजे पिरान कलियर पहुँचा और वहाँ एक स्थानीय गेस्ट हाउस में कमरा किराये पर ले लिया।

तड़के वीडियो कॉल पर दिखाया खौफनाक कदम

घटनाक्रम में सुबह उस वक्त नया मोड़ आया जब गुरुवार तड़के करीब



5 बजे युवती ने आतिफ के मोबाइल पर वीडियो कॉल की। बातचीत के दौरान ही आतिफ ने कथित तौर पर पंखे से फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त करने की बात कही। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए युवती ने तुरंत दूसरे मोबाइल फोन से आतिफ के भाई को वीडियो कॉल जोड़कर पूरी घटना दिखाई और उसका स्क्रीनशॉट लेकर परिजनों को भेजा। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक, पिरान कलियर कमल मोहन भंडारी के अनुसार गेस्ट हाउस के कमरे में पंखे से शव लटका मिलने की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची थी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों से मिली जानकारी के आधार पर पूरे मामले की बारीकी से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।"

लोकेशन के आधार पर पहुँची पुलिस

घटना की जानकारी मिलते ही आतिफ के स्तब्ध परिजन तुरंत पिरान कलियर कोतवाली पहुँचे और पुलिस अधिकारियों को पूरे मामले व आतिफ की अंतिम लोकेशन से अवगत कराया।

परिजनों के साथ जब पुलिस टीम गेस्ट हाउस के संबंधित कमरे में पहुँची, तो अंदर का दृश्य देख सभी के होश उड़ गए। आतिफ का शव कमरे में लगे पंखे के सहारे फंदे से लटका हुआ था। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं और मोबाइल फोन को भी जांच के लिए कब्जे में ले लिया है। पुलिस अब युवती, उसके भाई और परिजनों के बयान दर्ज कर घटना के पीछे के वास्तविक कारणों की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है।

खतौली में मारपीट के विवाद में नया मोड़: पुलिस पर 30 हजार मांगने का आरोप, शाहिद उर्फ बबलू के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दोनों पक्षों की ओर से शिकायतें से बढ़ा टकराव:एक पक्ष ने मारपीट और तोड़फोड़, तो दूसरे पक्ष ने पुलिसकर्मियों पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

खतौली (मुजफ्फरनगर)। कोतवाली खतौली क्षेत्र के ग्राम मोहिउद्दीनपुर में मामूली कहासुनी और मारपीट को लेकर शुरू हुआ विवाद अब तूल पकड़ चुका है। इस मामले में एक तरफ जहाँ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है, वहीं दूसरी ओर आरोपी पक्ष के शाहिद उर्फ बबलू ने स्थानीय पुलिस चौकी के दरोगा और सिपाही पर 30 हजार रुपये की रंगदारी मांगने और रुपये न देने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की गंभीर धमकी देने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। पुलिसकर्मियों पर आरोप लगाने वाले इसी शाहिद उर्फ बबलू के विरुद्ध अब कोतवाली में मुकदमा दर्ज होने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक पक्ष के वादी फरमान पुत्र मुस्तकीम (निवासी मोहल्ला इस्लामनगर, जो कि स्टील का काम करने वाला ठेकेदार है) ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि 12 अक्टूबर को वह अपनी बाइक से मोहिउद्दीनपुर निवासी फैसल और सलमान को लेने गया था। आरोप है कि



दोनों युवक उससे बाइक मांगने लगे और मना करने पर वे अपने घर चले गए, जिसके बाद उन्होंने कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की और उसकी बाइक को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। वादी फरमान का आरोप है कि जब उसने इसकी सूचना अपने भाई फुरकान को दी, तो वह अपने भाई और गुलजार को लेकर मौके पर पहुँचा। वहाँ सलमान, उसके पिता शाहिद उर्फ बबलू और फैसल ने मिलकर उनके साथ लाठी-डंडों से मारपीट की और उन्हें घायल कर दिया। इस तहरीर के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं 115(2), 352, 351(2), 324(4), और 131 के तहत शाहिद उर्फ बबलू व उसके पुत्रों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दूसरे पक्ष के आरोपः चौकी प्रभारी और सिपाही पर 30 हजार मांगने का दावा

विवाद के दूसरे पक्ष की ओर से शाहिद उर्फ बबलू ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जाँच कराए जाने की माँग की है। परचून की दुकान चलाने वाले शाहिद का कहना है कि मजदूरी के पैसों को लेकर फैसल और ठेकेदार फरमान के बीच विवाद हुआ था और बीच-बचाव करने पर उसके साथ भी धक्का-मुक्की की गई थी। शाहिद का मुख्य आरोप है कि जब वह अपनी शिकायत लेकर पुलिस चौकी पहुँचा, तो वहाँ तैनात चौकी प्रभारी (दरोगा) ने कथित तौर पर उससे 30 हजार रुपये की माँग की। उसका यह भी आरोप है कि रुपये न देने पर उसे शांति भंग में चालान करने और गंभीर झूठे मुकदमे में जेल भेजने की धमकी दी गई। इसके अलावा, उसने लगभग तीन-चार महीने पुराने एक अन्य मामले में भी 35 हजार रुपये लिए जाने के आरोपों को उठाते हुए उच्चस्तरीय जाँच की माँग की है।

पुलिस के अनुसार इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से शिकायतें प्राप्त हुई हैं। एक पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, जबकि दूसरे पक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों की भी गहनता से जाँच कराई जा रही है। सीओ रुपाली रॉय चौधरी को मामले की निष्पक्ष जाँच के निर्देश दिए गए हैं, और तथ्यों के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे घटनाक्रम के बाद से स्थानीय स्तर पर हड़कंप मचा हुआ है। मारपीट के विवाद के साथ-साथ पुलिसकर्मियों पर लगे कथित भ्रष्टाचार और धमकी के आरोपों ने मामले को तूल दे दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस प्रकरण की सीओ रुपाली रॉय चौधरी द्वारा जाँच की जा रही है।

खतौली के जैन इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति: छात्राओं को किया साइबर अपराधों के प्रति जागरूक

साइबर सुरक्षा, महिला अपराधों से बचाव और हेल्पलाइन नंबरों की दी गई विस्तृत जानकारी

खतौली (मुजफ्फरनगर)। प्रदेश सरकार एवं पुलिस प्रशासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे ह्यमिशन शक्ति फेज-6.0ह्ल अभियान के अंतर्गत गुरुवार को खतौली के प्रतिष्ठित के.के. जैन इंटर कॉलेज में एक भव्य साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में थाना खतौली की भूड़ चौकी के प्रभारी पुलिसकर्मियों, साइबर सेल की टीम तथा एंटी रोमियो एवं मिशन शक्ति टीम ने संयुक्त रूप से भाग लिया और छात्राओं को आधुनिक युग में बढ़ रहे साइबर अपराधों तथा महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

प्रोजेक्टर के माध्यम से दी गई डिजिटल सुरक्षा की सीख

कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जागरूकता वीडियो को प्रोजेक्टर के माध्यम से बड़ी स्क्रीन पर छात्राओं को दिखाया गया। इन वीडियो के जरिए छात्राओं को डिजिटल दुनिया की बारीकियों, साइबर सुरक्षा के पुख्ता



उपायों, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी से बचने के तरीकों, सोशल मीडिया का सुरक्षित इस्तेमाल करने तथा छेड़छाड़ व अन्य महिला संबंधी अपराधों से बचाव के व्यावहारिक तौर-तरीके सिखाए गए। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को प्रेरित किया कि किसी भी अप्रिय या संदिग्ध परिस्थिति में वे घबराएं नहीं, बल्कि सूझबूझ से काम लेते हुए तुरंत पुलिस से संपर्क करें और समय रहते अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की दी गई जानकारी

कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने छात्राओं को विभिन्न आपातकालीन एवं सहायता नंबरों से अवगत कराया ताकि जरूरत पड़ने पर वे तुरंत मदद प्राप्त कर सकें: 1930: साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की ऑनलाइन शिकायत के लिए।

1090: महिला सुरक्षा एवं सहायता हेतु ह्यवूमेन पावर लाइन।

181: महिला कल्याण एवं सहायता के लिए ह्यमहिला हेल्पलाइनह्ल।

112: किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत पुलिस सहायता के लिए।

1098: बच्चों की सुरक्षा और सहायता से जुड़ी चाइल्ड हेल्पलाइन।

ये भी दी जानकारी

पुलिस टीम ने इस मौके पर इंटरनेट और सोशल मीडिया का उपयोग आज के समय में अनिवार्य हो गया है, लेकिन इसके साथ सावधानी बरतना भी उतना ही जरूरी है। छात्राएं किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड या बैंक विवरण साझा न करें।

किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी या उत्पीड़न की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें।

नारी सुरक्षा और स्वावलंबन का संदेश

पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे इंटरनेट का प्रयोग सतर्कता के साथ करें और किसी भी प्रकार के भय के बिना समाज में आगे बढ़ें। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना और उन्हें एक सुरक्षित व भयमुक्त शैक्षणिक वातावरण प्रदान करना था। नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन के पावन संदेश के साथ संपन्न हुए इस कार्यक्रम ने छात्राओं को सतर्क रहने, डिजिटल सुरक्षा अपनाने और किसी भी प्रकार के अन्याय या अपराध के विरुद्ध खुलकर आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज प्रबंधन ने भी पुलिस टीम के इस प्रयास की सराहना करते हुए भविष्य में ऐसे और भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराने की बात कही।

वकील के घर में घुसकर लाठी-डंडों से हमला, तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज

पहले रास्ते में गाली-गलौज कर की मारपीट, फिर परिवार के दो अन्य सदस्यों के साथ घर में घुसकर अधिवक्ता को पीटा; परिजनों ने बचाने का प्रयास किया तो उन पर भी किया हमला

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना थाना क्षेत्र के गांव कमरूदीननगर में रंजिश या विवाद के चलते एक अधिवक्ता के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के ही एक व्यक्ति ने पहले अधिवक्ता के साथ घर के बाहर गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। इसके कुछ देर बाद वह अपने परिवार के दो अन्य सदस्यों के साथ लाठी-डंडे लेकर अधिवक्ता के घर में घुस आया और उन पर हमला कर दिया। मारपीट में अधिवक्ता को चोटें आईं। उन्हें बचाने के लिए आगे आए परिजनों के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। पीड़ित की तहरीर पर बुढ़ाना पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव कमरूदीननगर निवासी सोमकुमार पेशे से अधिवक्ता हैं। पुलिस को दी गई तहरीर में उन्होंने बताया कि रात करीब आठ बजे वह अपने घर के बाहर खड़े थे। इसी दौरान गांव का अजयपाल पुत्र सीताराम वहां पहुंचा और उनके साथ गाली-गलौज करने लगा। सोमकुमार ने उसे गाली देने से मना करते हुए वहां से चले जाने के लिए कहा, लेकिन आरोप है कि अजयपाल ने उनकी बात नहीं मानी और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान आरोपी



ने उनकी गर्दन पकड़ ली। शोर मचाने पर आसपास के कुछ लोग मौके पर पहुंच गए, जिन्हें देखकर आरोपी वहां से चला गया। अधिवक्ता का आरोप है कि पहली घटना के कुछ देर बाद अजयपाल अपने परिवार के कमलनैन और मोहित, दोनों पुत्र सीताराम, के साथ उनके घर पहुंचा। उस समय सोमकुमार अपने घर के अंदर बैठे हुए थे। आरोप है कि तीनों अचानक घर में घुस आए और उनके हाथों में लाठी-डंडे थे। इसके बाद आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया और लाठी-डंडों से मारपीट की, जिससे उनके शरीर पर चोटें आईं। तहरीर के मुताबिक, सोमकुमार को पिटता देखकर उनके परिवार के सदस्य बीच-बचाव करने पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। घटना के दौरान शोर-शराबा सुनकर आसपास के काफी लोग एकत्र हो गए। इसके बाद तीनों आरोपी गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर मौके से चले गए। घटना के बाद सोमकुमार ने बुढ़ाना थाने पहुंचकर पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस को दी गई शिकायत में उन्होंने अजयपाल, कमलनैन और मोहित को नामजद करते हुए घर में घुसकर मारपीट करने, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में पुलिस की आगे की कार्रवाई और जांच के आधार पर घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की स्थिति स्पष्ट होगी।

शताब्दी वर्ष में स्वर्ण रथ पर निकले प्रभु श्रीराम, भव्य बारात से भक्तिमय हुई नई मंडी

श्री रामलीला कमेटी नई मंडी के 100वें वर्ष के महोत्सव में उमड़ा श्रद्धा और उल्लास का सैलाब, जगह-जगह हुई पुष्पवर्षा और आरती आकर्षक झांकियों, बैंड-बाजों और भजनों ने बांधा समां, जय श्रीराम के जयघोष से गूंजे बाजार

मुजफ्फरनगर। श्री रामलीला कमेटी नई मंडी के शताब्दी वर्ष यानी 100वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित श्री रामलीला महोत्सव के अंतर्गत भव्य श्रीराम बारात धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। सीता स्वयंवर की मनोहारी लीला के सफल मंचन के बाद निकली प्रभु श्रीराम की भव्य बारात ने पूरे नई मंडी क्षेत्र को भक्तिमय कर दिया। मुख्य बाजारों से होकर निकली शोभायात्रा में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर बारात का स्वागत किया गया और भक्तों ने भगवान श्रीराम सहित चारों भाइयों की आरती उतारकर सुख-समृद्धि की कामना की।

स्वर्ण रथ पर विराजमान हुए प्रभु श्रीराम और चारों भाई

श्रीराम बारात का मुख्य आकर्षण स्वर्ण रथ पर विराजमान भगवान श्रीराम और उनके तीनों भाइयों लक्ष्मण, भरत एवं शत्रुघ्न के दिव्य



स्वरूप रहे। सुसज्जित रथ पर विराजमान भगवान के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जैसे ही बारात नई मंडी के प्रमुख बाजारों से गुजरी, वातावरण जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने अपने प्रतिष्ठानों और घरों के बाहर खड़े होकर बारात का स्वागत किया। अनेक स्थानों पर भगवान के स्वरूपों की आरती उतारी गई और पुष्पवर्षा कर अपनी श्रद्धा प्रकट की गई।

शताब्दी वर्ष में आयोजित इस भव्य आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। लोगों ने भगवान श्रीराम के आदर्शों का स्मरण करते हुए परिवार और समाज में सुख, शांति, समृद्धि तथा सद्भाव की कामना की। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों सहित सभी वर्गों के लोगों ने उत्सव में भाग लेकर धार्मिक उल्लास को और बढ़ा दिया।

आकर्षक झांकियों ने मोहा मन, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

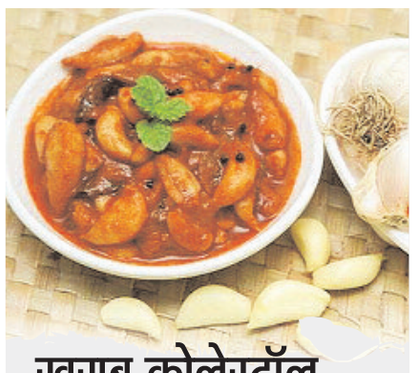
भव्य श्रीराम बारात में शामिल आकर्षक और जीवंत धार्मिक झांकियां शोभायात्रा की विशेष पहचान बनी रहीं। झांकियों के माध्यम से धार्मिक और सांस्कृतिक संदेश प्रस्तुत किए गए, जिन्हें देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। नामचीन बैंड-बाजों की मधुर धुनों और भक्तिमय भजनों ने शोभायात्रा के वातावरण को और अधिक आकर्षक बना दिया। भजनों की धुन पर श्रद्धालु झूमते और नृत्य करते नजर आए।

पूरी नई मंडी नगरी धर्म और भक्ति के रंग में सराबोर दिखाई दी। बाजारों में जगह-जगह लोगों की भीड़ जुटी रही और देर रात तक उत्सव जैसा माहौल बना रहा। शताब्दी वर्ष के इस आयोजन ने नई मंडी की धार्मिक परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता की सुंदर झलक प्रस्तुत की।

कमेटी पदाधिकारियों और सदस्यों ने संभाली व्यवस्थाएं

श्रीराम बारात के सफल आयोजन में श्री रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों और सदस्यों का विशेष योगदान रहा। कमेटी अध्यक्ष संजय मित्तल, मंत्री अशोक गर्ग, कोषाध्यक्ष आदित्य भरतिया, राजीव अग्रवाल, अभिषेक कुच्छल, विदित गुप्ता, उपेंद्र मित्तल, प्रवीण कुमार एडवोकेट, विवेक बंसल, राजेश गोयल, विवेक गर्ग और श्याम सुंदर सहित अन्य सदस्यों ने व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में सहयोग किया।

कमेटी के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित श्रीराम बारात ने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के आदर्शों, मयार्दा, त्याग और पारिवारिक प्रेम का संदेश दिया। भव्य आयोजन के माध्यम से धार्मिक आस्था के साथ-साथ आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का संकल्प भी दिखाई दिया।



खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करता है लहसुन, डाइट में करें शामिल

भारतीय रसोई में खाने बनाने में लहसुन का खासतौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एंटी-सेप्टिक, एंटी-आक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल, एंटी-फंगल व औषधीय गुण होते हैं। इसका कच्चा सेवन करने से इम्यूनिटी बूस्ट होने के साथ बीमारियों से बचाव रहता है। आयुर्वेद में भी लहसुन का इस्तेमाल कई बीमारियों के इलाज में होता है। आप इसे सब्जी में मिलाकर या कच्चा खाने की जगह पर इसका अचार बनाकर डेली डाइट में शामिल कर सकती है। चलिए जानते हैं लहसुन का अचार खाने के फायदे.

कोलेस्ट्रॉल करें कम

एक्सपर्ट्स के अनुसार, लहसुन में मौजूद औषधीय गुण शरीर से खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करता है। ऐसे में दिल स्वस्थ रहता है।

कैंसर का खतरा करें कम

लहसुन में ऑर्गेनो-सल्फर सेरेब्रम होता है। यह ट्यूमर में जोखिम भरी कोशिकाओं में से एक को नष्ट करने मे मददगार होता है। इसके सेवन से प्रोस्टेट और ब्रेस्ट कैंसर से बचाव रहता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, इसकी तेज गंध कैंसर और दिल संबंधी रोगों के लिए सुरक्षा कवच की तरह काम करती है।

फेफड़े का बेहतर विकास

एक्सपर्ट्स के अनुसार, हर हफ्ते कच्ची लहसुन खाने से फेफड़ों का बेहतर विकास होता है। वहीं लोग इसे कच्चा नहीं खाना पसंद करते वे लहसुन का अचार खा सकते हैं। अध्ययनों के मुताबिक फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए लहसुन एक रसायन-निवारक विशेषज्ञ की तरह काम कर सकता है।

पेट संबंधी समस्याओं से राहत

लहसुन पोषक तत्व, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल व औषधीय गुणों से भरपूर होता है। आयुर्वेद के अनुसार, लहसुन खाने से अपच, गैस, एसिडिटी, कब्ज, पेट में जलन आदि पेट संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। आप इसे कच्चा खाने की जगह पर इसका अचार बना कर खा सकती है।

आंखों की सेहत रखें दुरुस्त

लहसुन इम्यूनिटी बूस्ट करने के साथ आंखों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। लहसुन के अचार में बीटा कैरोटीन अधिक होने से आंखों से जुड़ी समस्याओं से बचाव रहता है।

जोड़ों के दर्द में राहत

लहसुन खाने से जोड़ों के दर्द से भी राहत मिलती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, लहसुन में मौजूद पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण जोड़ों के दर्द फायदेमंद माने जाते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से जोड़ों में दर्द, सूजन की से बचाव रहता है। इसके लिए आप कच्चा लहसुन, नमकीन लहसुन या इसका अचार खा सकती है।

सर्दी, खांसी व मौसमी बीमारियों से दिलाएं आराम

सर्दी, खांसी, जुकाम व अन्य मौसमी बीमारियों की चपेट में आने का खतरा अधिक रहता है। ऐसे में इस दौरान एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल व औषधीय से भरपूर लहसुन का अचार खाना फायदेमंद माना जाता है। वही दुनियाभर में फैले कोरोना वायरस से बचने व इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए लहसुन का अचार खाना बेहद फायदेमंद माना गया है।



बढ़ते प्रदूषण, गलत खानपान व स्किन केयर में लापरवाही बरतने से होती है स्किन एलर्जी

बढ़ते प्रदूषण, गलत खानपान व स्किन केयर में लापरवाही बरतने से स्किन एलर्जी होने लगती है। इसके कारण त्वचा में खुजली, दाने, जलन, रैशेज की समस्या का सामना करना पड़ता है। कई बार तो दर्द का भी सामना करना पड़ता है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, कई बार तो यह एलर्जी कुछ दिनों में ठीक हो जाती है। मगर कई मामलों में यह गंभीर रूप ले लेती है। ऐसे में किसी स्किन एक्सपर्ट्स से सलाह लेने में ही भलाई है। मगर लाइट एलर्जी को कुछ देसी उपायों द्वारा दूर किया जा सकता है।

एलोवेरा जेल

स्किन एलर्जी होने पर जलन, खुजली, रैशेज, दर्द आदि होने लगता है। आप इन समस्याओं से बचने के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल कर सकती है। एलोवेरा में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल, एंटी-वायरल गुण होते हैं। यह स्किन को गहराई से पोषित करके इससे जुड़ी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है। इसके साथ ही त्वचा की रंगत निखरी व जवां नजर आती है। आप दिनभर में कभी भी एलोवेरा जेल से चेहरे व एलर्जी वाली जगह पर मसाज कर सकती है। सोने से पहले इसे लगाने बेस्ट माना जाता है।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री ऑयल स्किन के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसे लगाने से पिंपल्स, दाग, धब्बे, झाइयां, झुर्रियां आदि की समस्या से छुटकारा मिलता है। इसके साथ ही यह त्वचा को कोमलता से पोषित करके स्किन संबंधी समस्याओं से राहत दिलाता है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल, एंटी-इंफ्लेमेट्री और एंटी-माइक्रोबियल तत्व एलर्जी की परेशानी को कम करते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, स्किन में जलन, खुजली, रेडनेस आदि एलर्जी होने पर टी ट्री ऑयल लगाना फायदेमंद माना जाता है। इसके लिए कॉटन में टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदें लेकर प्रभावित जगह पर लगाएं।

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर खाने के साथ स्किन के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह एक बेहतर स्किन केयर एजेंट की तरह काम करता है। इसमें मौजूद एसिटिक एसिड स्किन एलर्जी को दूर करने में कारगर होता है। स्किन में जलन, रैशेज, खुजली आदि होने पर आप एप्पल साइडर विनेगर यूज कर सकती है। इसके लिए एक कप गुनगुने पानी में 1 बड़ा चम्मच सेब का सिरका मिलाएं। तैयार मिश्रण को प्रभावित जगह पर कॉटन की मदद से लगाकर सूखने दें। बाद में ठंडे पानी से साफ करके सूखा लें। ऐसा कुछ दिनों तक करने से एलर्जी की परेशानी दूर हो जाएगी। मगर सेंसिटिव स्किन वालों को इसके इस्तेमाल से बचना चाहिए।



ब्लड प्रेशर लो हो जाने पर खानी चाहिए ये चीजें, जल्द मिलेगा आराम

लो ब्लड प्रेशर एक ऐसी स्थिति है जब व्यक्ति के रक्तचाप के स्तर में अचानक से कमी आ जाती है। वैसे तो यह बहुत आम समस्या बन गई है लेकिन इसे अनदेखा नहीं करना चाहिए।

इस स्थिति में शरीर के सभी अंगों में ब्लड सप्लाई कम हो जाती है जो कि सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। ऐसे में कई बार चक्कर आना, झुंझलाहट होना, आंखों के सामने धुंधलापन, मितली, कमजोरी और थकान महसूस होने लगती है। खराब दिनचर्या और खान-पान में लापरवाही की वजह से भी लो ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इसके लिए आपको अपने आहार में हेल्दी और पौष्टिक चीजें शामिल करनी चाहिए।

अंडा - वैसे तो अंडा शरीर की बहुत सी समस्याएं दूर कर सकता है लेकिन हाइपोटेंशन यानी लो बीपी के मरीजों के लिए यह सबसे अच्छा आहार माना जाता है। इसमें मौजूद विटामिन बी-12 रेड ब्लड सेल्स का उत्पादन बढ़ाता है।

डार्क चॉकलेट - डार्क चॉकलेट खाना भी इस समस्या से राहत दिला सकती है। डार्क चॉकलेट में ऐसे गुण भी पाए जाते हैं जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर उसे सामान्य बनाने में मदद करती है।

अंगूर - अंगूर का जूस हाइपोटेंशन के लक्षणों का इलाज करने में बहुत असरदार है। बीपी लो होने पर यदि अंगूर या अंगूर का रस दिया जाए तो आराम मिलता है। अंगूर के रस में पाया जाने वाला पोटेशियम ब्लड वैसल्स वॉल को आराम देकर रक्तचाप को कम करने में मदद करता है।

पनीर - लो बीपी की समस्या होने पर पनीर खाना बेहद फायदेमंद होता है। लो बीपी होने पर अक्सर अधिक नमक वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी जाती है। ऐसे में आप पनीर पर चाट मसाला या फिर हल्का नमक डालकर खा सकते हैं। इससे आपके शरीर को ताकत भी मिलेगी और लो बीपी की समस्या में भी राहत मिलेगी।

कॉफी - लो बीपी को मेंटेन करने के लिए कैफीन को सबसे फायदेमंद माना गया है। यदि अचानक से बीपी लो हो जाए तो मरीज को कॉफी देने के कुछ सेकंड बाद ही वह एक्टिव हो जाता है। खासतौर से अगर ब्लैक कॉफी उपलब्ध है तो यह बेहद फायदेमंद होती है। यह आपकी हार्ट रेट को बढ़ाएगी जिससे ब्लड प्रेशर भी सामान्य हो जाएगा।

छाछ - लो ब्लड प्रेशर के मरीज को सुबह के नाश्ते या उसके बाद छाछ का सेवन करना चाहिए। छाछ में नमक, भुना हुआ जीरा और हींग मिलाकर पिएं, इससे बीपी नियंत्रित रहेगा।

नींबू पानी - लो ब्लड प्रेशर की समस्या में नींबू पानी में थोड़ा ज्यादा नमक डालकर पीना बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। नमक ब्लड प्रेशर को बढ़ाता है जिससे लो बीपी सामान्य स्थिति में आ जाता है।



हर मौसम में लाभदायक है विटामिन-सी से भरपूर आंवला

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है,लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए -

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।



ओमेगा-3 के लिए अपनी डाइट में शामिल करें ये फूड

शरीर में ओमेगा-3 की कमी से आपको थकान, याददाश्त कमजोर होना, ड्राई स्किन, दिल के रोग, मूड स्विंग, तनाव, ब्लड सर्कुलेशन का बिगड़ना जैसे गंभीर लक्षण महसूस हो सकते हैं। ओमेगा-3 सबसे बढ़िया स्रोत मछली को माना जाता है। अगर आप मछली नहीं खाते हैं, तो नीचे बताए प्लांट बेस्ड फूड को अपनी डाइट में शामिल करें।

प्रोटीन, कैल्शियम और आयरन की तरह ओमेगा-3 फैटी एसिड भी एक ऐसा पोषक तत्व है, जो शरीर और दिमाग के बेहतर कामकाज के लिए बहुत जरूरी है। ओमेगा 3 फैटी एसिड क्यों जरूरी है? एक्सपर्ट्स मानते हैं कि शरीर में इसकी कमी से त्वचा ड्राई हो सकती है, आप तनाव की चपेट में आ सकते हैं, आंखें ड्राई हो सकती हैं, जोड़ों में दर्द और अकड़न आ सकती है, बाल कमजोर और बेजान हो सकते हैं।

शरीर में ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी के लक्षण?

शरीर में इस पोषक तत्व की कमी से आपको थकान, याददाश्त कमजोर होना, ड्राई स्किन, दिल के रोग, मूड स्विंग, तनाव, ब्लड सर्कुलेशन का बिगड़ना जैसे गंभीर लक्षण महसूस हो सकते हैं।

शरीर को रोजाना कितने ओमेगा-3 फैटी एसिड की जरूरत होती है?

ऐसा माना जाता है कि एक स्वस्थ व्यक्ति को रोजाना कम से कम 250-500 मिलीग्राम ओमेगा-3 फैटी एसिड लेना चाहिए।

क्या खाएं?

ओमेगा-3 सबसे बढ़िया स्रोत मछली को माना जाता है। लेकिन समस्या यह है कि बहुत से लोग मछली नहीं खाते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट एंड डाइटीशियन बता रही हैं कि मछली के अलावा किन-किन चीजों में ओमेगा-3 पाया जाता है।

अलसी के बीज

ये छोटे भूरे या पीले बीज ओमेगा-3 का खजाना हैं। आप ओमेगा-3 की कमी पूरी करने के लिए इसका तेल इस्तेमाल कर सकते हैं। अलसी फाइबर, मैग्नीशियम और अन्य पोषक तत्वों का भी अच्छा स्रोत हैं। चम्मच (10.3 ग्राम) अलसी के बीज में 2,350 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

चिया के बीज

चिया के बीजहर तरह से पौष्टिक होते हैं. इनमें ओमेगा-3 के अलावा मैंगनीज, सेलेनियम, मैग्नीशियम और कुछ अन्य पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। 1-औंस (28-ग्राम) चिया सीड्स में 5 ग्राम प्रोटीन होता है, जिसमें सभी आठ आवश्यक अमीनो एसिड शामिल हैं। इतनी ही मात्रा में 5,050 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

अखरोट

अखरोट बहुत पौष्टिक होते हैं और फाइबर से भरपूर होते हैं। इसमें हाई मात्रा में तांबा, मैंगनीज और विटामिन ई जैसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। अखरोट के फिनोल एंटीऑक्सिडेंट गुण कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। 28 ग्राम या लगभग 14 अखरोट में 2,570 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

धनुष यज्ञ और परशुराम-लक्ष्मण संवाद ने मोहा मन, जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजा महर्षि नगर



नोएडा। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर नोएडा के सेक्टर-110 स्थित महर्षि नगर में आयोजित दुर्गा पूजा एवं श्रीरामलीला महोत्सव के दौरान बुधवार को भगवान श्रीराम और माता सीता के विवाह से जुड़े प्रसंगों का भव्य एवं मनोहारी मंचन किया गया। धनुष यज्ञ, परशुराम-लक्ष्मण संवाद और स्वयंवर में पधारे राजाओं के स्वागत-सत्कार के दृश्यों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। विशेष रूप से परशुराम और लक्ष्मण के बीच हुए संवाद का ओजस्वी एवं अलौकिक मंचन आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा।

ए के लाल मीडिया प्रभारी ने बताया कि महर्षि रामलीला मे मुख्य अतिथि. एस. के. सिंह. डी. सी. पी. मौजूद थे. धनुष यज्ञ के प्रसंग में जब भगवान श्रीराम ने सहज भाव से भगवान शिव के विशाल धनुष को उठाकर प्रत्यंचा चढ़ाने का प्रयास किया, तो धनुष टूटने की गूंज के साथ पूरा वातावरण रोमांचित हो उठा। इस दृश्य के मंचन ने दर्शकों को त्रेतायुग की दिव्य अनुभूति कराई। इसके बाद भगवान परशुराम के आगमन और उनके क्रोधपूर्ण संवाद ने रामलीला में उत्सुकता एवं नाटकीयता को और बढ़ा दिया।

परशुराम-लक्ष्मण संवाद ने बांधा समां भगवान शिव के धनुष के टूटने से क्रोधित परशुराम और वीर लक्ष्मण के बीच हुए संवाद का मंचन अत्यंत प्रभावशाली रहा। परशुराम के तेजस्वी व्यक्तित्व, ओजपूर्ण वाणी और क्रोधपूर्ण भाव-भंगिमाओं के सामने लक्ष्मण के निर्भीक उत्तर, व्यंग्यपूर्ण संवाद और क्षत्रियोचित साहस ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दोनों पात्रों के बीच संवादों के उतार-चढ़ाव, सशक्त अभिनय और प्रभावशाली मंचीय प्रस्तुति ने ऐसा समां बांधा कि दर्शक पूरे समय दृश्य से जुड़े रहे।

एक ओर परशुराम का तपोबल, क्रोध और पराक्रम दिखाई दिया, तो दूसरी ओर लक्ष्मण का आत्मविश्वास, निर्भीकता और अपने आराध्य भगवान श्रीराम के प्रति समर्पण देखने को मिला। वहीं भगवान श्रीराम ने अपने विनम्र व्यवहार और धैर्य से संवाद को मर्यादापूर्ण दिशा प्रदान की। इस प्रसंग ने दर्शकों को शक्ति के साथ विनम्रता, साहस के साथ विवेक और क्रोध के स्थान पर धैर्य के महत्व का संदेश दिया। मंचन के दौरान दर्शकों की तालियों और जय श्रीराम के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

धार्मिक अनुष्ठानों से भक्तिमय हुआ वातावरण

महर्षि नगर में आयोजित इस महोत्सव में रामलीला मंचन के साथ दुर्गा पूजन, वेद पाठ, भजन-कीर्तन, प्रवचन और आरती सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। प्रतिदिन सुबह मां दुर्गा की पूजा-अर्चना और शाम को भक्ति संगीत एवं वैदिक अनुष्ठानों से पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति के रंग में रंग रहा है।

आयोजकों के अनुसार, श्रीरामलीला मंचन का उद्देश्य भगवान श्रीराम के जीवन आदर्शों, भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाना है। रामलीला के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रेम, त्याग, कर्तव्य, मर्यादा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिल रही है।

इस अवसर पर महर्षि महेश योगी संस्थान के अध्यक्ष एवं महर्षि विश्व विश्विद्यालय के कुलाधिपति श्रीमान अजय प्रकाश श्रीवास्तव तथा श्री दुर्गा पूजा, विजयादशमी एवं श्रीरामलीला महोत्सव के संयोजक रामेंद्र सचान एवं प्रबंध समिति के, विनोद श्रीवास्तव, शिशिर कांत श्रीवास्तव, विनीत श्रीवास्तव, विनोद दीक्षित, एस.पी. गर्ग, श्रीकांत ओझा, मनोज श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, लल्लन पाठक, दयाशंकर गुप्ता, राजेंद्र शुक्ला, राजेंद्र खंतवाल और नरेंद्र सिंह सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रामायण से मिलती है परिवार और समाज को जोड़ने की सीख : अशोक भाटी



गाजियाबाद। पवित्र नवरात्रों के अवसर पर हनुमान भक्त मंडली सेवा समिति द्वारा क्षेत्रवासियों के लिए एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर कृत 'रामायण' के प्रसारण का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन के गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

आयोजन के संयोजक एवं निगम पार्षद प्रवीण भाटी, समिति अध्यक्ष अशोक गुप्ता, महामंत्री बृजेश जादौन तथा कोषाध्यक्ष सुशील कुमार ने मुख्य अतिथि अशोक भाटी एवं उनके साथ आए अतिथियों का पटका पहनाकर और प्रतीक चिह्न भेंट कर स्वागत किया।

अपने संबोधन में अशोक भाटी ने कहा कि रामायण हमें परिवार और समाज को जोड़ने, आपसी प्रेम बनाए रखने तथा कर्तव्यों का पालन करने की सीख देती है। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न का भ्रातृप्रेम हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि बच्चों को पढ़ाई के साथ अच्छे संस्कार भी दें तथा उन्हें रामायण की कथाओं और आदर्शों से परिचित कराएँ।

अशोक भाटी ने इस धार्मिक एवं संस्कारप्रद आयोजन के लिए समिति की सराहना की और आत्मीय स्वागत के लिए सभी आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर जलकेश बाबूजी, जिला पंचायत सदस्य सुभाष भाटी, विपिन प्रधान, सिंहराज गुर्जर, चरण सिंह भाटी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नवरात्रि के पावन अवसर पर एमराल्ड कोर्ट में माता की चौकी का आयोजन



नोएडा। नवरात्रि के पावन अवसर पर सेक्टर-93ए स्थित एमराल्ड कोर्ट सोसाइटी में आज माता की चौकी का श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एमराल्ड कोर्ट सेवा समिति द्वारा किया गया, जिसमें सोसाइटी के निवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और मां दुर्गा का विधिवत आवाहन कर सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

माता की चौकी में श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और आस्था के साथ माता रानी के चरणों में अपनी हाजिरी लगाई। नवरात्रि के इस पावन पर्व पर आयोजित कार्यक्रम ने सोसाइटी के निवासियों को एक साथ आकर धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करने और आपसी प्रेम, सौहार्द एवं भाईचारे को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया।

कार्यक्रम में रवि बजाज, मोनिका मेहरोत्रा, रवि कपूर, सोनिया कपूर और आर.पी. खुराना सहित सोसाइटी के अनेक निवासी उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन में सहभागिता करते हुए माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

सरकार ने रिलीज की बढ़नी एवं शोहरतगढ़ में बस अड्डे के निर्माण की पहली किस्त : विधायक विनय वर्मा

नोएडा। शोहरत गढ़ विधानसभा से विधायक विनय वर्मा के विधानसभा क्षेत्र बढ़नी एवं शोहरतगढ़ में बस अड्डे के निर्माण की पहली किस्त सरकार ने रिलीज कर दी। जिस पर उन्होंने सरकार का आभार जताया और कहा कि मेरी विधानसभा शोहरतगढ़ के बढ़नी में बस अड्डे के निर्माण के लिए ?2.50 करोड़ तथा शोहरतगढ़ में बस अड्डे के निर्माण के लिए ?1.25 करोड़ की प्रथम किश्त शासन द्वारा निर्गत की गई है। इसके अलावा कार्यदायी संस्था भी नामित हो गई है । जिससे काम तेजी से संभव होगा ।





इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए माननीय उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी एवं परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह जी के प्रति हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करता हूँ।

यह उपलब्धि आप सभी शोहरतगढ़ परिवार की ताकत, विश्वास और सहयोग का परिणाम है। आपके इसी स्नेह और समर्थन के बल पर विधानसभा क्षेत्र में विकास के बड़े और ऐतिहासिक कार्य निरंतर संभव हो रहे हैं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि दोनों बस अड्डों का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा होगा, जिससे क्षेत्र की यातायात व्यवस्था और अधिक सुगम होगी तथा क्षेत्रवासियों को बेहतर परिवहन सुविधाओं का लाभ मिलेगा। हमारा संकल्प है। शोहरतगढ़ का सर्वांगीण विकास।

ज्ञानेश कुमार के समर्थन में 25 अक्टूबर को दिल्ली में जुटेगा सर्व समाज, महारैली का ऐलान



नई दिल्ली। ज्ञानेश कुमार के समर्थन में 25 अक्टूबर को दिल्ली में प्रस्तावित महारैली एवं शांतिपूर्ण मार्च को लेकर सामाजिक और व्यापारी संगठनों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में देशभर से आए वैश्य समाज, अग्रवाल समाज और व्यापारी वर्ग के प्रतिनिधियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रसिद्ध व्यापारी एवं वैश्य नेता जय भगवान गोयल, नंद किशोर अग्रवाल तथा उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन सहित विभिन्न राज्यों से पहुंचे सैकड़ों प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

आयोजकों ने सर्व समाज, वैश्य समाज, अग्रवाल समाज और व्यापारी वर्ग से अपील की कि वे 25 अक्टूबर को प्रस्तावित कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीके से अपना समर्थन व्यक्त करें।

बैठक को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा, 'एक और एक ग्यारह नहीं, बल्कि एक सौ ग्यारह होते हैं। हमारी असली ताकत हमारी एकता है। यदि हम सभी अपने मतभेदों को भुलाकर एकजुट हो जाएं, तो अपनी बात को मजबूती के साथ देश के सामने रख सकते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि सर्व समाज, वैश्य समाज, अग्रवाल समाज और व्यापारी वर्ग एक साथ खड़े हों तथा लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करें। '

उन्होंने 25 अक्टूबर को दिल्ली में होने वाले प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए देशभर के समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की प्रतिष्ठा और प्रभाव उसकी एकजुटता, संगठनात्मक क्षमता तथा अनुशासित सामूहिक भागीदारी से बढ़ता है।

विकास जैन ने आगे कहा कि समाज को अपने विचारों और समर्थन को स्पष्ट रूप से सामने रखना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि कार्यक्रम शांतिपूर्ण, अनुशासित और संवैधानिक मर्यादाओं के अनुरूप होना चाहिए, ताकि समाज का संदेश व्यापक स्तर पर पहुंचे। बैठक में प्रसिद्ध व्यापारी एवं वैश्य नेता जय भगवान गोयल ने व्यापारी वर्ग की भूमिका और सामाजिक एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि व्यापारी समाज भारतीय अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला है। व्यापारियों का योगदान कारोबार चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे रोजगार उपलब्ध कराने, आर्थिक गतिविधियों को गति देने और समाज सेवा के कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जय भगवान गोयल ने कहा, 'बनिया देश को चलाने वाला है, बनिया देश की ताकत है। यदि आज भी हम एकजुट नहीं हुए, तो फिर कब होंगे? समाज की शक्ति उसकी एकता में है। जब हम सभी एक मंच पर आकर अपनी बात रखेंगे, तभी हमारी सामूहिक आवाज अधिक प्रभावशाली बनेगी। 'बैठक में नंद किशोर अग्रवाल की विशेष भूमिका रही। उन्होंने विभिन्न सामाजिक और व्यापारी संगठनों के बीच समन्वय तथा आपसी एकजुटता के महत्व पर जोर दिया। कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में आयोजित इस बैठक में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में सैकड़ों लोगों की मौजूदगी को समाज के बीच समन्वय बढ़ाने की पहल के रूप में देखा गया।

नोएडा में 24 घंटे में 3 लोगों ने की आत्महत्या

नोएडा। नोएडा में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में 24 घंटे के भीतर तीन लोगों ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इनमें एक निजी कंपनी का सुरक्षाकर्मी, एक फूड डिलीवरी कर्मचारी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही 19 वर्षीय छात्रा शामिल हैं। तीनों मामलों में पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मोबाइल फोन के डाटा और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

अवसाद से ग्रस्त सुरक्षाकर्मी ने दी जान: सेक्टर-126 थाना क्षेत्र के शाहपुर गढ़ी गांव में मंगलवार रात एक सुरक्षाकर्मी ने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार सुबह ड्यूटी पर नहीं पहुंचने पर कंपनी के कर्मचारी उसके कमरे पर पहुंचे। खिड़की से देखने पर युवक का शव पंखे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद कस्बे के शांतिनगर निवासी शिवम (24) के रूप में हुई है। वह सेक्टर-128 स्थित शाहपुर गढ़ी में किराए पर रहता था और एक निजी कंपनी में सुरक्षाकर्मी था। मंगलवार शाम ड्यूटी से लौटने के बाद उसने यह कदम उठाया। परिजन ने पुलिस को बताया कि शिवम पिछले तीन साल से माता-पिता से अलग रह रहा था और उनसे संपर्क भी नहीं करता था।

पत्नी से रुपयों को लेकर विवाद के बाद पति ने दी जान: सेक्टर-113 थाना क्षेत्र के सर्फाबाद गांव में बुधवार को पत्नी से रुपयों को लेकर विवाद के बाद एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान कासगंज जिले के मानपुर नगरिया गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार (26) के रूप में हुई है। वह पत्नी के साथ सर्फाबाद में आइसक्रीम फैक्टरी के पास किराए के कमरे में रहता था और एक फूड डिलीवरी कंपनी में काम करता था।

पुलिस के अनुसार, बुधवार सुबह पत्नी ने खर्च के लिए रुपये मांगे थे। धर्मेंद्र ने कुछ दिन बाद रुपये देने की बात कही, जिस पर दोनों के बीच विवाद हो गया। इसके बाद पत्नी पास में आयोजित माता की चौकी के कार्यक्रम में चली गई।

इसी दौरान धर्मेंद्र ने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। घर लौटने पर पत्नी ने उसे फंदे पर लटका देखा और शोर मचाया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंप दिया है। आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही छात्रा ने लगाई फांसी: सेक्टर-39 थाना क्षेत्र के सलारपुर गांव की एक कॉलोनी में मंगलवार शाम 19 वर्षीय छात्रा प्रियांशी ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वह मूलरूप से कन्नौज जिले के गुमटिया गांव की रहने वाली थी और अपने भाई अंकित के साथ किराए के कमरे में रहती थी। दोनों अलग-अलग कंपनियों में काम करते थे। प्रियांशी नौकरी के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रही थी।

अपर जिलाधिकारी वित्त व राजस्व के उपस्थित में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लखनऊ व जिला अधिकारी गौतमबुद्ध नगर के निर्देश के क्रम में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर द्वारा 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की भूमिका' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आज आपदा प्रशिक्षण हॉल, कलेक्ट्रेट गौतमबुद्धनगर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अजीत कुमार सिंह की उपस्थिति में हुआ।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने कहा कि आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने में जन-जागरूकता, समयबद्ध तैयारी, नियमित प्रशिक्षण तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वयं सहायता समूहों की महिलाएँ अपने परिवार एवं समुदाय को जागरूक करने और आपदा के समय आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने में प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं। इस प्रकार के प्रशिक्षण से सामुदायिक स्तर पर आपदा से निपटने की तैयारी को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकता है।

प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आपदा प्रबंधन, जोखिम न्यूनीकरण, विभिन्न प्रकार की आपदाओं से बचाव तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी कार्रवाई के लिए सक्षम बनाना है। इसके माध्यम से महिलाओं को अपने परिवार एवं समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही आपदा के समय प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता (फर्स्ट रिस्पॉन्डर) के रूप में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार किया जा रहा है।

प्रशिक्षण के प्रथम दिवस प्रतिभागियों को जनपद में आपदा जोखिम प्रबंधन एवं न्यूनीकरण के उपायों, विभिन्न प्रकार की आपदाओं के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, बुनियादी जीवन रक्षक कौशल, प्राथमिक चिकित्सा तथा अग्निकांड से बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही, सामुदायिक सहभागिता, जन-जागरूकता तथा राहत एवं बचाव कार्यों में महिलाओं की भागीदारी के महत्व से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), अग्निशमन विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया। इस दौरान प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन से जुड़े वीडियो तथा सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) सामग्री के माध्यम से भी जागरूक किया गया।

मास्टर ट्रेनर ने महिलाओं को आपदा जोखिम न्यूनीकरण में उनकी भूमिका तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन दिया।

उनके मार्गदर्शन में विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों का समन्वय किया जा रहा है, जिससे प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त हो सके।

मिरगपुर में गुर्जर महासभा का क्षेत्रीय सम्मेलन, दिल्ली स्वाभिमान रैली में पहुंचने का संकल्प

देवबन्द। मिरगपुर स्थित गुरु बाबा फकीरा दास सिद्ध पीठ प्रांगण में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के पदाधिकारियों का अभिनंदन समारोह एवं क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष चौधरी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य आजाद गुरु जी ने की तथा संचालन चेयरमैन भीम सिंह ने किया।



सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी उपस्थित रहे। उनके साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केपी सिंह कसाना, रामकेश चपराना, जगबीर दौला, रामसिंह कसाना तथा गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने भी भाग लिया।

कार्यक्रम के शुभारंभ से पूर्व सभी अतिथियों ने बाबा फकीरा दास के दर्शन किए। उन्होंने आगामी 27 अक्टूबर को पटेल जयंती के उपलक्ष्य में दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित होने वाली गुर्जर स्वाभिमान रैली की सफलता के लिए प्रार्थना कर आशीर्वाद लिया।

आयोजक समिति ने अतिथियों को पुष्पमालाएं एवं पटके पहनाकर तथा बाबा फकीरा दास और गुर्जर सम्राट मिहिर भोज के प्रतीक चिह्न एवं गदा भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

स्थानीय वक्ताओं ने अतिथियों को मिरगपुर की ऐतिहासिक परंपराओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बाबा मौलड पंवार के वंशजों के इस गांव की आबादी लगभग दस हजार है। वक्ताओं के अनुसार, गांव में पिछले लगभग 500 वर्षों से बीड़ी, सिगरेट, मदिरा, मांस, लहसुन और प्याज का सेवन न करने की परंपरा चली आ रही है।राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी ने अपने संबोधन में कहा कि मिरगपुर की संयमपूर्ण जीवनशैली और परंपराएं समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने इन परंपराओं से सीख लेने तथा उन्हें अपनाने का आह्वान किया। साथ ही उपस्थित जनसमूह से 27 अक्टूबर को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में पहुंचकर गुर्जर स्वाभिमान रैली को सफल बनाने का अनुरोध किया। उपस्थित लोगों ने बाबा फकीरा दास को साक्षी मानकर समाज और युवाओं के भविष्य के लिए एक दिन समर्पित करने तथा दिल्ली पहुंचने का संकल्प लिया।

सम्मेलन में वीरेंद्र गुर्जर, अजीत सिंह, अर्णव चौधरी, भागवीर सिंह, कृष्णपाल सिंह, कंवरपाल मास्टर, विक्रम प्रधान, डॉ. सुभाष सिंह, सुखपाल सिंह, बलजोर सिंह, बिल्लू भगत जी, प्रीतम सिंह, सुरेंद्र फौजी, रामपाल सिंह, अर्जुन सिंह प्रधान, गुरनाम सिंह, मोहित कुमार और आजाद सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासियों एवं आसपास के दर्जनों गांवों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वक्ताओं ने समाज की एकजुटता, शिक्षा, युवा पीढ़ी के भविष्य और सामाजिक उत्थान पर अपने विचार व्यक्त किए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

3 करोड़ की चोरी का खुलासा, 3 गिरफ्तार

3172 पेटीएम मशीनें और 147 एयरटेल सेटअप बॉक्स बरामद

नोएडा। सेंट्रल नोएडा की सूरजपुर थाना पुलिस ने करीब 3 करोड़ रुपये की चोरी का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 3172 पेटीएम प्रिंटर/मोबाइल मशीनें, एयरटेल के 147 सेटअप बॉक्स और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए हैं। आरोपी चोरी का सामान लोडर में भरकर बेचने जा रहे थे।

एडिशनल डीसीपी स्वतंत्र सिंह के मुताबिक, चोरी सूरजपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित आईनोट्रोनिक्स कंपनी में हुई थी। बुधवार रात गश्त के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली। इसके बाद न्यू दादरी रेलवे स्टेशन के पास जंगल से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिलाल निवासी पसौंडा, गाजियाबाद और सलमान व आदिल निवासी बुलंदशहर के रूप में हुई है। सलमान और आदिल फिलहाल



गौतमबुद्धनगर के हल्दौनी में रह रहे थे। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने साथियों के साथ 9 और 10 अक्टूबर की रात कंपनी में चोरी की थी। वे कंपनी के पीछे जंगल की तरफ से पहुंचे और एग्जॉस्ट फैन उखाड़कर अंदर घुस गए। इसके बाद पेटीएम मशीनों, एयरटेल सेटअप बॉक्स और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान के कार्टून चोरी कर लोडर में भरकर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, आरोपी मदरबोर्ड बेचने का काम भी करते थे। चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया गया है।

चार अन्य आरोपियों की तलाश में तीन टीमें: पुलिस के अनुसार, वारदात में गिरफ्तार तीन आरोपियों के अलावा इमरान उर्फ पंगा, फरमान, राशिद और वसीम समेत अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आई है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सूरजपुर थाना पुलिस की तीन टीमें लगाई गई हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा में निकली राम बारात शहर वासियों ने किया स्वागत

नोएडा। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति द्वारा भगवान श्री राम जी की बरात पूरे नोएडा शहर से होकर निकाली गई जिसका शहर वासियों ने जगह जगह आरती उतारी एवं स्वागत किया। इस अवसर पर समिति के चेयरमैन टी एन गोविल, अध्यक्ष टी एन चौरसिया, कार्यकारी अध्यक्ष सुशील भारद्वाज, संजय बाली महासचिव, अल्पेश गर्ग कोषाध्यक्ष, मनीष अग्रवाल, अनिल गुप्ता, राजीव गर्ग, रामकुमार शर्मा, शुभ कर्ण राणा, पवन सिंह, चंद्रपाल सिंह, प्रमोद रंगा, राहुल बाली, जतिन गोविल, मोहिक गुप्ता, अमित पोरवाल,सुनील कुमार, बबलू, और काफी संख्या में भक्त उपस्थित रहे। उसके बाद राम जी एवं माता सीता जी का पाणिग्रहण संस्कार किया गया एवं माता सीता जी की विदाई का मार्मिक दृश्य दिखाया गया



जिसको देखकर भक्तों की आंखों से अश्रु धारा बह निकली।

ग्रेनो के गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइट और हाईमास्ट लगाने की तैयारी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के गांवों और जहां पर बिजली आपूर्ति में समस्या है,ऐसे स्थानों पर सोलर स्ट्रीट लाइट और हाईमास्ट लाइट लगाने की तैयारी चल रही है। इसके लिए प्राधिकरण ने सूचना जारी कर इच्छुक कंपनियों से बाजार दर की जानकारी मांगी है। खर्च का आकलन करने के बाद निविदा जारी की जाएगी। इससे बिजली चोरी पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। साथ ही बिजली की बचत भी होगी।

अधिकारी के मुताबिक गांवों में स्ट्रीट लाइट के खंभे से बिजली चोरी की शिकायतें विद्युत अभियांत्रिकी विभाग को लगातार मिल रही हैं। इससे प्राधिकरण को आर्थिक नुकसान होने के साथ गलियों में अंधेरा भी रहता है। इस समस्या के समाधान के लिए सोलर स्ट्रीट लाइट और हाईमास्ट लाइट लगाने का फैसला लिया गया है। उच्चाधिकारियों से विचार- विमर्श के बाद योजना पर काम शुरू कर दिया गया है। ऐसे विकल्प के रूप में लिया गया है। योजना के तहत 7 और 9 मीटर ऊंची सोलर स्ट्रीट लाइट और 12.5 मीटर ऊंची हाईमास्ट लाइटें लगाई जाएंगी। इससे उन गांवों में रोशनी की व्यवस्था दुरुस्त होगी, जहां अक्सर बिजली चोरी के कारण स्ट्रीट लाइटें बंद रहती हैं। सोलर होने से बिजली चोरी की समस्या भी खत्म होगी। सर्वेक्षण कर पता लगाया जाएगा कि क्षेत्र के किन गांवों में स्ट्रीट लाइट से बिजली चोरी होती है। साथ ही ऐसे स्थान भी चिह्नित किए जाएंगे,जहां पर बिजली आपूर्ति की समस्या है। ऐसे स्थानों पर सोलर स्ट्रीट लाइट लगने से अंधेरे की समस्या दूर हो जाएगी।

कंपनियों से मांगी गई बाजार दर: वरिष्ठ प्रबंधक अजीत भाई पटेल ने बताया कि विभाग द्वारा सोलर ऑल इन वन स्ट्रीट लाइट और हाईमास्ट लाइट की दर का पता किया जा रहा है। इसके लिए कंपनियों से बाजार मूल्य की जानकारी मांगी गई है।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक संपन्न

गौतमबुद्धनगर। जनपद में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने तथा बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत संचालित पोषण कार्यक्रमों की प्रगति, बच्चों की पोषण स्थिति और गर्भवती महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की गई। बिसरख, दादरी, दनकौर, शहरी क्षेत्र एवं जेवर परियोजनाओं के कार्यों का आकलन करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप योजनाओं का क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी ने अवगत कराया कि



सितंबर माह में गंभीर तीव्र कुपोषण (सैम) एवं मध्यम तीव्र कुपोषण (मैम) श्रेणी में चिह्नित बच्चों की संख्या में पिछले माह की अपेक्षा कमी आई है। मुख्य विकास अधिकारी ने बच्चों का नियमित वजन मापन, उनकी पोषण स्थिति के अनुरूप आवश्यक सेवाएँ उपलब्ध कराने तथा चिह्नित बच्चों की निरंतर निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कम प्रगति वाले क्षेत्रों में विशेष ध्यान देते हुए शासन की मंशा के अनुरूप पोषण कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में गर्भवती महिलाओं की चौथी प्रसवपूर्व जाँच (एएनसी-4), निर्धारित वजन वृद्धि तथा टेक होम राशन की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने संभव 6.0 अभियान एवं ई-कवच के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की नियमित निगरानी करने और गर्भवती महिलाओं को समयबद्ध स्वास्थ्य जाँच एवं आवश्यक पोषण सुविधाएँ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक पहुँचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जमीनी स्तर पर योजनाओं की नियमित निगरानी करने तथा आवश्यक कार्यवाही समय से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य और पोषण संबंधी सुविधाएँ सुगमता से मिलें तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद परिवारों तक प्रभावी ढंग से पहुँचे।

संक्षिप्त समाचार

बाइक सवार बदमाश इंजीनियर से सोने की अंगूठी लूट कर फरार

नोएडा। सेक्टर बीटा वन में बाइक सवार दो बदमाशों ने एक इंजीनियर से सोने की अंगूठी लूट ली। घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस की, लेकिन घटना के 13 दिन बाद भी पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया है। सेक्टर बीटा वन में इंजीनियर आरिफ परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया की दो अक्तूबर को वह घर के बाहर टहल रहे थे। इसी बीच बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। उनके हाथ से सोने की अंगूठी लूट ली। विरोध किया तो गोली मारने की धमकी दी।

पूरी घटना एक घर के बाहर लगी सीसीटीवी में कैद हुई है। पीड़ित ने मामले की शिकायत संबंधित पुलिस चौकी में जाकर की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। पीड़ित का आरोप है कि घटना के 13 दिन बाद उनका मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। इस मामले में कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामला संज्ञान में आया है। जांच की जा रही है। सीसीटीवी से पुलिस बदमाशों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। मुकदमा दर्ज कर बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने धान की क्रॉप कटिंग का निरीक्षण किया

नोएडा। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने तहसील सदर के गिरधरपुर गांव में खरीफ वर्ष 2026-27 के धान की फसल की क्रॉप कटिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने खेत पर पहुंचकर फसल उत्पादन का परीक्षण कराया।

इस दौरान जिलाधिकारी की मौजूदगी में किसान शीला देवी की जमीन (गाटा संख्या 58) पर 10×10×10 त्रिकोण मीटर क्षेत्रफल में धान की कटाई की गई। परीक्षण में 10.805 किलोग्राम उपज मिली। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने किसानों से बात की। उन्होंने बताया कि फसल उत्पादन के सही आकलन के लिए क्रॉप कटिंग बहुत जरूरी है। इससे किसानों को सरकारी योजनाओं और बीमा का सही लाभ मिल पाता है। इस मौके पर उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, अपर सांख्यिकी अधिकारी अलका चौहान, लेखपाल जितेंद्र भाटी, राजस्व निरीक्षक नरेश शर्मा, बीमा कंपनी के प्रतिनिधि धीरज कुमार, रामोतार और किसान शीला देवी मौजूद रहे।

पुलिस मुठभेड़ में बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-63 में बुधवार रात पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। गढ़ी गोल चक्कर के पास हुई मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लग गई।

घायल बदमाश की पहचान शुभम उर्फ शिवम उर्फ शुभम राजपूत (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से चोरी की बाइक, तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एडीसीपी स्वतंत्र सिंह ने बताया कि 14 अक्टूबर को सेक्टर-63 थाना पुलिस गढ़ी गोल चक्कर के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की हीरो स्प्लेंडर बाइक पर आ रहे युवक को रुकने का इशारा किया गया। आरोप है कि वह यू-टर्न लेकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा किया तो उसकी बाइक फिसलकर गिर गई। इसके बाद आरोपी ने भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर गोली चला दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लगी। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

नोएडा और दिल्ली में 16 मुकदमे दर्ज: पुलिस के मुताबिक, शुभम नोएडा के सेक्टर-63 थाना क्षेत्र के आश्रम गेट का रहने वाला है। उसके खिलाफ नोएडा और दिल्ली के अलग-अलग थानों में चोरी, अवैध हथियार रखने और एनडीपीएस एक्ट समेत विभिन्न मामलों में 16 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और अन्य आपराधिक मामलों की जानकारी जुटा रही है।

शिव मंदिर के दानपात्र से नकदी चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। नॉलेज पार्क थाना पुलिस ने सेक्टर-151 स्थित प्राचीन शिव मंदिर के दानपात्र से नकदी चोरी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बिहार के अररिया जिले के मूल निवासी और वर्तमान में कोंडली बांगर में रह रहे आसिफ (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी के 5,220 रुपये नकद, दो प्लास (कटर) और दो पेचकस बरामद किए हैं।

जानकारी के अनुसार, 6 अक्टूबर को सेक्टर-151 स्थित मंदिर के दानपात्र का ताला तोड़कर नकदी चोरी की गई थी। इस मामले में मंदिर की देखरेख करने वाले पुजारी चेतन शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई थी। सुबह मंदिर पहुंचने पर मुख्य द्वार का ताला टूटा मिला था। अंदर जांच करने पर दानपात्र से नकदी और अन्य सामान गायब मिला था।इस मामले में थाना नॉलेज पार्क में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। स्थानीय खुफिया सूचना और बीट पुलिसिंग की मदद से आसिफ को कोंडली मार्केट से सेक्टर-155 की ओर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305, 331(4) और 317(2) के तहत दर्ज मुकदमे में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली और कार की टक्कर में बाइक सवार की मौत

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में बुधवार रात करीब 10 बजे गंग नहर पर बांजरपुर गांव के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली और कार की टक्कर हुई। हादसे में बाइक सवार लोकेश गंभीर घायल हुआ। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां देर रात 12 बजे इलाज के दौरान डॉक्टरों ने मृत बताया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। ककोड़ कोतवाली क्षेत्र के हिरनोटी गांव के लोकेश ग्रेटर नोएडा से अपने गांव बाइक पर सवार होकर लौट रहे थे। वह गंग नहर के रास्ते से गुजर रहे थे, तभी बांजरपुर गांव के पास कार और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर हुई। लोकेश दोनों वाहनों की चपेट में आने से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोग जमा हो गए। पुलिस को सूचना मिली तो वह मौके पर पहुंची और घायल लोकेश को अस्पताल ले गई, लेकिन उनकी जान नहीं बची।

नवरात्रि के रंग में रंगा आईएमएस नोएडा, डांडिया की धुन पर थिरके विद्यार्थी

नोएडा। नवरात्रि के उत्साह, पारंपरिक संस्कृति और उल्लास को जीवंत करते हुए आईएमएस नोएडा में डांडिया नाइट का आयोजन किया गया। मंगलवार से बृहस्पतिवार तक आयोजित इस सांस्कृतिक आयोजन में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और गरबा एवं डांडिया की मनमोहक प्रस्तुतियों से परिसर को उत्सव के रंगों से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पारंपरिक परिधानों में सजकर गरबा और डांडिया खेला। रंग-बिरंगे परिधानों, मधुर संगीत और डांडिया की थाप ने पूरे परिसर में उत्सव का माहौल बना दिया। विद्यार्थियों ने समूह में गरबा प्रस्तुत कर अपनी ऊर्जा, रचनात्मकता और सांस्कृतिक उत्साह का प्रदर्शन किया। तीनों दिन विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता और उमंग ने कार्यक्रम को यादगार बनाया।



छात्रों को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए आईएमएस नोएडा के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि नवरात्रि का त्योहार हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाते हैं साथ ही हमें एक साथ आने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सांस्कृतिक उत्सव न केवल आनंद का माध्यम है, बल्कि यह हमारी जड़ों से जुड़े रहने और विविधता में एकता का संदेश भी देते हैं। हमारा मकसद छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ अपनी संस्कृति से भी जोड़े रखना है।

आईएमएस कल्चरल क्लब की हेड मीतु चौधरी ने बताया कि संस्थान द्वारा आयोजित आज के कार्यक्रम में आईएमएस के स्टॉफ, फैकल्टी एवं छात्र-छात्राओं ने शिरकत की। छात्रों ने कार्यक्रम के दौरान गीत, संगीत और नृत्य से सबका मन मोहा। फिल्मी धुन और गीत से सजी डांडिया उत्सव में छात्राओं ने अपनी मंत्रमुग्ध अदाओं से तालियां बटोरी। कार्यक्रम के दौरान डांडिया प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने जोश और उमंग के साथ हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि आज का कार्यक्रम आपसी भाईचारा बढ़ाने, बुराईयों को दूर कर एकता की मिसाल कायम करने, छात्रों के बीच शांति, सांस्कृतिक एवं सामाजिक सौहार्द के लिए आयोजन किया गया।

लापता व्यक्ति का शव हिंडन नदी के पास मिला, दोस्त पर हत्या का आरोप

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र से कुछ दिनों से लापता चल रहे 40 वर्षीय पवन शर्मा का शव बृहस्पतिवार को बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार, पवन शर्मा का शव लखनावली गांव के पास हिंडन नदी के पुस्ते के नजदीक मिला है। इस मामले में पवन शर्मा की हत्या का आरोप उनके ही दोस्त ललित शर्मा पर लगा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, 15 अक्टूबर को पवन शर्मा के भाई ने ईकोटेक-3 थाने में उनके घर नहीं लौटने की शिकायत दर्ज कराई थी। पवन शर्मा कुलेसरा गांव में रहने वाले थे। शिकायत दर्ज कराते वक्त शिकायतकर्ता ने अपने पड़ोसी ललित शर्मा पर शक जताया था, जिसके आधार पर पुलिस ने आगे की जांच शुरू की थी। पुलिस ने शक के आधार पर ललित शर्मा को हिरासत में ले लिया और उससे पूछताछ शुरू की। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपी ललित शर्मा ने बताया कि उसने बुधवार रात पवन शर्मा के साथ बैठकर शराब पी थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों दोस्तों के बीच विवाद हो गया था।

विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ललित शर्मा ने पवन शर्मा की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी ने शव को लखनावली गांव के पास हिंडन नदी के पुस्ते पर लाकर फेंक दिया था। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी सुबोध कुमार ने इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

श्रीराम बारात शोभायात्रा का भव्य आयोजन, नगरवासियों ने जगह-जगह किये स्वागत

नोएडा। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला मंचन के पंचम दिन भगवान श्रीराम की बारात एवं शोभायात्रा सेक्टर 20 के हनुमान मंदिर से नवीन पोरवाल,विनय गुप्ता,एस एम गुप्ता, सुधीर पोरवाल,राकेश कुमार, मनोज गोयल, मुकेश गर्ग, एडवोकेट मनोज गुप्ता, बजरंगलाल गुप्ता, संदीप पोरवाल एवं प्रवीण गोयल के संयोजन में बड़े धूम धाम से निकाली गयी।

भाजपा जिलाध्यक्ष महेश चौहान,समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग,अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव डॉ?मुन्ना कुमार शर्मा ने नारियल फोड़कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया।सेक्टर 20 से निकली भगवान श्रीराम की बारात सैकड़ों की संख्या में मौजूद लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगा कर वातावरण को राममय कर दिया।ढोल,बेंड बाजे,घोड़ों,रथों के साथ निकली राम बारात का जगह-जगह फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया।भगवान श्री गणेश,ब्रहमा जी,शंकर भगवान,श्री राम,लक्ष्मण जी ,भरत ,शत्रुघ्न ,ऋषि वशिष्ठ, अग्रसेन जी महाराज एवं अन्य राजा अपने अपने रथों एव घोड़ों पर सवार होकर निकले।हुनमान मंदिर समिति द्वारा बारात का भव्य स्वागत किया गया।ततपश्चात सेक्टर 20-26 के गेट,डीएम चौराहा,टेलीफोन एक्सचेंज सेक्टर-19, हरौला,सेक्टर 5, 9,11,12,22,55,56 होते हुए रामलीला स्थल पहुंची।इस दौरान सेक्टर 20- 26 गेट पर बीना गोयल,हनुमान मंदिर समिति,संतुष्टि सेवा फाउंडेशन,सतपाल बंसल,उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल संगठन,शांभवी महा मुद्रा,पोरवाल समाज,राजीव जैन,राजन साइकिल,प्रवीण गोयल जनता साइकिल,प्रदीप अग्रवाल, अनिल चौहान,श्अनिल गर्ग,याम ट्रेडिंग,मनीष जैन,मुकेश गर्ग,सुशिल सिंघल,डॉ. वी. के. गुप्ता,प्रदीप अग्रवाल,अनिल चौहान,चौधरी क्रेन,सुनील अग्रवाल,सेक्टर-55 आर डब्लू ए,श्रीकांत बंसल,सोहनलाल गर्ग,वीरेंद्र पोरवाल,मनोज गुप्ता,रामेश्वर



शर्मा,श्रीकांत बंसल,कैलाश गौशाला,वरुण श्रीवास्तव,विनीत शर्मा द्वारा बारात का स्वागत किया गया। सायंकाल श्रीराम बारात सेक्टर-62 स्थित रामलीला स्थल पर पहुंची,जहां राजा जनक ने बारातियों का स्वागत किया।ततपश्चात मुख्य अतिथि सांसद श्री सुरेन्द्र सिंह नागर,भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल,फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा,उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के चेयरमैन पीयूष द्विवेदी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ लीला का शुभारंभ हुआ। इसके उपरांत चारमंडपों में श्रीराम जानकी सहित चारों भाइयों का विधि विधान से विवाह संपन्न होता है।विवाह के पश्चात राजा जनक से अयोध्या नगरी वापस जाने की आज्ञा माँगने पर राजा जनक की आखों से अश्रु छलक पड़ते हैं। जानकी विदाई का मार्मिक मंचन किया गया जिसमें जानकी विदाई के समय राजा जनक की हृदयवस्था का मार्मिक मंचन किया गया।राजा दशरथ गुरू वशिष्ठ जी से कहते हैं कि मेरी एक अभिलाषा है कि राम को युवराज पद दे दिया जाये यह सुनकर मुनि वशिष्ठ अति प्रसन्न हुए। राजा ने अपने मंत्री और सेवकों को बुलाकर पूछा अगर आप लोगों को अच्छा लगे तो राम का राजतिलक कर दिया जाये।राम के राज तिलक की बात सुनकर सभी अयोध्या वासी खुशी से झूम उठते हैं और गाते हैं।

16 अक्टूबर को श्रीराम वन गमन,केवट संवाद,भरत -कैकेयी संवाद,भरत जी का श्रीराम जी से आग्रह,आदि प्रसंगों का मंचन किया जायेगा।इस अवसर पर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार गर्ग,कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग,सलाहकार मनोज शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल,चौधरी रविन्द्र सिंह, तरुणराज, पवन गोयल, बजरंग लाल गुप्ता,एसएम गुप्ता,अजीत चाहर, गौरव मेहरोत्रा,मुकेश गोयल, मुकेश अग्रवाल,मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता,गिरिराज बहेडिया,चक्रपाणि गोयल,राजेश माथुर,अनंत वर्मा,नवीन पोरवाल,भानुप्रताप सिंह,सुधीर पोरवाल,अर्जुन अरोड़ा, साहिल चौधरी,आर के उप्रेती,दयाशंकर तिवारी,बाबूराम शर्मा,सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्तिथ रहे।

संक्षिप्त समाचार

नीम करोली बाबा का बाल रूप निभाने के बाद पढ़ने लगे हनुमान चालीसा

विहान बोले- बदल गया जीवन

नई दिल्ली, एजेंसी। नीम बाबा का बाल रूप पर्दे पर निभाने के बाद 13 वर्षीय विहान की जिंदगी में बड़ा बदलाव आया है। अब उनकी बाबा जी और हनुमान जी के प्रति आस्था बढ़ गई है। वह रोजाना हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं और इससे उन्हें सकारात्मक ऊर्जा महसूस होती है। पुणे के रहने वाले बाल कलाकार विहान ने मंगलवार देर रात रोहिणी सेक्टर-11 स्थित जापानी पार्क में बातचीत में यह बात साझा की। वह नव श्री केशव रामलीला कमेटी की ओर से आयोजित रामलीला में पहुंचे थे।



विहान की पहली फिल्म है हनुमान अंश- आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले विहान ने बताया कि 'हनुमान अंश' उनकी पहली फिल्म है। हिंदी प्रोजेक्ट के तहत बनी इस फिल्म में उन्हें नीम करौली बाबा के बाल रूप का किरदार निभाने का मौका मिला। शुरुआत में उन्हें पता नहीं था कि फिल्म में उन्हें बाबा जी की भूमिका निभानी है। जब उन्हें इस बारे में जानकारी मिली तो उन्होंने नीम करौली बाबा के जीवन के बारे में पढ़ा और उनके बाल रूप को पर्दे पर उतारने की तैयारी की। विहान के मुताबिक, इस किरदार को निभाने के बाद उनकी जिंदगी में कई बदलाव आए हैं। पहले उन्हें बहुत कम लोग जानते थे, लेकिन फिल्म के जरिए उन्हें नई पहचान मिली है। वह इसके लिए बाबा जी और हनुमान जी का आभार जताते हैं।

घरेलू एलपीजी के लिए बायोमीट्रिक की अनिवार्यता पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

तेल कंपनियों को भी नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए आधार बायोमीट्रिक को अनिवार्य करने के केंद्र सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव सांम्ब्रे व न्यायमूर्ति संजय शर्मा की पीठ ने केंद्र सरकार, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड और सरकारी तेल कंपनियों को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा है।



दृष्टिबाधित लोगों को हो रही गंभीर परेशानी - 75 प्रतिशत दिव्यांग अधिवक्ता पुलकित लूथरा ने जनहित याचिका दायर कर कहा कि एक अक्टूबर से लागू अनिवार्य बायोमीट्रिक आधार आथेंटिकेशन (बीएए) में आईरिस स्कैन भी शामिल है। इससे उनके जैसे दृष्टिबाधित लोगों को गंभीर परेशानी हो रही है। मामले पर सुनवाई के दौरान अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने कहा कि यह फैसला सरकारी सब्सिडी के दुरुपयोग को रोकने के लिए लिया गया है। हालांकि, उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस प्रविधान में दिव्यांगों का ध्यान रखा जाएगा।

कॉकरोचों के प्रदर्शनों से त्रस्त व्यापारी पहुंचे दिल्ली हाई कोर्ट

राहत दिलाने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के कनॉट प्लेस में शुक्रवार को प्रस्तावित सीजेपी के प्रदर्शन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। व्यापारियों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सचिन पुरी ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के समक्ष मामले का उल्लेख किया और



कोर्ट ने मामले पर दिन में सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की है। उन्होंने तर्क दिया कि अगर इसे नहीं रोका गया तो व्यापारी पूरी तरह बर्बाद हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में इस प्रदर्शन को रोका जाना चाहिए। याचिकाकर्ता व्यापारियों का कहना है कि कनॉट प्लेस दिल्ली का प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है और त्योहारी सीजन में इस तरह के प्रदर्शन से व्यापार बुरी तरह प्रभावित होगा। ग्राहकों की आवाजाही बंद हो जाएगी और कानून-व्यवस्था की समस्या भी पैदा हो सकती है।

दिल्ली-एनसीआर में घने बादल और तेज हवा से ठंडक की सुगबुगाहट

दिल्ली में आज भी बारिश के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। सिलसिलेवार धरना प्रदर्शनों से जूझती दिल्ली में गुरुवार की सुबह मौसम का एक अलग ही सुहाना मिजाज देखने को मिला। आकाश में छाए काले बादलों और ठंडी हवाओं के साथ हुई बारिश ने शहर में हल्की ठंडक की दस्तक दे दी है। ऐसे में जब नवरात्रि के पावन दिवसों के साथ त्योहारों का सीजन नजदीक है, इस खुशनुमा मौसम ने शहर की रौनक और फेस्टिव मूड को और बढ़ा दिया। वहीं, एनसीआर में भी कई जगहों पर मौसम का नजारा बदला मिला।



कई जनपदों में सुबह से बदला दिखा नजारा- गुरुवार को दिन की शुरुआत ही ठंडी हवा के झोकों के साथ हुई। इस बीच सोनीपत और नारनौल में काले बादलों में डेरा जमा लिया। कुछ ही देर में तेज हवा के साथ हल्की बारिश की फुहारें पड़ने लगीं। दिल्ली में बारिश के बीच सुरक्षा में तैनात अर्द्धसैनिक जवान छाता लेकर सड़क पार करता हुआ। इससे तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। सोनीपत में दिन में गहरी शाम सा धुंधलका सा छने लगा था। यही नजारा नोएडा-ग्रेटर नोएडा, पलवल, साहिबाबाद, गाजियाबाद आदि जगहों पर भी देखने को मिला।

- **पलवल में दिन की शुरुआत में ही अंधेरा छा गया-** वहीं, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राजधानी के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश, आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। रेवाड़ी में भारी बारिश के चलते मंडी में रखा हजारों कुंतल अनाज भीगने से बर्बाद हो गया। सुबह न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.7 डिग्री अधिक है, जबकि अधिकतम तापमान करीब 29 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

नोएडा में बादल छाने से मौसम हो गया खुशनुमा

30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं और रुक-रुक कर हो रही बारिश से तापमान में गिरावट आई है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। खैर, त्योहारी सीजन की तैयारियों के बीच इस सुहाने और ठंडे मौसम ने बाजारों की रौनक और त्योहारों के उत्साह को दोगुना कर दिया है।

दिल्ली की सड़कों के डेटा में लापरवाही पड़ी भारी

पीडब्ल्यूडी ने 9 इंजीनियरों को दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली, एजेंसी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने जीएसडीएल पोर्टल पर सड़कों का ब्योरा अपलोड करने और सत्यापन में लापरवाही पर नौ कार्यकारी अभियंताओं को 15 अक्टूबर यानी आज तक का अल्टीमेटम दिया है। विभाग के अनुसार 17 में से केवल आठ अभियंताओं ने प्रमाणपत्र जमा किए हैं। इनके क्षेत्राधिकार में 80 से 90 प्रतिशत सड़कों का ही ब्योरा अपडेट हुआ है। शेष अभियंताओं को



सड़क संबंधी जानकारी पूरी करने, दोहराव दूर करने और सत्यापन के बाद प्रमाणपत्र जमा करने का निर्देश दिया गया है।

जीएसडीएल पोर्टल पर अपडेट- दिल्ली में सड़कों से संबंधित आंकड़ों को जीएसडीएल पोर्टल पर अपडेट करने के मामले में लोक निर्माण पीडब्ल्यूडी के कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, 10 और 16 सितंबर को जारी निर्देशों के तहत सभी संबंधित कार्यकारी अभियंताओं को अपने क्षेत्र की सड़कों के आंकड़े पोर्टल पर अपलोड करने और उनकी जांच करने को कहा गया था।

दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में बड़ा खेल

मरीजों को असली की जगह दी जा रही थीं नकली दवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी अस्पतालों में कैंसर मरीजों के उपचार के लिए रखी महंगी दवा को गायब कर उनकी जगह नकली दवा मरीजों को लगाई जा रही है। अंतरराज्यीय दवा माफिया आपसी मिलीभगत से इसे अंजाम दे रहे हैं। दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (डीएससीआई) से चार महंगे कैंसर इंजेक्शन गायब होने के मामले ने इस मिलीभगत की पोल खोल दी है।



- **व्यवस्था पर सवाल खड़े किए-** आरोप है कि सरकारी अस्पतालों से असली दवा खुले बाजार में बेची जाती और उनकी जगह सस्ती दवा या सलाइन भरकर उन्हें असली इंजेक्शन के रूप में सरकारी अस्पतालों में खपाया जा रहा है। इसने सरकारी अस्पताल में दवाओं के भंडारण, सुरक्षा और वितरण व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।
- **50 लाख रुपये नकद बरामद-** स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली क्राइम ब्रांच की अगस्त में की गई कार्रवाई ने नकली दवाओं के नेटवर्क को उजागर किया था। 17 लोगों को गिरफ्तार कर उनसे करीब नौ करोड़ रुपये की दवा, 588 कैंसर इंजेक्शन और 50 लाख रुपये नकद भी बरामद किए थे। तब सामने आया था कि अंतरराज्यीय दवा माफिया आपसी मिलीभगत से सरकारी अस्पतालों और सीजीएचएस के स्टोर से असली दवाएं बाहर निकाल कर उसकी पैकेजिंग में नकली दवा भर कर उन्हें स्टोर में रख देते हैं। बताया गया कि इस मामले में गिरफ्तार आरोपित विक्रम सिंह और वतन सैनी पर सीजीएचएस की दवा दूसरी जगह पहुंचाने, जबकि राजू मिश्रा पर नकली दवाएं तैयार करने में संलिप्त होने का आरोप है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जीटीबी एन्क्लेव थाने में दर्ज एफआइआर को क्राइम ब्रांच की जांच से जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है।

90 से अधिक अस्पताल जांच के दायरे में

मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु समेत कई शहरों में फैले अंतरराज्यीय दवा माफिया नेटवर्क में दिल्ली के 90 से अधिक अस्पतालों की भूमिका की जांच की जा रही है। सामने आया है कि 100 से अधिक कैंसर मरीजों को नकली दवा दी गई थी। कुछ मामलों में दूसरे मरीजों के लिए निर्धारित दवा भी अन्य मरीजों को दिए जाने की भी जानकारी भी सामने आई है।

2027 तक टला भलस्वा के कूड़े के पहाड़ का सफाया, छह बार बढ़ी समयसीमा

कूड़े का पहाड़ नहीं हो पा रहा खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के लिए कलंक कहे जाने वाले कूड़े के पहाड़ खत्म नहीं हो पा रहे हैं। आलम यह है कि 2019 में जहां एक साल में इन लैंडफिल साइटों को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था, वहीं अब 2026 खत्म होने को है और इनकी समय-सीमा फिर बढ़ गई है। एमसीडी ने भलस्वा लैंडफिल को खत्म करने की समय-सीमा दिसंबर 2026 से बढ़ाकर फरवरी 2027 कर दी है। छठी बार एमसीडी ने भलस्वा लैंडफिल से कूड़ा साफ करने की समय-सीमा बढ़ाई है। एमसीडी ने लैंडफिल साइटों को लेकर अपना एक्शन प्लान दिल्ली सरकार को जमा कर दिया है। इसमें भलस्वा लैंडफिल की समय-सीमा फरवरी 2027 की गई है।



104.40 लाख टन कचरे का निस्तारण- एमसीडी की रिपोर्ट के अनुसार, भलस्वा के साथ गाजीपुर लैंडफिल साइट को दिसंबर 2027 में ही खत्म करने का लक्ष्य पहले की तरह निर्धारित है, जबकि ओखला लैंडफिल साइट के लिए दिसंबर 2026 की समय-सीमा है। भलस्वा लैंडफिल साइट पर 10.77 लाख टन कचरा पड़ा है, जबकि 104.40 लाख टन कचरे का निस्तारण किया जा चुका है।

अभी 63.43 लाख टन कचरे का होगा उठान- इसी तरह ओखला लैंडफिल साइट से 72.53 लाख टन कचरे का निस्तारण हो चुका है, जबकि 7.27 लाख टन कचरा अभी पड़ा हुआ है। गाजीपुर लैंडफिल साइट, जहां शुरुआत में काम सबसे तेजी से हो रहा था, वहां अभी 63.43 लाख टन कचरा बचा हुआ है, जबकि 45.80 लाख टन कचरे का निस्तारण किया जा चुका है।

यूईआर-2 के निर्माण में इसका उपयोग - उल्लेखनीय है कि एनजीटी के आदेश पर वर्ष 2019 में तीनों लैंडफिल साइटों से कचरे के निस्तारण का काम शुरू हुआ था।

कब तक खत्म नहीं होगी समस्या?

दिल्ली में लैंडफिल साइटों को खत्म करने के लिए सबसे बड़ी समस्या इन साइटों पर नए कचरे का जाना है। अभी भी 5,858 टन कचरा प्रतिदिन लैंडफिल साइटों पर जा रहा है। इसकी वजह से लैंडफिल साइटों को खत्म करने में समस्या आ रही है। हालांकि, इस कचरे के निस्तारण के लिए एमसीडी ने कार्ययोजना तैयार की है, जिसके नवंबर के मध्य में शुरू होने की उम्मीद है।

समयसीमा अब फरवरी 2027 की गई

शुरुआत में एक साल की समय-सीमा में काम पूरा नहीं हो पाया तो इसके लिए एनजीटी ने एमसीडी से लिखित समय-सीमा मांगी। इसमें 2022 तक तीनों लैंडफिल साइटों को खत्म करना था, लेकिन मार्च 2023 में फिर समय-सीमा बदली गई। इसके बाद मार्च 2024 का लक्ष्य रखा गया। बाद में इसे बढ़ाकर दिसंबर 2024 किया गया। इसके बाद समय-सीमा दिसंबर 2026 की गई और अब भलस्वा के लिए फरवरी 2027 कर दी गई है।

तहसीन ने कृष्णा पंडित बनकर बुजुर्ग को लगाया 39 लाख का चूना, दिया था गड़े हुए सोने का झांसा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से काफी हैरान करने वाला मामला सामने आया है। शोएब अली, महाकादर खान और कृष्ण पंडित बनकर आए एक व्यक्ति ने तांत्रिक अनुष्ठानों के जरिए जमीन में दबा हुआ पूर्वजों का सोना निकालने का झांसा देकर गिरिजेशन सिंह (79) के साथ धोखाधड़ी की। गिरिजेशन सिंह ने इस बारे में जब पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई, तो कई हैरान करने वाले तथ्य सामने आए।



आरोपी ने ठगे लाखों रुपए- प्राप्त जानकारी के मुताबिक, उन्होंने शिकायतकर्ता को एक असली सोने का सिक्का दिखाकर उनका भरोसा जीता और उनसे नकद और यूपीआई ट्रांजेक्शन के जरिए लगभग 39,30,588 रुपये ले लिए। आरोपियों ने शिकायतकर्ता के घर पर एक अनुष्ठान किया, जिसमें मिट्टी और नकली सोने के बिस्कुट से भरे स्टील के बर्तनों का इस्तेमाल किया गया। इतना ही नहीं, शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि उसे कोई नशीली दवा दी गई, जिससे वह बेहोश हो गया।

सामने आई कई हैरान करने वाली जानकारी

होश में आने पर उसे पता चला कि उसकी अलमारी से लगभग 15 लाख रुपये कीमत के सोने के गहने गायब हैं। मामले की पुष्टि के बाद केस दर्ज किया गया और जांच शाहदरा जिले के स्पेशल स्टाफ को सौंप दी गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि कृष्ण पंडित का असली नाम तहसीन था। इसके बारे में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर स्थित अंबा विहार में पता चला था।

ट्रेन से यात्रा करने वालों के लिए खुशखबरी, रेलवे कंबल की जगह देगा आरामदायक कंफर्टर

नई दिल्ली। वातानुकूलित ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्री अक्सर गंदे व खराब गुणवत्ता वाले बिस्तर व कंबल को लेकर शिकायत करते हैं। सबसे अधिक शिकायत कंबल को लेकर है। संसद में भी मामला उठ चुका है। इसके समाधान के लिए रेलवे ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसी कड़ी में नई दिल्ली-हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस के फर्स्ट एसी में कंबल की जगह कंफर्टर उपलब्ध कराने की पायलट परियोजना शुरू की गई है। कवर वाले कंबल का पायलट प्रोजेक्ट पहले चल रहा है।

फरवरी 2016 के बाद से स्थिति में हुआ सुधार- यात्रियों को अक्सर यह शिकायत रहती है कि उन्हें यात्रा के दौरान गंदे व दुर्गंध वाले कंबल दिए गए थे। वर्षों से इस तरह की शिकायत है। सदन में सांसद भी कई बार यह मामला उठा चुके



हैं। फरवरी, 2016 में तत्कालीन रेल राज्यमंत्री मनोज सिन्हा ने दो माह में एक बार कंबल की धुलाई की बात स्वीकार की थी। उसके बाद स्थिति कुछ सुधरी है। नवंबर, 2024 में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सदन में बताया था कि प्रत्येक माह कम से कम एक बार कंबल को धोया जाता है। इसे भी पर्याप्त नहीं माना जाता है। अब भी गंदे कंबल की शिकायत आम है।

सहम गए टीचर्स; 5 आरोपित अरेस्ट

दिल्ली में स्कूल के बाहर 12वीं के छात्र की गले में चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। मोहन गार्डन स्थित सरकारी स्कूल के बाहर छात्रों के बीच शुरू हुआ विवाद खूनी हमले में बदल गया। 14 अक्टूबर की शाम छुट्टी के बाद 12वीं कक्षा के 17 वर्षीय छात्र की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। हमले के बाद छात्र गले में चाकू घुसा होने की स्थिति में ही स्कूल के अंदर पहुंचा।



उसे लहूलुहान देखकर एक शिक्षक ने उसके गले में घुसे चाकू को बाहर निकाला और खून रोकने की कोशिश की। शिक्षकों का आरोप है कि कई बार पीसीआर काल करने के बावजूद पुलिस की गाड़ी मौके पर नहीं पहुंची। बाद में स्कूल का एक कर्मचारी थाने पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मामले में अब तक तीन नाबालिगों और दो बालिगों समेत पांच आरोपितों को पकड़ा है।

इलाज के दौरान हुई मौत- द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त के अनुसार, 14 अक्टूबर को शाम करीब 6:10 बजे मोहन गार्डन थाने में स्कूल के पास एक लड़के को चाकू मारने की पीसीआर कॉल मिली थी।

हत्या के प्रयास के मामले में मुख्य गवाह था मृतक

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक छात्र पहले एक अन्य छात्र पर हुए जानलेवा हमले के मामले में मुख्य गवाह था। उस मामले में हत्या के प्रयास का मुख्य आरोपित, वर्तमान हत्या के मुख्य आरोपित छात्र का दोस्त बताया जा रहा है। पुलिस इस पहलू की जांच कर रही है कि कहीं पुराने मामले की रंजिश के चलते तो छात्र की हत्या नहीं की गई। यह भी पता लगाया जा रहा है कि हत्या के प्रयास के मामले का आरोपित इस वारदात में शामिल था या नहीं।

संक्षिप्त समाचार

अमित पंघाल

बड़े भाई ने बॉक्सर बनाने के लिए किए त्याग

नई दिल्ली । अमित पंघाल की गिनती भारत के सबसे बेहतरीन मुक्केबाजों में की जाती है। अमित वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में देश के लिए सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले बॉक्सर बने। इसके साथ ही उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भी 'गोल्डन पंच' लगाया। अमित का जन्म 16 अक्टूबर 1995 को हरियाणा के रोहतक जिले के मायना गांव में हुआ। अमित को घर में ही शुरुआत से बॉक्सिंग का माहौल मिला। अमित के बड़े भाई अजय खुद बॉक्सर थे और वह निरंतर ट्रेनिंग किया करते थे। अमित को



बॉक्सिंग से परिचित और इस खेल में करियर बनाने के लिए मोटिवेट करने वाले भी उनके बड़े भाई ही थे। आर्थिक तंगी के चलते किसान पिता अमित या अजय में से किसी एक को ही बॉक्सिंग की ट्रेनिंग कराने में समर्थ थे। ऐसे में बड़े भाई ने अपने करियर का त्याग करते हुए अमित को ट्रेनिंग के लिए आगे भेजा।

अमित को आर्थिक तौर पर किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े, इसलिए अजय ने भारतीय सेना जॉइन कर ली। अमित ने भी रिंग में जी-तोड़ मेहनत की और अपने भाई के भरोसे पर एकदम खरे उतरे। अमित अपनी सफलता का श्रेय बड़े भाई को ही देते हैं। अमित पंघाल साल 2017 में सबसे पहले सुर्खियों में आए, जब उन्होंने नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता।

रिशाद हुसैन और एडम जम्पा होबार्ट हरिकेंस की स्पिन गेंदबाजी को मजबूत करेंगे

नई दिल्ली । होबार्ट हरिकेंस ने बिग बैश लीग 16 के लिए बांग्लादेश के लेग-स्पिनर रिशाद हुसैन को टीम के साथ बरकरार रखते हुए अपनी स्पिन गेंदबाजी को मजबूत किया है। टीम उन्हें ऑस्ट्रेलियाई एडम जम्पा के साथ इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। हुसैन को दोबारा साइन करने से मौजूदा टीम को नए सीजन में एक मजबूत स्पिन कॉम्बिनेशन मिल गया है। 24 साल के इस खिलाड़ी ने बिग बैश लीग के अपने पहले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। होबार्ट के



लिए, जम्पा को शामिल करने के बावजूद हुसैन को वापस लाना एक प्राथमिकता थी। हरिकेन्स के जनरल मैनेजर-हाई परफॉर्मेंस सैलियन बीम्स ने कहा कि फ्रेंचाइजी में लौटने के लिए स्पिनर के उत्साह ने एग्रीमेंट को आसान बनाया। उन्होंने कहा, 'रिशाद ने हमें यह बिल्कुल साफ कर दिया था कि उन्हें पिछले सीजन में होबार्ट में बिताया गया समय बहुत पसंद आया और वे वापस आना चाहते थे। यह निश्चित रूप से हमारे लिए बहुत मायने रखता था। एडम जम्पा के शामिल होने से हमारी लिस्ट थोड़ी अलग हो गई थी, लेकिन जब रिशाद जैसी क्वालिटी का खिलाड़ी हरिकेन्स में लौटने के लिए इतना पक्का इरादा रखता है, तो हम ऐसा करने के हर मौके का फायदा उठाना चाहते थे।'

विश्वजीत मोरे ने अंडर-23 रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप

जीता 'ऐतिहासिक' सिल्वर मेडल



लास वेगास । भारतीय पहलवान विश्वजीत रामचंद्र मोरे ने गुरुवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन कैटेगरी में भारत के लिए पहला सिल्वर मेडल जीता। अंडर-23 वर्ल्ड लेवल पर दो बार ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके मोरे पुरुषों के 55 किलोग्राम ग्रीको-रोमन फाइनल के आखिरी पलों में जॉर्जिया के कोबा कारुमिद्जे से 12-13 से हार गए। मोरे अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में दो मेडल जीतने वाले भारत के एकमात्र ग्रीको-रोमन पहलवान हैं। वह मंगलवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में फाइनल तक पहुंचने वाले भारत के पहले ग्रीको-रोमन पहलवान भी बने थे। उन्होंने तीन कड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मेक्सिको के इसाक मारिन माटा को 10-8 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की, जिससे क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला ईरान के अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियन आर्मिन शमसीपौर से हुआ। शमसीपौर के कंधे में चोट लग गई थी, और मोरे ने एक 'फोर-पॉइंटर थ्रो' (चार अंक दिलाने वाला दांव) का इस्तेमाल करते हुए उन्हें 8-1 से हरा दिया। रूस के मलिक गिगिएव के खिलाफ सेमीफाइनल भी काफी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों पहलवानों को 'चैलेंज' (रेफरी के फैसले को चुनौती देने का मौका) का फायदा मिला। अंत में मोरे ने 6-4 से जीत दर्ज की। मोरे फाइनल में इस लक्ष्य के साथ उतरे थे कि वह अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप की ग्रीको-रोमन स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय पहलवान बनेंगे। हालांकि, वह फाइनल में जॉर्जिया के पहलवान से हार गए और उनका गोल्ड जीतने का सपना पूरा नहीं हो सका। जॉर्जियाई पहलवान ने भी फाइनल में जगह बनाने के लिए सेमीफाइनल में किर्गिस्तान के बार्सबेक असनकोझोएव को कड़े मुकाबले में हराया था। हालांकि, इससे पहले भारत के अभियान को एक प्रशासनिक बाधा का सामना करना पड़ा था। अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप (लास वेगास) के लिए भारत के नौ पहलवानों (ग्रीको-रोमन और महिला कुश्ती कैटेगरी से) को वीजा नहीं मिला, क्योंकि वे 20 साल से कम उम्र के थे और उनके पास कोई फुल-टाइम नौकरी नहीं थी।

डब्ल्यूएफआई प्रमुख संजय सिंह ने बुधवार को आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा था, 'अमेरिकी दूतावास ने नौ भारतीय पहलवानों के वीजा इस आधार पर खारिज कर दिए कि वे बेरोजगार हैं।

पीएसजी से मिली हार से सबक लेगी मैनचेस्टर सिटी: एंजो मारेस्का

मैनचेस्टर । एंजो मारेस्का का कहना है कि यूईएफए चैंपियंस लीग में बुधवार को एतिहाद स्टेडियम में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से मिली 4-2 की हार से मैनचेस्टर सिटी सबक लेगी। मैनचेस्टर सिटी को आठ मैचों में पीएसजी के खिलाफ यह पहली हार मिली है। मैनचेस्टर सिटी ने मारेस्का के हवाले से कहा, 'हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। भले ही हम यूरोप की सबसे अच्छी टीम के खिलाफ दो गोल खा लें, हमें सही चीजें करने की जरूरत है। मैं खिलाड़ियों से सीखता रहता हूं, क्योंकि मैं तीन महीने पहले ही यहां आया हूं। हम पहला गोल खा लेते हैं और फिर एक मिनट बाद इस तरह की टीम के खिलाफ दूसरा गोल खा लेते हैं। जब आप 0-0 पर हों, तो यह पहले से ही मुश्किल होता है।' उन्होंने आगे कहा, 'दो मिनट में आप दो गोल खा लेते हैं और हमने थोड़ा संतुलन खो दिया, खिलाड़ियों के बीच दूरी रही। हमने संघर्ष किया, लेकिन फिर दूसरे हाफ में हमने बदलाव किए, कुछ एडजस्ट किया और हम बहुत बेहतर थे। सच कहूं तो मुझे पीएसजी के खिलाफ खेलना बहुत पसंद है। दूसरे 45 मिनट में शानदार कोशिश के बावजूद, पहले 45 मिनट में हुए नुकसान ने विजिटर्स को पॉइंट दिलाए।'



मारेस्का ने कहा, 'वे बहादुर हैं, मुझे पता है कि वे कैसे दबाव बनाना चाहते हैं। बॉल पर वे डायनेमिक हैं। मुझे उनके खिलाफ खेलना पसंद है। हम वहां हैं। मुझे लगता है कि हम करीब हैं। पहले हाफ में, हमने संघर्ष किया, क्योंकि हमने दो गोल खाए। लुइस एनरिक ने आखिर में मुझसे कहा कि वे काफी लकी रहे।

जीतने वाली टीम का हिस्सा न होकर निराश हूं: संजू सैमसन

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम को बुधवार को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए चौथे टी20 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 248 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 223 रन ही बना सकी और 24 रन से मैच हार गई। भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन का कहना है कि तिलक वर्मा का आउट होना भारत की हार का टर्निंग पॉइंट था। मैच के बाद सैमसन ने कहा, 'मैच का टर्निंग पॉइंट तब आया जब तिलक आउट हुए। हम आसानी से जीत की तरफ बढ़ रहे थे। हर ओवर में 10-12 रन बहुत अच्छे से आ रहे थे। रेड्डी और तिलक दबाव वाली स्थिति में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। उस समय तक हम मैच में थे। पांच विकेट गंवाने के बाद इस तरह का नियंत्रण होना-दो युवा क्रिकेटरों का इस तरह दबाव में खेलना, सच में बहुत अच्छी बात है। ' 248 रन के टारगेट का पीछा करते हुए भारत ने 12वें ओवर में 130 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन तिलक और नीतीश रेड्डी की जोड़ी मैच को करीब लेकर गई। तिलक के आउट होने के समय भारत को 19 गेंदों पर 48 रन की जरूरत थी।



सैमसन ने पारी की शुरुआत करते हुए 23 गेंदों पर 56 रन बनाकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई थी।

उन्होंने कहा, 'जब आप हारने वाली टीम में होते हैं तो आप जो भी करते हैं, वह बहुत अलग लगता है, इसलिए मैं इस समय थोड़ा निराश हूं। मैं निश्चित रूप से जीतने वाली टीम में होना चाहता था। मुझे वहां बल्लेबाजी करने में बहुत मजा आया। जब आप इस तरह के स्कोर का पीछा कर रहे होते हैं, तो कोई दूसरी बात नहीं होती- आपको बस अपनी सूझबूझ, अपने पावर गेम पर भरोसा करना होता है और मैंने वही किया। मैंने सच में उस पारी का मजा लिया, लेकिन मैं जीतने वाली टीम में होना पसंद करता। '

क्या इंडिया को गेंद से जसप्रीत बुमराह की कमी खल रही थी? इस सवाल के जवाब में सैमसन ने कहा, 'जसप्रीत बुमराह का कोई रिप्लेसमेंट नहीं है। वह एक पीढ़ी में एक बार आने वाले गेंदबाज हैं। हम बहुत लकी हैं कि वह हमारे पास हैं। हमारे पास कुछ बहुत अच्छे टैलेंट भी आए हैं। अर्शदीप बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। प्रिंस यादव ने पिछले कुछ मैचों में जिस तरह से बॉलिंग की है, वह बहुत प्रभावी है।

वेस्टइंडीज ने भारत को 24 रन से हराया

सीरीज 2-2 से बराबर; कप्तान श्रेयस अय्यर ने गेंदबाजों के भटके लाइन-लेंथ को ठहराया हार की वजह

हैदराबाद । वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के चौथे मुकाबले में भारत को 24 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही मेजबान कैरेबियाई टीम ने सीरीज में 2-2 की रोमांचक बराबरी हासिल कर ली है। अब सीरीज का निर्णायक और पांचवां मुकाबला 17 अक्टूबर को



बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। शाई होप का विस्फोटक शतक, विंडीज ने खड़ा किया 247 रनों का पहाड़ टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 3 विकेट के नुकसान पर 247 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

कप्तान श्रेयस अय्यर का बयान

'गेंदबाजों ने योजनाओं पर अमल नहीं किया'

मैच के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने गेंदबाजों के लचर प्रदर्शन पर खुलकर निराशा जाहिर की। उन्होंने स्वीकार किया कि टीम गेंदबाजी में अपनी तय रणनीतियों को धरातल पर उतारने में पूरी तरह नाकाम रही। श्रेयस अय्यर ने कहा-गेंदबाजी में चूक: 'हम गेंदबाजी में अपनी योजनाओं को सही ढंग से लागू नहीं कर सके। गेंदबाज सही लाइन और लेंथ बनाए रखने में नाकाम रहे, जिससे विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका मिला और मैच हमारे हाथ से निकल गया।' बल्लेबाजों का जुझारूपन: '248 रन के भारी दबाव वाले चेज में बल्लेबाजों ने बेहतरीन जज्बा दिखाया और मैच को अंत तक खींचने की कोशिश की, जिसकी मैं सराहना करता हूं।' वेस्टइंडीज की रणनीति की तारीफ: 'वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने अपनी फील्डिंग का बहुत समझदारी से इस्तेमाल किया।

अभिषेक नायर ने शाई होप की मैथ्यू हेडन से की तुलना

नई दिल्ली । भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने टीम इंडिया के खिलाफ शाई होप के शानदार प्रदर्शन की तुलना 2000 के दशक में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मैथ्यू हेडन के प्रभाव से की है। उन्होंने होप की तारीफ



करते हुए कहा कि वे मौजूदा दौरे पर वेस्टइंडीज की ओर से तीनों फॉर्मेट में बेहतरीन खेल दिखा रहे हैं, जिसमें उन्होंने कंट्रोल, पावर और परिस्थितियों के हिसाब से खुद को ढालने की शानदार क्षमता दिखाई है। तेज गति और बेहतरीन स्पिन का सामना करने के बावजूद, होप ने भारत के खिलाफ खूब रन बनाए हैं। उनकी खासियत यह है कि वह सिर्फ पावर-हिटिंग या सिर्फ टच-प्ले पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि जरूरत के हिसाब से अपना खेल बदल लेते हैं, जिससे उन्हें रोकना किसी भी गेंदबाज के लिए मुश्किल हो जाता है।

चैंपियंस लीग: रियल मैड्रिड ने आखिरी 8 मिनट में पलटा मैच

एएस रोमा को 4-3 से हराया

रोम । जोस मोरिन्हो की रियल मैड्रिड ने एएस रोमा के खिलाफ आखिरी 7 मिनट में तीन गोल करते हुए 1-3 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की और मुकाबला 4-3 से जीता। 83वें मिनट तक मोरिन्हो की टीम 3-1 से पीछे थी, लेकिन एस्पी, एंड्रिक और रुडिगर ने सिर्फ 8 मिनट में मैच पलट दिया और यूरोप में अपनी दूसरी जीत पक्की कर ली। मैच की शुरुआत तेज रफ्तार से हुई। चौथे मिनट में ही कोर्टोइस को हर्मोसो का शॉट रोकने के लिए शानदार सेव करना पड़ा। 16वें मिनट में रोमा ने बढ़त ले ली, जब डी रून का शॉट उनके ही साथी मालेन से टकराकर दिशा बदलते हुए गोल में चला गया। हालांकि, रोमा की बढ़त सिर्फ 5



मिनट ही रही। 25वें मिनट में किलियन एमबाप्पे ने लॉन्ग-रेंज से शॉट मारा, जो मैनसिनी से डिफ्लेक्ट होकर गोलकीपर गोलिनी को छकाते हुए अंदर चला गया और स्कोर 1-1 हो गया। पहले हाफ के आखिरी मिनटों में दोनों टीमों के पास मौके आए। कुकुरेला छाती से गेंद नियंत्रित कर बॉक्स में घुसे, लेकिन उनका शॉट टारगेट से चूक गया। एक्स्ट्रा टाइम में बेलिंगहैम का लेफ्ट-फुट शॉट भी थोड़ा वाइड चला गया।

मैनचेस्टर सिटी को पीएसजी ने 4-2 से हराया, आठ मैचों में सिटी की पहली हार

मैनचेस्टर । मैनचेस्टर सिटी को एतिहाद स्टेडियम में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के हाथों हार का सामना करना पड़ा। सिटी की पीएसजी के हाथों आठ मैचों में ये पहली हार है। पीएसजी को पहले हाफ में डेजायर डू, ओस्मान डेम्बेले और विटिना ने तीन गोल की बढ़त दिलाई। अर्लिंग हालैंड ने सिटी के लिए रिकॉर्ड तोड़ 37वां यूरोपियन गोल किया। इसके बाद पीएसजी के लिए मैग्नेस अक्लिउचे ने चौथा गोल किया। एंजो मारेस्का की टीम पॉइंट्स के लिए लड़ती रही। एंजो फर्नांडीज और हालैंड ने वुडवर्क पर शॉट मारे, इससे पहले नॉर्वे के खिलाड़ी ने एक और गोल किया।

जियानलुइगी डोनारुम्मा ने फेरान टोरेस की आखिरी पेनल्टी बचाई, लेकिन फ्रेंच चैंपियंस ने 4-2 से जीत हासिल की।

एक अन्य मैच में, फेयेनूर्ड ने भी रॉटरडैम में एक रोमांचक मुकाबले में वापसी करते हुए जीत हासिल की।

सऊदी अरब में हमले के बाद फीफा ने फीफा-ई फाइनल्स को टाल दिया

नई दिल्ली । फीफा और सऊदी ईस्पोर्ट्स फेडरेशन ने फीफा-ई फाइनल्स 2026 को टाल दिया है। इवेंट 16 से 25 अक्टूबर तक जेद्दा में होने वाला था। यह फैसला हाल ही में रियाद के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले के बाद लिया गया है। 10 अक्टूबर को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किए गए हमले में 12 लोग मारे गए और 309 घायल हो गए। यमन के ईरान से जुड़े हूती मूवमेंट ने रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली, जिसे एक दशक से ज्यादा समय में देश का सबसे खतरनाक हमला माना जा रहा है। इवेंट के



आयोजक ने एक बयान में कहा, 'यह फैसला इलाके में हाल के डेवलपमेंट और टूर्नामेंट को कराने के लिए जरूरी लॉजिस्टिक इंतजामों पर उनके असर की जांच के बाद लिया गया है। '

इसमें कहा गया है कि फीफा-ई फाइनल्स के बारे में आगे की घोषणाएं सही समय पर की जाएंगी। बयान में कहा गया, 'फीफा ने सऊदी अरब और सऊदी ईस्पोर्ट्स फेडरेशन के फीफा-ई फाइनल्स 2026 की तैयारियों में दिए गए सपोर्ट और सहयोग की तारीफ की, जो सऊदी अरब ने टूर्नामेंट के पिछले एडिशन की सफल मेजबानी के आधार पर किया है। '

शंघाई मास्टर्स: चोट के कारण क्वार्टर फाइनल मैच से हटे आर्थर गेया

फोकिना को मिला सेमीफाइनल का टिकट

शंघाई । शंघाई मास्टर्स में आर्थर गेया का बेहतरीन प्रदर्शन चोट की वजह से अचानक रुक गया। गुरुवार को एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान उन्हें चोट लगी, जिसके कारण उन्हें मैच बीच में ही छोड़ना पड़ा। सेमीफाइनल में फोकिना का मुकाबला अलेक्जेंडर ज्वेरेव और एलेक्स डी मिनौर के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। फोकिना के खिलाफ मैच शुरू होने के महज 22 मिनट बाद ही गेया को बाहर होना पड़ा। वह दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठे थे और उन्होंने फिजियो को बुलाया, जिसके बाद उन्हें तीन मिनट का मेडिकल टाइमआउट मिला। इसके बाद उन्होंने केवल तीन और प्वाइंट खेले और फिर 1-4 से पीछे रहने पर मैच छोड़ने का फैसला किया। फ्रांस के 21 वर्षीय खिलाड़ी गेया ने मंगलवार को दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी जैकब मेन्सिक को 7-6(4), 6-4 से हराकर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले, उन्होंने बेन शेल्टन को हराया था। एटीपी विन/लॉस



इंडेक्स के अनुसार, जुलाई के बाद से गेया ने अपने पिछले 15 टूर-लेवल मैचों में से 13 में जीत हासिल की है।

गेया अपने करियर के पहले एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में हिस्सा ले रहे थे और इस समय दुनिया के 56वें ??नंबर के खिलाड़ी हैं, जो उनके करियर की अब तक की सबसे अच्छी रैंकिंग है। 2026 में उनका प्रदर्शन काफी शानदार रहा है। अगस्त में उन्होंने लॉस काबोस में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता था और इसके बाद वह 'लकी लूजर' के तौर पर यूएस ओपन के चौथे राउंड तक पहुंचे थे। वहीं, पुरुष डबल्स में जैकब इनाइटर और मार्क वालनर की जोड़ी ने एक बड़ा उलटफेर करते हुए एटीपी मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। उन्होंने टॉप सीड क्रिश्चियन हैरिसन और नील स्कुपस्की को 7-6(5), 6-3 से हराकर पहली बार मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

जनवरी 2024 से एक साथ खेल रहे इनाइटर और वालनर ने अपने सामने आए सभी चार ब्रेक प्वाइंट बचाए।